शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वक्फ बिल जेपीसी अध्यक्ष कल हुब्बल्ली और विजयपुरा का करेंगे दौरा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 06 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-306

बांग्लादेश कामयाबी के बाद पूर्वोत्तर भारत अमेरिकी साजिश का अगला निशाना

अलग ईसाई देश बनाने के षडयंत्र के वाहक बने लालदूहोमा

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना जिस अंतरराष्ट्रीय षडयंत्र की बात कहते कहते तत्कालीन हो गईं, वह षडयंत्र अब भारत में मुखर हो रहा है। शेख हसीना ने कहा था कि अमेरिका यह षडयंत्र कर रहा है कि भारत, बांग्लादेश और म्यांमार को काट कर एक अलग ईसाई देश बनाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के खास प्रतिनिधि डोनाल्ड लू इस षडयंत्र को हवा दे रहे थे और बांग्लादेश में शेख हसीना के खिलाफ माहौल खराब करने के लिए बांग्लादेश के लोगों को भड़का रहे थे। इसके लिए अमेरिकी फंड का पूरा इस्तेमाल हुआ और आखिरकार बांग्लादेश को षडयंत्र की आग में झोंक दिया गया। शेख हसीना

मिजोरम के सीएम लालदूहोमा ने अमेरिका में उगला विष

शेख हसीना ने इस षडयंत्र का पहले ही खुलासा किया था

को अपना देश बांग्लादेश छोड़ कर निकलना पड़ा और अमेरिका ने अपने पिट्ठू मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश की सत्ता पर लाकर थोप दिया। तीन देशों का हिस्सा काट कर एक अलग ईसाई देश बनाने का षडयंत्र अब अगले दौर में प्रवेश कर गया है। साजिश का पहला दौर बांग्लादेश में कामयाब हुआ। अब भारत के पूर्वोत्तर में वही आग लगाने की तैयारी परवान चढ़ रही है।

पूर्वोत्तर में अमेरिकी षडयंत्र के ईसाई वाहक बने हैं मेघालय के मुख्यमंत्री पू लालदुहोमा। लालदूहोमा ने अपनी हालिया अमेरिका यात्रा में साफ-साफ कहा है कि तीन देशों के

ईसाईयों को अलग-अलग रहना पड़ रहा है, यह सहनीय नहीं है। हमें एक निजाम के तहत रहना है। लालदूहोमा के बयान पर अंदरूनी तौर पर सरगर्मी है। लेकिन अमेरिकी षडयंत्र को अंदर अंदर समर्थन दे रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं अन्य ईसाई हस्तियां चुप्पी साधे हैं। लालदूहोमा ने अपना विवादास्पद किंतु सुनियोजित बयान अमेरिका में दिया था।

शुभ-लाभ चिंता

लालदुहोमा ने इस बयान में उत्तरपूर्व क्षेत्र में एकीकृत जो-ईसाईयों का अलग देश बनाने की जरूरत का साफ संकेत दिया। लालदूहोमा ने कहा, हम ईसाईयों को तीन अलग-अलग सरकारों के अंतर्गत रहना पड़ रहा है। यह हमें कतई स्वीकार्य नहीं है। लालदूहोमा के बयान में साफ था कि वे चाहते हैं भारत, म्यांमार और बांग्लादेश में रहने वाले ईसाई (जो जाति के ईसाई) एक निजाम के अंतर्गत रहें। यानि, इनका अलग राज्य हो या अलग देश।

लालदुहोमा ने यह बयान अमेरिका में 4 सितम्बर 2024 को दिया था। यह बयान उस बैठक में दिया गया जहां पर उन्होंने उत्तरपूर्व में एक संगठित चर्च बनाने की चर्चा भी छेड़ी थी। उन्होंने तीनों देशों में बिखरे ईसाईयों के एक साथ एक देश में होने की बात भी कही। लालदूहोमा ने कहा, अमेरिका की यात्रा पर आने का मुख्य कारण हम हमारी एकता का एक रास्ता तलाशना है। हम लोग एक ही हैं और एक दूसरे से अलग रहने का जोखिम नहीं उठा सकते हमें गलत तरीके से बाँटा गया है और तीन अलग-अलग देशों में तीन अलग-अलग सरकारों के अधीन रहने के लिए मजबूर किया गया है, यह ऐसी बात है जिसे हम कभी स्वीकार नहीं करेंगे। लालदूहोमा का तीन अलग-अलग सरकारों से तात्पर्य भारत, बांग्लादेश और म्यांमार से था।

▶10पर

व्यापक जनहित में सुप्रीम कोर्ट ने लिया महत्वपूर्ण फैसला

निजी सम्पत्ति का अधिग्रहण नहीं कर सकती सरकार

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने यह सपष्ट कर दिया है कि सरकार किसी भी व्यक्ति की निजी सम्पत्ति का अधिग्रहण नहीं कर सकती। सुप्रीम कोर्ट ने आज एक महत्व-पूर्ण फैसला लेते हुए कहा कि अनुच्छेद 39(बी) के तहत सभी निजी सम्पत्तियों को सामुदायिक संसाधन नहीं माना जा सकता, जिसे सरकार जब चाहे सामान्य भलाई के नाम पर अधिग्रहण कर ले। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक संसाधन के लिए किसी निजी सम्पत्ति को सार्वजनिक उपयोग योग्य बनाने के लिए पहले उसे कुछ संवैधानिक परीक्षणों को पूरा करना होगा। भारत के मुख्य

निजी सम्पत्ति सामुदायिक संसाधन नहीं कि सरकार जब चाहे उसे ले ले

निजी सम्पत्ति को सार्वजनिक बनाने के लिए कानूनी शर्तें पूरी करनी होगी

न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ में शामिल न्यायमूर्तियों हृषिकेश रॉय, बीवी नागरत्ना, सुधांशु धूलिया, जेबी पारदीवाला, मनोज मिश्रा, राजेश बिंदल, सतीश चंद्र शर्मा और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह यह फैसला सुनाया। इस मामले में कुल तीन फैसले लिखे गए हैं, जिसमें मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने 6 अन्य न्यायाधीशों के साथ बहुमत से यह फैसला सुनाया। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने बहुमत से आंशिक रूप से सहमति व्यक्त की और जस्टिस धूलिया ने इस पर अपनी असहमति जताई। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की बहुमत वाली पीठ ने कहा, हम मानते हैं कि किसी व्यक्ति के स्वामित्व वाले प्रत्येक संसाधन को केवल इसलिए समुदायिक संसाधन नहीं माना जा सकता, ▶10पर

जजों पर भरोसा करें हम यहां डील के लिए नहीं हैं : चंद्रचूड़

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के सर्वोच्च न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ देश के लोगों से जजों पर भरोसा करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संवाद अदालत के कामकाज की एक नियमित अनिवार्यता है। जैसा कि मैंने कहा है, ऐसी बातचीत के दौरान डील इस तरह कभी नहीं की जाती है। लोगों को हम पर भरोसा करना चाहिए। हम यहां सौदेबाजी करने के लिए नहीं हैं। ▶10पर

झारखंड की रैली में झामुमो पर बरसे योगी आदित्यनाथ

एक रहिए नेक रहिए, यह समय बंटने का नहीं

हमें जाति और क्षेत्र के नाम पर बांटा गया, बेरहमी से काटा गया

रांची, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को झारखंड में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया। इस दौरान एक रैली में योगी आदित्यनाथ ने लोगों से एकजुट रहने की अपील की और कहा कि एक रहिए, नेक रहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह समय बंटने का नहीं है। अपने संबोधन के दौरान योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस नेता आलमगीर आलम की तुलना औरंगजेब से कर डाली और कहा कि जिस तरह से मुगल बादशाह औरंगजेब ने देश को लूटा था, उसी तरह से आलमगीर आलम ने राज्य को लूटा। आलमगीर आलम पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे थे और उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।हजारीबाग में एक रैली के दौरान योगी आदित्यनाथ ने लोगों से एकजुट रहने की ▶10पर

राजनाथ सिंह ने झामुमो गठबंधन को बताया फुस्स पटाखा

हटिया, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी मंगलवार को झारखंड में रैली की। रैली के दौरान अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को दिवाली का फुस्स पटाखा करार दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा एक शक्तिशाली रॉकेट है जो झारखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। रांची के हटिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावक मंडल मुर्मू के झामुमो के डूबते जहाज को छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद यह पूरी तरह से स्पष्ट हो गया है कि राज्य में सरकार कौन बनाएगा।

▶10पर

मध्य प्रदेश सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण

भोपाल, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरियों में अब महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। सिविल सेवाओं में महिला आरक्षण को 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत कर दिया गया है।

सिविल सेवाओं में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी

इस संबंध में प्रस्ताव पर मंगलवार को आयोजित कैबिनेट बैठक में मुहर लगी है। इस निर्णय से सरकारी नौकरियों में महिला-पुरुष कर्मचारियों का लिंगानुपात बेहतर होगा। दिवाली के बाद आयोजित डॉ. मोहन यादव सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सिविल सेवाओं में महिलाओं के आरक्षण में बढ़ोतरी के साथ ही स्वास्थ्य, ऊर्जा, और आईटी के क्षेत्र में भी कई बड़े निर्णय लिए गए हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी दी। इसके अलावा राज्य के मेडिकल कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक की भर्ती के लिए आयु सीमा को बढ़ाकर 50 वर्ष कर दिया गया है, जो पहले 40 वर्ष थी। ▶10पर

आंध्र में महिलाओं पर बढ़ते अपराध से नाराज पवन कल्याण ने कहा

हमें योगी आदित्यनाथ जैसा बनना होगा

हैदराबाद, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

महिला अपराध और हिंदुओं के उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं पर नाराज आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बेसाख्ता कहा, हमें योगी आदित्यनाथ जैसा बनना होगा। पवन कल्याण ने प्रदेश में महिलाओं पर बढ़ते अपराध को लेकर अपनी सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की नेता गृह मंत्री अनिता पर निशाना साधा और उन्हें स्थिति में सुधार लाने का अल्टिमेटम दिया। पवन कल्याण की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

पवन कल्याण ने राज्य की गृह मंत्री अनीता पर अक्षमता का आरोप लगाया। साथ ही उन्हें उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ जैसा बनने की सलाह दी और राज्य में बढ़ते अपराधों पर नकेल कसने करने के लिए ठोस कदम उठाने को कहा। बीते दिनों तीन साल की बच्ची के साथ यौन

हिंदू मंदिरों और हिंदुओं पर हमला अत्यंत दुखद है

उत्पीड़न की घटना सामने आने के बाद पवन कल्याण ने कहा कि आंध्र प्रदेश में शांति और सुरक्षा की स्थिति में उल्लेखनीय गिरावट आई है और कानून व्यवस्था को योगी आदित्यनाथ के उत्तर प्रदेश में जिस तरह से संभाला जाता है, उसी तरह से संभाला जाना चाहिए। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा, अगर सुधार नहीं होता है तो ये जिम्मेदारी भी मुझे उठानी पड़ेगी।

पवन कल्याण ने अपने निर्वाचन क्षेत्र पीथापुरम में एक रैली में कहा, मैं गृह मंत्री अनीता को भी चेतावनी दे रहा हूं, आप गृह मंत्री हैं। मैं पंचायती राज मंत्री, वन एवं पर्यावरण मंत्री हूं। आप अपने कर्तव्यों का निर्वहन अच्छी तरह से करें अन्यथा मुझे गृह विभाग भी संभालने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा, आपको योगी आदित्यनाथ जैसा बनना होगा। राजनीतिक नेता, विधायक सिर्फ वोट मांगने के लिए नहीं हैं। आपकी भी जिम्मेदारियां हैं। हर किसी को सोचना होगा। ऐसा नहीं है कि मैं गृह विभाग नहीं मांग सकता या नहीं ले सकता। अगर मैं ऐसा करता हूं, तो इन लोगों के लिए चीजें बहुत अलग हो जाएंगी। हमें योगी आदित्यनाथ जैसा बनना होगा। अन्यथा अपराधी नहीं बदलेंगे। इसलिए तय करें कि आप बदलेंगे या नहीं। ▶10पर

फिल्म अभिनेत्री सोमी अली का बेधड़क बयान

सुशांत सिंह राजपूत की हत्या की गई थी

मुंबई, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की अंतरंग रहीं फिल्म अभिनेत्री सोमी अली ने फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को लेकर बेधड़क बयान दिया है। सोमी अली का कहना है कि सुशांत सिंह राजपूत की हत्या की गई थी। पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर ने रिपोर्ट बदल दी थी। सोमी अली ने यह भी दावा किया कि सुशांत सिंह राजपूत की हत्या की गई थी लेकिन उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया था कि अभिनेता ने आत्महत्या की है।

डॉक्टर ने बदल दी थी पोस्टमार्टम रिपोर्ट

सोमी अली ने कहा, सुशांत सिंह राजपूत की हत्या की गई थी और इसे आत्महत्या का रूप देने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट बदल दिया गया था। सोमी अली ने यह भी कहा, एम्स के डॉ. सुधीर गुप्ता से पूछिए जिन्होंने उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट बदली। क्यों बदली? उल्लेखनीय है कि अभिनेता की मौत के मामले में गठित एम्स फॉरेंसिक मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सुधीर गुप्ता ने कहा था कि शव पर फांसी के अलावा कोई चोट नहीं थी। उन्होंने कहा, मृतक के शरीर और कपड़ों पर झगड़े के कोई निशान नहीं थे। यह फांसी और आत्महत्या का मामला है। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 81,000/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 97,300/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 33⁰
न्यूनतम : 23⁰

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

उत्तर प्रदेश मदरसा कानून पर सुप्रीम कोर्ट की मुहर

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 की संवैधानिक वैधता बरकरार रखी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था देकर गलती की कि मूल ढांचे यानी धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करने के कारण उत्तर प्रदेश मदरसा कानून को खारिज करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मार्च के फैसले को उस खारिज कर दिया, जिसमें यूपी मदरसा अधिनियम को रद्द कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि यूपी मदरसा अधिनियम केवल इस हद तक असंवैधानिक है कि यह फाजिल और कामिल के तहत उच्च शिक्षा की डिग्री प्रदान करता है, जो यूजीसी अधिनियम के विपरीत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम की विधायी योजना मदरसों में दी जा रही शिक्षा के स्तर के मानकीकरण के लिए है।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को दरकिनार कर प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने राज्य के मदरसों को एक बड़ी राहत दी। ▶10पर

मुडा घोटाले में लोकायुक्त के समक्ष पेश होंगे सीएम सिद्धारमैया

मामले की जांच सीबीआई को सौंप सकता है हाईकोर्ट

बेंगलुरु, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मुडा घोटाले के मामले में लोकायुक्त के सामने पेश होने की पुष्टि कर दी है। लोकायुक्त ने घोटाले के संबंध में पूछताछ के लिए सीएम सिद्धारमैया को समन जारी किया था। मंगलवार को सीएम हुबली धारवाड़ इलाके में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मीडिया ने उनसे पूछा कि क्या वे लोकायुक्त के सामने पेश होंगे तो इस पर सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि मैं कल सुबह 10 बजे जा रहा हूं।

लोकायुक्त पुलिस ने सीएम सिद्धारमैया को समन जारी कर 6 नवंबर को पूछताछ के लिए पेश होने को कहा था। इससे पहले सीएम की पत्नी पार्वती से इस मामले में 25 अक्टूबर को पूछताछ हो चुकी है। साथ ही पार्वती के भाई मल्लिकार्जुन स्वामी और देवाराजू से भी पूछताछ हुई है। देवाराजू से ही मल्लिकास्वामी ने जमीन खरीदकर अपनी बहन पार्वती को उपहार स्वरूप दी थी। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया है और कहा है कि विपक्ष उनसे डरा हुआ है, जिसकी वजह से उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं। मुडा घोटाले के मामले में ईडी ने भी मुडा के पूर्व आयुक्त डीबी नातेश से पूछताछ की थी। पूछताछ के बाद पूर्व आयुक्त को हिरासत में लिया गया था। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

तुलसी अभिनव अंताक्षरी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा, तेरापंथ युवक परिषद और तेरापंथ महिला मंडल के संयुक्त तत्व-ावधान में तुलसी अभिनव अंताक्षरी - टैलेंट शो का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम आचार्य श्री महाश्रमण की शिष्या साध्वी उदितयशाजी के सान्निध्य में आयोजित हुआ, जिसका शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से किया गया। इस रोचक अंताक्षरी प्रतियोगिता में नौ टीमों ने भाग लिया, जिसमें कई प्रकार के राउंड आयोजित किए गए। इन राउंड्स में सामान्य राउंड, शब्द आधारित राउंड, धुन पहचान राउंड, थीम आधारित राउंड और चित्र पहचान कर गीत गाने के राउंड शामिल

थे। सभी राउंड बेहद दिलचस्प और प्रेरणादायक रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में साध्वी संगीत प्रभाजी, साध्वी भव्ययशाजी और साध्वी शिक्षाप्रभाजी का विशेष योगदान रहा। प्रतियोगिता में कल्याण परिषद् टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सुमंगल साधना ने दूसरा स्थान और साहित्य समीक्षा परिषद् ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को तेरापंथ युवक परिषद् द्वारा सम्मानित किया गया। तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल ने आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम का संचालन साध्वी संगीतप्रभाजी ने किया। इस अवसर पर सभाध्यक्ष पारसमल भंसाली, पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया, सभा मंत्री विनोद छाजेड़, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, तेयुप मंत्री राकेश चौरड़िया, सहमंत्री प्रतीक जोगड़, महिला मंडल अध्यक्षा रिजु डुंगरवाल, मंत्री ज्योति संचेती समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। इस आयोजन में तेयुप संयोजक अमित भंडारी, महिला मंडल संयोजिका स्वाति भंडारी, प्राची चोरड़िया, विनीत घोषल, मस्ती चोरड़िया एवं अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

विविध रंगों और शुभकामनाओं से सजी काव्य गोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय चेतना परिवार अभिव्यक्ति काव्य मंच की 32वीं काव्य गोष्ठी का आयोजन रविवार को गूगल मीट के माध्यम से आयोजित किया गया। पंचोत्सव के पांचवें दिन भाई दूज की बधाई के साथ अभिव्यक्ति काव्य मंच की काव्य संध्या बड़े ही पारिवारिक वातावरण में सहज रूप से गीता चौबे गूँज की शारदे वंदना से प्रारम्भ हुई।

काव्य संध्या में उर्मिला श्रीवास्तव, भार्गवी रविंद्र, डॉ. मृदुला चौहान, गीता चौबे गूँज, सुनीता माहेश्वरी, लेफ्टिनेंट किशोर सिंह राठौड़, सावन कुमार, डॉ. खेम किरण सैनी, राधेश्याम यादव सुदर्शन, उषा गुप्ता, सौभाग्य कोराले, आशा रानी शरण, श्रीनिवास कुमार, स्वीटी सिंघल सखी, डॉ.मंजु गुप्ता लता ने माह के त्यौहारों सहित विविध विषयों पर सुन्दर रचनाओं की प्रस्तुति दी। सभी रचनाएं उत्कृष्ट एवं भावपूर्ण थीं। अभिव्यक्ति काव्य मंच की अध्यक्ष डॉ. मंजु गुप्ता ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सभी की रचनाओं की सराहना की।

अभिव्यक्ति परिवार की सचिव एवं गोष्ठी की संचालिका स्वीटी सिंघल ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

जीवन में संघर्ष ही अच्छे मार्गों का खोलता है द्वार: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए साध्वी धर्म प्रभाजी ने कहा कि जीवन में संघर्ष उत्कर्ष का द्वार खोलता है। इंसान को भी अपने जिन्दगी में आने वाले इम्तिहानों से घबराना नहीं चाहिए। अंजना सती चारित्र का वाचन करते कुछ उन्होंने कहा कि पुण्यवान आलश राज संकटों पर विजय प्राप्त कर लेती है। गगन में जब उजाला होने वाला होता है तब का अंधकार कुछ पल के लिए ही होता है। पृथ्वी पर जब

गर्मी का उत्पात अधिक होने लगता है तो अच्छी वर्षा के आगमन का शुभ लक्षण माना जाता है। सुख हमारा इंतजार कर रहा है, बस एक बार दुःखी रूपी दरवाजे को पार करना है। संघर्ष का सामना करें। निराशा में डूबने की बजाय उत्साह से कार्य करना चाहिए। दुःख के क्षण परिवर्तन के क्षण है। दुःख और संघर्ष से ही ऊर्जाबल निर्मित व संग्रहित है। सुख की अपेक्षा दुःख ज्यादा पॉजिटिव होता है। उन्होने आगे कहा कि प्रभु महावीर का सभी भव्य जीवों को यही एकमात्र सुभ संदेश है कि जब तक यह शरीर आपके अधीन है, अर्थात जब तक आप स्वस्थ, निरोग है उस समय अपने जीवन में गुण की आराधना करो। अपने जीवन को सदुणों से भरो। वरना पांच तत्वों से बना इस काया रूपी तोता पिंजरे से जीव रूपी तोता कब उड़ जायेगा इसकी कोई गारंटी नहीं हैं।

बंधन नहीं, सुरक्षा कवच है नियम: आचार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सीमंधर-शांतिसूरि जैन संघ, वीवी पुरम में श्रावक के 12 व्रत विषय पर जारी प्रवचन श्रृंखला में आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन में आने वाले दुःखों का कारण पाप कर्म है।

यदि कोई सर्वथा दुःख रहित जीवन चाहता है, तो उसे पाप रहित जीवन जीना चाहिए। ऐसा जीवन है साधु जीवन, जो स्वयं तीर्थकरों ने जीया है और अन्यों को बताया है। लेकिन हर किसी के लिए यह जीवन अपनाना संभव न हो तो वैसे लोगों को साधु जीवन का आदर्श रखकर

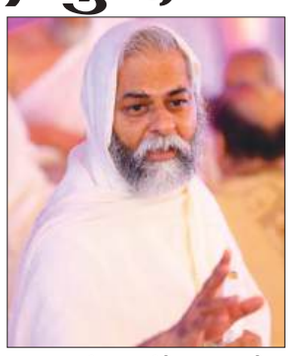

श्रावक जीवन जीने का उपदेश दिया है। जिसमें आंशिक रूप से व्रत-नियम लेकर पापों का त्याग किया जाता है। श्रावक जीवन यानी एक प्रकार का मर्यादायुक्त जीवन है। जीवन में बड़े-बड़े पापों के त्याग का संकल्प आत्मा को सुरक्षित बनाता है। खेत की सुरक्षा बाड से और पानी की सुरक्ष बांध से की जाती है। उसी प्रकार पाप नहीं करने की प्रतिज्ञा आत्मा के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करती है। लेकिन विडंबना यह है कि कई लोग उसे बंधन मानकर व्रत-नियम लेने से कतराते है। वर्तमान की शिक्षण पद्धति और उपभोक्तावादी संस्कृति ने आग में घी डालने का काम किया है। आधुनिक शिक्षण में कहीं पर मूल्यों, संस्कार- सदाचार, गुणों को महत्व नहीं दिया जाता। नतीजन पढ़ लिखकर व्यक्ति शिक्षित भले कहलाता हो, लेकिन स्वच्छंद बनकर वह अनेक दोषों का शिकार बनता है। वैचारिक पतन यहाँ तक हो जाता है कि व्यक्ति पाप को पाप मानने तक तैयार नहीं होता। सभी साधक सभी प्रकार के पापों का त्याग न भी कर सकें लेकिन पाप को पाप के रूप में स्वीकारने की मान्यता तो स्पष्ट होनी चाहिए। सम्यक दर्शन व्यक्ति के आचरण से ज्यादा उसकी मान्यता को सही करने पर भार देता है। 10 नवंबर को संभवनाथ जैन भवन में 12 व्रतोच्चार समारोह का आयोजन होगा।

सीएम सिद्धरामैया के इस्तीफे का समय हो चुका है तय: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने मंगलवार को दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे का समय तय हो चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने सिद्धरामैया के इस्तीफे पर चर्चा कर फैसला कर लिया है। सिद्धरामैया को जांच में शामिल होने के लिए लोकायुक्त द्वारा दिए गए नोटिस का जिक्र करते हुए विजयेंद्र ने सवाल किया कि क्या वह मुख्यमंत्री के तौर पर जांच का सामना करेंगे या आरोपी के तौर पर। उन्होंने सिद्धरामैया से जनता के सामने यह स्पष्ट करने का

आग्रह किया। सिद्धरामैया को अपने इस्तीफे का सही समय बताना चाहिए। उनका इस्तीफा तय है। मैं सिद्धरामैया को चुनौती देता हूं कि वह घोषणा करें कि वह पांच साल तक मुख्यमंत्री के तौर पर काम करेंगे। उन्होंने आगे मांग की कि सिद्धरामैया और उनके परिवार को भ्रष्टाचार के आरोपों के बारे में कर्नाटक की जनता को जवाब देना चाहिए। उन्होंने बताया कि लोकायुक्त ने जांच के लिए नोटिस जारी किया है। उन्होंने भ्रष्टाचार पर लंबे-लंबे भाषण देने के लिए सिद्धरामैया समेत कांग्रेस नेताओं की भी आलोचना की और कहा कि राज्य के वित्तीय कुप्रबंधन और सरकारी परियोजनाओं के बिलों का भुगतान न होने के कारण ठेकेदार आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने सिद्धरामैया पर वक्फ बोर्ड में मंत्री जमीर अहमद खान द्वारा की गई संदिग्ध कार्रवाइयों का समर्थन करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री इन कार्रवाइयों के पीछे वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान की साजिश में शामिल हैं।

घर से गांजा तस्करी करते कुंडापुरा के दम्पति गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुंडापुरा ग्रामीण पुलिस ने एक अवैध ड्रग व्यापार का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों ने गुलवाड़ी के उदयनगर में अपने घर से गांजा रखने और वितरित करने के आरोप में एक जोड़े को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान नजरुल्लाह खान (40) और उनकी पत्नी फातिमा (33) के रूप में हुई है। इनके पास से भारी मात्रा में मारिजुआना बरामद किया गया। छापेमारी के दौरान, कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने 8.37 किलोग्राम गांजा बरामद किया, जिसे पांच अलग-अलग पैकेटों में बड़े करीने से पैक किया गया था। जब्त किए गए नशीले पदार्थों की कीमत लगभग 6.50 लाख रुपये होने का अनुमान है। अधिकारियों ने एक सूटकेस और मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे ड्रग ऑपरेशन से जुड़े हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि जोड़े ने हसैनार नामक एक आपूर्तिकर्ता से गांजा प्राप्त किया था। कुंडापुर ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और नशीले पदार्थों के स्रोत का पता लगाने और इस नेटवर्क से जुड़े किसी अन्य व्यक्ति की पहचान करने के लिए आगे की जांच चल रही है।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण भूमि आवंटन मामला झूठा: ईश्वर खड़े

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खंड़े ने मंगलवार को कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन मामला झूठा है और यह साबित हो जाएगा कि इसमें कोई सरकारी अधिकारी शामिल नहीं है। खंड़े ने कहा इसमें कोई मुद्दा ही नहीं है। यह एक झूठा मामला है और यह बिना किसी संदेह के साबित हो जाएगा कि इसमें सीएम या कोई और सरकारी अधिकारी शामिल नहीं है। मैसूरु लोकायुक्त ने 27 सितंबर को एफआईआर दर्ज करने के अदालती आदेश के बाद मामले की आधिकारिक तौर पर जांच शुरू की। लोकायुक्त को मुडा द्वारा सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती को

56 करोड़ रुपये की 14 साइटों के आवंटन में अवैधताओं के आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया गया था। आरोप है कि मुडा ने मैसूरु शहर के प्रमुख स्थान पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी को अवैध रूप से 14 साइटें आवंटित कीं। हाल ही में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 28 अक्टूबर को कर्नाटक के मुडा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मेंगलूरु, बेंगलूरु, मांड्या और मैसूरु में आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर तलाशी ली। यह कदम एजेंसी द्वारा कर्नाटक में मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) से जुड़े छह कर्मचारियों को पूछताछ के लिए बुलाने के एक सप्ताह के भीतर आया है। कर्मचारियों को हाई-प्रोफाइल कथित घोटाले के सिलसिले में अलग-अलग तारीखों पर पूछताछ के लिए बुलाया गया था, जो बेंगलूरु में ईडी के जोनल ऑफिस में होगी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण के संबंध में मैसूरु लोकायुक्त ने उन्हें तलब किया है।

वक्फ बोर्ड भंग कर मंत्री जमीर से इस्तीफा मांगे सीएम: भाजपा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने मंगलवार को मांग की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया राज्य में वक्फ बोर्ड को भंग करें और वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान को हिंदुओं की जमीन हड़पने की कोशिश के लिए इस्तीफा देने को कहें। बेंगलूरु में पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए विधान परिषद के सदस्य एन. रवि कुमार ने कांग्रेस सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि कर्नाटक में वक्फ बोर्ड किसानों की जमीन, स्कूलों और मंदिरों को निशाना बना रहा है, ठीक वैसे ही जैसे औरंगजेब और अन्य लोगों ने देश पर आक्रमण करके संपत्ति हड़प ली थी। उन्होंने दावा किया कि

सिद्धरामैया सरकार के तहत खान को खुली छूट मिली हुई थी, जिससे वक्फ बोर्ड बिना किसी जवाबदेही के काम कर सकता था। रवि कुमार ने मुख्यमंत्री से वक्फ बोर्ड को भंग करने का आग्रह किया। उन्होंने खान से उनके मंत्री और विधायक दोनों पदों से इस्तीफा मांगा। उन्होंने आग्रह किया कि मंत्री खान को राज्य के भीतर आधिकारिक दौरों से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि सरकार ने बीदर और विजयपुरा जिलों में साइटों को वक्फ संपत्ति घोषित किए जाने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं की। हाल ही में नोटिस वापस लिए जाने का स्वागत करते हुए उन्होंने सवाल किया कि क्या पहले दावा की गई सभी संपत्तियां स्वतः ही हिंदू स्वामित्व में वापस आ जाएंगी। एमएलसी रवि कुमार ने बताया कि वक्फ मुद्दा उन क्षेत्रों में बना हुआ है, जहां कभी निजाम का शासन था, और उन्होंने विधानसभा और परिषद की एक संयुक्त समिति द्वारा गहन जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि लगभग 47,000 एकड़ भूमि को नोटिस प्राप्त हुए हैं, और जब अधिकारी त्रुटियों का दावा करते हैं, तो यह मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) और वाल्मीकि आदिवासी कल्याण निगम घोटालों में पहले किए गए बहाने को दर्शाता है। उन्होंने सवाल किया कि अधिकारी बिना सरकारी निर्देश के ऐसी गलतियाँ कैसे कर सकते हैं, और इसमें शामिल लोगों को बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को हस्तक्षेप करना चाहिए और वक्फ के कथित अनियंत्रित अधिकार और कानूनी मानकों की अवहेलना को संबोधित करना चाहिए।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कंगारु केयर अस्पताल विजयनगर द्वारा कर्नाटका राज्योत्सव के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर ध्वजारोहण किया। साथ ही जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। अस्पताल के दर्शन गौड़ा एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री संस्कृत एवं सोहम दर्शन संस्थान की तरफ से रविंद्र कला क्षेत्र बेंगलूरु में रामायण भरतनाट्यम की प्रस्तुति का आयोजन किया गया। जिसमें 40 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने अपनी मनभावन प्रस्तुति से लोगों का मनमोह लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत, विशिष्ट अतिथि माणक चंद, रेणु रांका, अच्युत संकेती एवं अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। संस्थान के सोहंसा एवं शुभाश्री ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *नव वर्ष के उपलक्ष में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर बेंगलूरु में अन्नकूट उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें भगवान को 1 हजार स्वादिष्ट व्यंजनों का भोग लगाया गया। उसके बाद से भक्तों के घरों पर प्रसादी का वितरण किया जा रहा है। इसी के तहत मंदिर के कोठारी स्वामी साधु सरल जीवनदास स्वामी, पूज्य निर्मल हृदय स्वामी, मंदिर के मुख्य कार्यकर्ता भरत मेहता और रोहित शाह ने अश्विन सेमलानी के आवास का दौरा कर उन्हें प्रसाद दिया।*

वक्फ बिल जेपीसी अध्यक्ष कल हुब्बल्ली और विजयपुरा का करेंगे दौरा

कर्नाटक में किसानों से करेंगे बातचीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में विभिन्न किसानों की कृषि भूमि पर स्वामित्व का दावा करने वाले वक्फ बोर्ड को लेकर चल रहे विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया है, जब वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार कर रही संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष ने प्रभावित किसानों से बातचीत करने के लिए 7 नवंबर को विजयपुरा और हुब्बल्ली का दौरा करने का फैसला किया है। जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या की याचिका के बाद कर्नाटक का दौरा करेंगे, जिन्होंने उनसे प्रभावित किसानों की शिकायतें सुनने की अपील की थी।

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने जेपीसी अध्यक्ष से कर्नाटक का दौरा करने का अनुरोध किया। बेंगलूरु दक्षिण के सांसद ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि वक्फ पर जेपीसी के अध्यक्ष ने वक्फ की हिंसक कार्रवाई से प्रभावित किसानों से बातचीत करने के लिए 7 नवंबर को हुब्बल्ली और विजयपुरा का दौरा करने के मेरे अनुरोध पर सहमति जताई है। अध्यक्ष किसान संगठनों, मठों से बातचीत करेंगे और उन्हें दी गई याचिकाओं को जेपीसी के समक्ष रखा जाएगा। 29 अक्टूबर

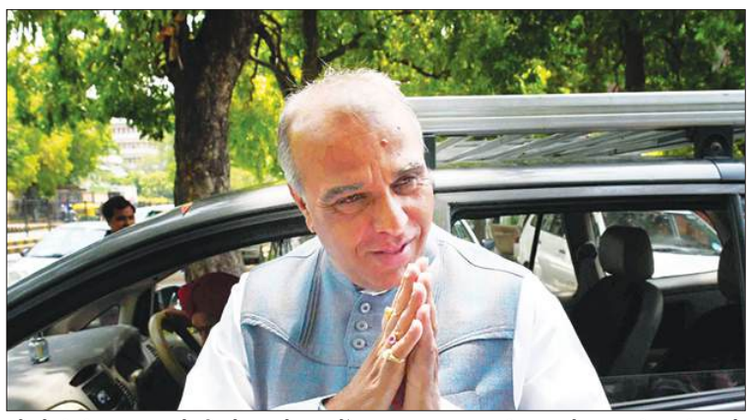

को जेपीसी अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में, सूर्या ने आरोप लगाया था कि ये किसान, जो लगभग एक सदी से अपनी जमीन पर खेती कर रहे हैं, 1920 और 1930 के दशक के रिकॉर्ड रखते हैं। हालांकि, हाल के महीनों में, उनमें से कई को बिना किसी सबूत या स्पष्टीकरण के अपनी जमीन को वक्फ संपत्ति घोषित करने के नोटिस दिए गए हैं। इन दावों का पैमाना काफी बड़ा है, अकेले उनके गांव में लगभग 1,500 एकड़ जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में नामित किया गया है। विपक्षी भाजपा ने वक्फ बोर्ड की पहल के खिलाफ अभियान शुरू किया है और 4 नवंबर को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया था।

इसने किसानों से वक्फ अधिकारियों को अपनी जमीन में प्रवेश न करने देने का आह्वान किया है और संबंधित अधिकारियों से वक्फ बोर्ड के पर कतरने के लिए वक्फ अधिनियम में संशोधन करने का भी आग्रह किया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अपनी ओर से स्पष्ट कर दिया है कि किसानों को जारी किए गए नोटिस वापस लिए जाएंगे और आरटीसी में किए गए स्वामित्व परिवर्तन रद्द कर दिए जाएंगे। उन्होंने भाजपा के विरोध को राजनीति से प्रेरित कार्रवाई करार दिया। वक्फ विवाद कर्नाटक में तीन विधानसभा क्षेत्रों के लिए 13 नवंबर को होने वाले उपचुनावों से पहले शुरू हुआ है।

जमीर अहमद खान को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की भी मांग

ज्ञातव्य है कि कर्नाटक के कुछ हिस्सों में किसानों के एक वर्ग द्वारा उनकी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने के आरोपों के बाद, भाजपा ने सोमवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया और सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर भूमि जिहाद में लिप्त होने का आरोप लगाया। विपक्षी दल ने वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की भी मांग की। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिए जाने के बावजूद कि किसानों को जारी किए गए सभी नोटिस तुरंत रद्द किए जाएं और बिना उचित सूचना के भूमि रिकॉर्ड में किसी भी अनधिकृत संशोधन को भी रद्द किया जाना चाहिए, भाजपा ने विरोध प्रदर्शन जारी रखने का फैसला किया है। विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग ने आरोप लगाया था कि उनकी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है और इसी तरह के आरोप कुछ अन्य स्थानों से भी सामने आए हैं। जहां भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने बेल्लारी में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, वहीं विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने यहां केआर पुरम में इसमें भाग लिया। इसी तरह राज्य के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न पार्टी के नेता विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए हैं।

एसआईटी लोकायुक्त की शिकायत पर

पुलिस ने कुमारस्वामी और उनके बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक पुलिस ने मंगलवार को एक अदालत के निर्देश पर केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

इस संबंध में याचिका लोकायुक्त एडीजीपी और विशेष जांच दल (एसआईटी) के प्रमुख एम. चंद्रशेखर ने दायर की है, जिसमें उन्होंने कुमारस्वामी पर उन्हें और उनके परिवार को बदनाम करने और धमकाने का आरोप लगाया है। बेंगलूरु की संजयनगर पुलिस ने कुमारस्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने मामले में दूसरे आरोपी के तौर पर कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी और चन्नपट्टना सीट से एनडीए उम्मीदवार को नामजद किया है। इस मामले में तीसरे आरोपी के तौर पर विधानसभा में जेडी(एस) पार्टी के नेता सी.बी. सुरेश बाबू का नाम है। चंद्रशेखर ने संजयनगर पुलिस में कुमारस्वामी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि नेत-ाओं ने उन्हें और उनके परिवार को धमकाया है। पुलिस ने एक गैर-संज्ञेय विविध मामला दर्ज किया था। चंद्रशेखर ने कुमारस्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इस घटनाक्रम से कुमारस्वामी और चंद्रशेखर के बीच टकराव की संभावना है। कुमारस्वामी ने गोपनीय फाइल पर सूचना लीक के मुद्दे पर राजभवन के कर्मचारियों से पूछताछ करने की अनुमति मांगने पर चंद्रशेखर पर हमला बोला था। उन्होंने चंद्रशेखर को अपराधी बताया था और उन पर जबरन वसूली में शामिल होने का आरोप लगाया था। आरोपों के जवाब में एडीजीपी चंद्रशेखर ने अपने स्टाफ को पत्र लिखकर सभी आरोपों को झूठा और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए उनका खंडन किया था। चंद्रशेखर ने नाटककार जॉर्ज बर्नार्ड शॉ की प्रसिद्ध पंक्तियों को उद्धृत किया था कि कभी भी सुअर से कुश्ती मत लड़ो क्योंकि इससे तुम दोनों गंदे हो जाओगे और सुअर को यह पसंद आएगा। इससे पहले एडीजीपी चंद्रशेखर का बचाव करते हुए गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा था पुलिस अधिकारियों के पास जांच का अधिकार होगा और एसआईटी का गठन कानूनी तौर पर किया गया है। वे अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। अगर पुलिस के काम में बाधा आती है, तो उनके पास इससे निपटने के लिए अपनी प्रक्रिया होगी और वे उस कदम को उठाएंगे। सदन के नेता सी.बी. सुरेश बाबू के नेतृत्व में जेडी(एस) विधायकों और एमएलसी के एक प्रतिनिधिमंडल ने 30 सितंबर को कर्नाटक सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश के समक्ष शिकायत दर्ज कराई और लोकायुक्त एसआईटी प्रमुख को बर्खास्त करने की मांग की। सुरेश बाबू ने कहा था लोकायुक्त एसआईटी का नेतृत्व कर रहे एडीजीपी एम. चंद्रशेखर को सेवा से निलंबित किया जाना चाहिए और राज्य सरकार की ओर से केंद्रीय गृह मंत्रालय को इस संबंध में प्रस्ताव भेजकर उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए।

वक्फ संपत्ति विवाद

शोभा करंदलाजे, भाजपा विधायक यतनाल ने हड़ताल में लिया हिस्सा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केन्द्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे और भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने वक्फ संपत्ति विवाद को लेकर कर्नाटक के विजयपुरा शहर में अनिश्चितकालीन हड़ताल में हिस्सा लिया। केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री करंदलाजे ने कहा हमारे किसानों को भूमि नोटिस देकर निशाना बनाने वाले वक्फ के अन्यायपूर्ण निर्णयों के खिलाफ विजयपुर में दिन-रात चल रहे निरंतर विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इस भूमि जिहाद के खिलाफ हमारा रुख दृढ़ है। हम किसानों के अधिकारों की रक्षा करने और इस भूमि आतंकवाद के खिलाफ लड़ने में पीछे नहीं हटेंगे। विधायक यतनाल के नेतृत्व में विजयपुरा में डिप्टी कमिश्नर कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। अनिश्चितकालीन हड़ताल में सैकड़ों किसान, भाजपा नेता और कार्यकर्ता हिस्सा ले रहे हैं। अनिश्चितकालीन हड़ताल वक्फ संपत्ति के राष्ट्रीयकरण की मांग को लेकर आयोजित की जा रही है। किसानों की संपत्ति को भूमि और राजस्व अभिलेखों में वक्फ की संपत्ति के रूप में चिह्नित नहीं किया जाना चाहिए। वक्फ न्यायाधिकरण और वक्फ अदालतों को रद्द नहीं किया जाना चाहिए। 1974 और उसके बाद की सभी वक्फ अधिसूचनाएं तुरंत रद्द की

जानी चाहिए, समेत अन्य मांग की जा रही है। मांगों में यह भी शामिल है कि उपायुक्तों को किसानों को नोटिस जारी नहीं करना चाहिए और जो नोटिस पहले ही जारी किए जा चुके हैं, उन्हें वापस लिया जाना चाहिए। सरकार को वक्फ बोर्ड द्वारा अर्जित सभी राजस्व प्राप्त करना चाहिए। मंदिरों, मठों, धार्मिक संस्थानों की संपत्तियों को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने से मुक्त किया जाना चाहिए। भूमि अभिलेखों में प्रविष्टियां करने वाले सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की जानी चाहिए, जिसमें दावा किया गया है कि यह वक्फ की संपत्ति है। वक्फ अधिनियम को निरस्त किया जाना चाहिए। कर्नाटक भाजपा ने सोमवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस सरकार द्वारा किसानों, हिंदू मंदिरों और धार्मिक संस्थानों की संपत्तियों के भूमि और राजस्व अभिलेखों को बदलने और उन्हें वक्फ संपत्ति के रूप में नामित करने के कदम की निंदा की। नुकसान की भरपाई के लिए, सीएम सिद्धरामैया ने घोषणा की थी कि वक्फ बोर्ड द्वारा किसानों को दिए गए नोटिस वापस ले लिए जाएंगे और कोई भी नोटिस खाली नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी आश्वासन दिया था कि भूमि अभिलेखों को दुरुस्त किया जाएगा। हालांकि, भाजपा ने दावा किया कि कांग्रेस राज्य के हर जिले में 10,000 एकड़ जमीन वक्फ बोर्ड को सौंपने की योजना बना रही थी।

कुमारस्वामी अगले जन्म में भी कांग्रेस सरकार को हिला नहीं सकते: डीके शिवकुमार

चन्नपट्टना में किया चुनाव प्रचार

चन्नपट्टना/शुभ लाभ ब्यूरो।

अपने बेटे निखिल के चुनाव प्रचार के लिए चन्नपट्टना आने वाले केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी की आलोचना करते हुए उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि जेडीएस नेता अगले जन्म में भी राज्य में कांग्रेस सरकार को हिला नहीं सकते। कांग्रेस उम्मीदवार सी पी योगेश्वर की ओर से चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केपीसीसी प्रमुख ने कुमारस्वामी का मजाक उड़ाया और पूछा कि क्या वह 18 विधायकों के साथ सरकार बना सकते हैं और आश्चर्य जताया कि सिद्धरामैया शासन के पतन के बाद वह सरकार बनाने का दावा कैसे कर सकते हैं। शिवकुमार ने भाजपा पर भी निशाना साधा और भाजपा नेतृत्व को सिर्फ 2 जेडीएस सांसदों के साथ दिल्ली में नरेंद्र मोदी सरकार में कुमारस्वामी को कैबिनेट मंत्री बनाने के लिए मूर्ख करार दिया।

हम कुमारस्वामी के साथ अपने पिछले संबंधों और कांग्रेस के समर्थन से उन्हें मुख्यमंत्री बनाने से तंग आ चुके हैं। भाजपा ने सिर्फ 2 सीटें जीतने के लिए उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया है। कांग्रेस उन्हें अपने नजदीक भी नहीं आने देती। शिवकुमार ने कहा कि कुमारस्वामी रामनगर से विधायक, मुख्यमंत्री और यहां तक कि सांसद भी बने और उनके पिता (एच डी देवेगौड़ा) भी रामनगर से ही

मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने कहा अगर उन्होंने रामनगर के लोगों के लिए काम किया होता, तो निखिल कुमारस्वामी 2023 में रामनगर से कैसे हार सकते थे, जो पहले कुमारस्वामी की पत्नी अनीता कुमारस्वामी के पास था?

रामनगर के लोगों को धोखा देने के बाद, वे अपना ध्यान चन्नपट्टना की ओर मोड़ रहे हैं। लेकिन चन्नपट्टना के लोगों को मूर्ख नहीं बनाया जा सकता। कुमारस्वामी मांड्या से दिल्ली चले गए हैं। उन्हें मांड्या पर ध्यान देना चाहिए। हम चन्नपट्टना का ख्याल रखेंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार विभिन्न दलों को देखने के बाद पार्टी में वापस आए हैं क्योंकि उन्हें पता है कि केवल कांग्रेस पार्टी ही काम कर सकती है। योगेश्वर ने भाजपा और भाजपा-जेडीएस गठबंधन को भी देखा है और अब उन्होंने फैसला किया है कि केवल कांग्रेस ही लोगों की सेवा कर सकती है। शिवकुमार ने लोगों से कहा कि वे जेडीएस और कुमारस्वामी द्वारा कथित रूप से वितरित किए जा रहे पैसे स्वीकार करें लेकिन कांग्रेस को वोट दें क्योंकि योगेश्वर के साथ-साथ पूरी कांग्रेस पार्टी काम करेगी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने चन्नपट्टना के विकास कार्यों के लिए 500 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं और कई परियोजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा हम अब लोगों से हमें पुरस्कृत करने के लिए कह रहे हैं, जबकि कुमारस्वामी को उस निर्वाचन क्षेत्र की उपेक्षा करने के बाद वोट मांगने का कोई अधिकार नहीं है जिसने उन्हें चुना है।

सांसद ने बैंकों को केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत ऋण देने में तेजी लाने का दिया निर्देश

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्वकर्मा, स्वनिधि, मुद्रा और स्टार्टअप जैसी केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत ऋण का समय पर वितरण करने पर जोर देते हुए सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने बैंकों को किसी भी तरह की देरी से बचने के निर्देश दिए हैं। राजाथाद्री में डॉ. वीएस आचार्य सभागार में इन योजनाओं की प्रगति पर आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने बताया कि उडुपी जिले में 4,465 लाभार्थियों को स्वनिधि ऋण का पहला चरण मिल चुका है, जबकि कई अभी भी दूसरे और तीसरे चरण का इंतजार कर रहे हैं। अब तक 2,865 लाभार्थियों को दूसरा चरण मिल चुका है और 845 ने तीसरे चरण का लाभ उठाया है। पुजारी ने बैंक अधिकारियों को सख्त निर्देश

दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि पहला चरण पूरा करने वाले सभी लाभार्थियों को शेष चरण प्रदान किए जाएं।

उन्होंने 8 नवंबर को अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम में होने वाले स्वीकृति पत्र वितरण कार्यक्रम की तैयारियों पर भी चर्चा की। उन्होंने बैंकों को कम से कम 100 लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित करने के निर्देश दिए। विभिन्न बैंकों से ऋण स्वीकृतियों की समीक्षा करते हुए कोटा ने इस बात पर जोर दिया कि ऋण वितरण में किसी भी प्रकार की आनाकानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आत्मनिर्भर भारत का सपना देखते हैं और यह तभी संभव है जब प्रत्येक बैंक कर्मचारी इस सपने को साकार करने के लिए काम करे। मीडिया को संबोधित करते हुए कोटा ने आश्वासन दिया कि देरी का सामना कर रहे लाभार्थी सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं। यदि कोई बैंक केंद्र सरकार की योजनाओं के तहत ऋण देने में आनाकानी करता है, तो मुझसे संपर्क करें। मैं संबंधित बैंक के साथ इस मुद्दे को सुलझाने के लिए हस्तक्षेप करूंगा। इसके अलावा, उन्होंने लाभार्थियों को 8 नवंबर के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि इसकी सफलता सुनिश्चित हो सके। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ प्रतीक बयाल और लीड बैंक मैनेजर हरीश भी शामिल हुए।

अन्याय बर्दाश्त न कर पाने के कारण सरकारी कर्मचारी ने की आत्महत्या

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में एक सरकारी कर्मचारी ने कथित तौर पर अपने वरिष्ठों और राज्य महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के निजी सहायक द्वारा किए गए अन्याय के कारण आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान रुद्रन्ना यादवन्ना के रूप में हुई है, जो तहसीलदार के कार्यालय में द्वितीय श्रेणी सहायक (एसडीए) के रूप में काम करता था। उसने अपने मृत्यु नोट में हेब्बालकर के निजी सहायक का नाम लिया है। घटना के बाद कर्नाटक भाजपा ने मंत्री के इस्तीफे की मांग की। यादवन्ना ने कर्मचारी के व्हाट्सऐप ग्रुप में एक संदेश भेजा, जिसमें तहसीलदार बसवराज नागराला और मंत्री के पीए सोमू का नाम लिया गया और उन्हें अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। उसने यह भी कहा कि कार्यालय में बहुत अधिक अन्याय हो रहा था और वह इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। मृतक अधिकारी ने तहसीलदार कार्यालय के अन्य कर्मचारियों से एकजुट होकर अन्याय के खिलाफ लड़ने को कहा था। सोमवार को शाम 7.30 बजे पीड़ित द्वारा संदेश पोस्ट किए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। कई वर्षों से काम कर रहे यादवन्ना का हाल ही में तबादला कर दिया गया था। यादवन्ना की पत्नी भी तहसीलदार कार्यालय में ग्राम लेखाकार के रूप में काम करती हैं। क्षेत्राधिकारी खड़ेबाजार पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि यादवन्ना ने सुबह-सुबह आत्महत्या कर ली थी और घटना का पता तब चला जब अन्य कर्मचारी कार्यालय पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि मृतक अधिकारी ने एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने उल्लेख किया था कि वह वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर रहा है। बेंगलूरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, भाजपा विधान परिषद सदस्य एन. रवि कुमार ने यादवन्ना की आत्महत्या के बाद मंत्री हेब्बालकर के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने उल्लेख किया कि यादवन्ना ने एक नोट छोड़ा था जिसमें उन्होंने अपनी मौत के लिए हेब्बालकर के निजी सचिव को जिम्मेदार ठहराया था, जिसमें कहा गया था कि वह कई दिनों से पीड़ा झेल रहे थे। बेंगलूरु स्थित भाजपा राज्य कार्यालय में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए कुमार ने हेब्बालकर के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने इसी तरह की परिस्थितियों में पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा का इस्तीफा ले लिया था।

मेरे खिलाफ दर्ज मामला हास्यास्पद और दुर्भावनापूर्ण: कुमारस्वामी

रामनगर/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने मंगलवार को एक आईपीएस अधिकारी की शिकायत पर उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को हास्यास्पद और दुर्भावनापूर्ण बताया। बेंगलूरु के संजय नगर पुलिस स्टेशन में एडीजीपी एम चंद्रशेखर द्वारा दर्ज की गई शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई है।

कुमारस्वामी के खिलाफ अवैध खनन मामले की जांच कर रहे अधिकारी ने जेडी(एस) नेता पर उन्हें धमकाने का आरोप लगाया। कुमारस्वामी ने यहां संवाददाताओं से कहा मैंने शिकायत का सारांश पढ़ा है। मुझे एहसास हुआ कि यह पूरी तरह से हास्यास्पद और दुर्भावनापूर्ण है। उन्होंने एक एफआईआर दर्ज की कि मैंने एक प्रेस मीट की। चन्नपट्टना के उम्मीदवार निखिल कुमारस्वामी के खिलाफ भी एक बयान देने के लिए एफआईआर दर्ज की गई है। जेडी(एस) विधायक दल के नेता सुरेश बाबू के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है, जिन्होंने मुख्य सचिव से शिकायत की थी। तो, क्या यह कानून में है कि किसी को किसी के खिलाफ नहीं बोलना चाहिए, या शिकायत नहीं करनी चाहिए? वे हमारा मुंह बंद नहीं कर सकते।

एडीजीपी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि कुमारस्वामी और उनके बेटे निखिल ने उन्हें डराने और खनन घोटाले की जांच में बाधा डालने के लिए उनके खिलाफ आरोप लगाए थे। इस मामले की निगरानी सुप्रीम कोर्ट कर रहा है। कुमारस्वामी से जुड़ी जांच उन आरोपों पर केंद्रित है, जिनमें कहा गया है कि 2006 से 2008 तक कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कानून का उल्लंघन करते हुए बेल्लारी जिले में श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स (एसएसवीएम) को 550 एकड़ का खनन पट्टा अवैध रूप से स्वीकृत किया था। इससे पहले, कुमारस्वामी ने आगामी चन्नपट्टना उपचुनावों में एनडीए की संभावनाओं के बारे में आशा व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि एनडीए उम्मीदवार और उनके बेटे निखिल कुमारस्वामी देवी-देवताओं के आशीर्वाद से किसी भी कीमत पर जीत हासिल करेंगे। अपने बेटे को मैदान में उतारने के फैसले पर बोलते हुए कुमारस्वामी ने कहा राजनीति में, पार्टी को मजबूत करने के लिए कुछ फैसले लिए जाते हैं।

हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण, हमने निखिल कुमारस्वामी को मैदान में उतारने का फैसला किया। चन्नपट्टना की अग्नि परीक्षा (सबसे कठिन परीक्षा) में, निखिल जीतेंगे। कोई कुछ नहीं कर सकता। मतदाता खुद ही फैसला करेंगे। निखिल कुमारस्वामी का मुकाबला कांग्रेस के सीपी योगेश्वर से है, जो हाल ही में भाजपा से कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

कार की चपेट में आकर महिला की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में कथित रूप से एक युवक द्वारा नशे में चलायी जा रही एक गाड़ी से टक्कर लगने के बाद 30 वर्षीय एक महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक धनुष (20) को गिरफ्तार किया गया और उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस के मुताबिक शनिवार को व्यस्त मैसूरु रोड पर केंगेरी टीटीएमसी (ट्रैफिक एंड ट्रांजिट मैनेजमेंट सेंटर) के पास संध्या ए एस (30) सड़क पार कर रही थी, उसी दौरान एक कार ने उसे टक्कर मार दी और फिर वह कार एक मोटरसाइकिल से भी टकरा गयी। पुलिस के अनुसार इस हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से भागने लगा लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया और उसे कथित रूप से पीट दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल महिला और मोटरसाइकिल सवार सैयद अरबाज (23) को तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां संध्या को मृत घोषित कर दिया गया। साथ ही अरबाज के मामूली जख्म का उपचार किया गया। उन्होंने प्राथमिकी जांच के आधार पर कहा कि आरोपी चालक की अल्कोमीटर जांच से पता चला कि उसने शराब पी रखी है। धनुष के पिता निजी बस ट्रैवल कंपनी चलाते हैं। एक यातायात पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी कार चालक को गिरफ्तार कर लिया।

कर्नाटक के लिए महाराष्ट्र के साथ सीमा विवाद एक बंद अध्याय: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पर्यटन मंत्री एच. के. पाटिल, जो सीमा विवाद समिति के पूर्व अध्यक्ष हैं, ने मंगलवार को कहा कि जहां तक कर्नाटक सरकार का सवाल है, महाराष्ट्र के साथ सीमा विवाद एक बंद अध्याय है। यह महाराष्ट्र के राजनेताओं के हाथ में एक राजनीतिक हथियार मात्र है। सीमा विवाद पर एक सवाल के जवाब में, जहां महाराष्ट्र बेलगावी सहित सभी मराठी भाषी क्षेत्रों पर दावा करता है, मंत्री ने कहा विवाद कहां है? कोई विवाद ही नहीं है।

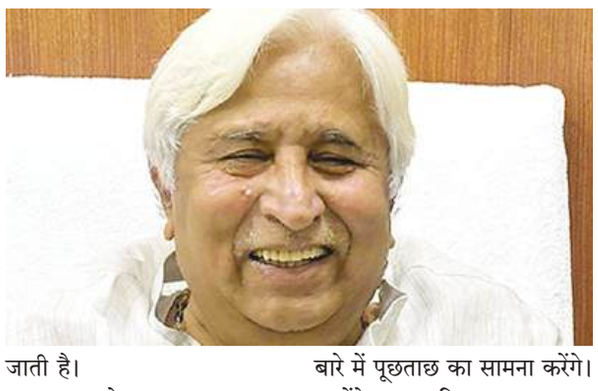

हमारे लिए, यह एक तय तथ्य है। महाराष्ट्र के राजनेताओं के लिए, यह एक राजनीतिक हथियार है। उन्हें हर चुनाव से पहले इस मुद्दे की याद दिलाई जाती है।

हर राज्योत्सव पर महाराष्ट्र एकीकरण समिति द्वारा मनाए जाने वाले काला दिवस के बारे में पूछे जाने पर, मंत्री ने कहा कि इस तरह की पहल का मतलब यह नहीं है कि विवाद मौजूद है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा सीएम बुधवार को लोकायुक्त कार्यालय जाएंगे और मुडा मुद्दे के बारे में पूछताछ का सामना करेंगे। उन्होंने कहा यदि भाजपा इस पर आपत्ति जताती है और मांग करती है कि जांच सीबीआई से कराई जाए, तो इसका मतलब है कि भाजपा को न तो उस अदालत पर भरोसा है, जिसने लोकायुक्त को इस मुद्दे की जांच करने का निर्देश दिया था और न ही लोकायुक्त पर।

मेंगलूरु के पिलिकुला जैविक उद्यान में एशियाई शेर, चांदी और पीले-सुनहरे तीतर आए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण की मंजूरी के बाद ओडिशा के नंदनकानन प्राणी उद्यान से पिलिकुला जैविक उद्यान में छह वर्षीय एशियाई शेर, एक भेड़िया, दो घड़ियाल मगरमच्छ और चार दुर्लभ पक्षी - दो चांदी के तीतर और दो पीले-सुनहरे तीतर पहुंचे हैं। पार्क निदेशक एच जयप्रकाश भंडारी ने कहा कि बदले में पिलिकुला चिड़ियाघर चार धोल/जंगली कुत्ते, चार दुर्लभ जा-लीदार अजगर, दो ब्राह्मणी चील, तीन एशियाई ताड़ के सिवेट और दो बड़े बगुले नंदनकानन चिड़ियाघर भेजेगा। पिलिकुला से भेजे गए सभी जानवर चिड़ियाघर में ही पैदा हुए थे। पशु विनिमय कार्यक्रम अकेले रहने वाले जानवरों को साथी प्रदान करने और शुद्ध रक्तरेखाओं को संरक्षित करने के लिए आयोजित किए जाते हैं। पिलिकुला में पहले से ही तीन शेर हैं, इसलिए एक एशियाई नर शेर को साथी के रूप में लाया गया था। उन्होंने कहा कि भारतीय चिड़ियाघरों में एशियाई नर शेरों की संख्या कम है, यही वजह है कि इसे ओडिशा के दूरदराज के नंदनकानन चिड़ियाघर से मंगाया गया था। नंदनकानन चिड़ियाघर से दो पशु चिकित्सा अधिकारी और आठ देखभालकर्ता जानवरों के साथ गए हैं ताकि पारगमन के दौरान उनकी उचित देखभाल सुनिश्चित की जा सके। दोनों चिड़ियाघर विनिमय में शामिल जानवरों की जिम्मेदारी समान रूप से साझा करेंगे। पिलिकुला में लगभग 1,200 पशु, पक्षी और सरीसृप हैं, जो इसे भारत के 18 बड़े चिड़ियाघरों में से एक बनाता है। पंजाब के छतबीर चिड़ियाघर, मुंबई के बायकुला चिड़ियाघर और मद्रास मगरमच्छ बैंक के साथ भविष्य के आदान-प्रदान के लिए समझौते पर काम चल रहा है।

पिलिकुला चिड़ियाघर में एनाकोंडा और हम्बोल्ट पेंगुइन जैसी अनोखी प्रजातियों को सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए लाने की भी योजना है। हम्बोल्ट पेंगुइन को रखने के लिए विशेष बाड़े बनाने की आवश्यकता होगी, जिस पर काफी लागत आएगी और दानदाताओं ने वित्तीय सहायता की पेशकश की है। निदेशक ने कहा कि चिड़ियाघर के आकर्षणों में दुर्लभ जानवरों और पक्षियों को शामिल करने से पिलिकुला के राजस्व में काफी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे इसे आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी। नए आने वाले जानवरों, सरीसृपों और पक्षियों को आवश्यक टीकाकरण और उपचार के बाद स्थानीय वातावरण के अनुकूल होने के लिए लगभग 15 दिनों तक संगरोध वार्ड में रखा जाएगा।

उसके बाद वे सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए उपलब्ध होंगे। पिलिकुला चिड़ियाघर के पशु विनिमय कार्यक्रम के इतिहास में, यह सबसे लंबी दूरी है जिस पर जानवरों को ले जाया गया है - ओडिशा के नंदनकानन चिड़ियाघर से लगभग 2,000 किलोमीटर की दूरी पर, जिसने एक नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले, सबसे लंबी दूरी का पशु विनिमय राजस्थान के उदयपुर चिड़ियाघर के साथ किया गया था, जो लगभग 1,700 किलोमीटर दूर है।

मंदिर से 2.3 लाख रुपये के सोने के आभूषण चोरी

सीसीटीवी फुटेज में चोरी की घटना कैद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बंटवाल में सोमवार की सुबह फरंगीपेट के पास सजीरू श्री देवकीकृष्ण रावलनाथ मंदिर में चोरों के एक गिरोह ने घुसकर 2.3 लाख रुपये की नकदी और सोने के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। घटना सुबह करीब 3 बजे हुई, जब गिरोह ने पिछले दरवाजे को तोड़कर गर्भगृह में प्रवेश किया। उन्होंने 1.5 किलो चांदी की चौकी, सोने की नाक की अंगूठी, एक औपचारिक छत्र और कई अन्य कीमती सामान चुरा लिए। कुल मिलाकर, लगभग 2 किलो चांदी और सोने के तीन सिक्के चुरा लिए गए। मंदिर में 3 नवंबर को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें चढ़ावे के डिब्बे में नकदी भरी हुई थी। चोरों ने चोरी की गई सभी वस्तुओं को एक बोरी में भर लिया। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई, जिससे पता चला कि गिरोह में पांच सदस्य शामिल थे, जो एक वाहन में सवार होकर आए थे और उनके पास घातक हथियार थे। यह डकैती सुबह करीब 4 बजे तक चली, उसके बाद गिरोह मंदिर परिसर से भाग गया। मंदिर के पुजारी, जो पास में ही रहते हैं, को तब पता चला जब परिवार का कुत्ता घुसपैठियों पर भौंकने लगा। पुजारी ने सीसीटीवी फुटेज चेक की और देखा कि गिरोह के तीन सदस्य मंदिर के प्रांगण में लूटपाट कर रहे हैं।

हथियारबंद घुसपैठियों के कारण अपनी सुरक्षा के लिए डरते हुए, उन्होंने मंदिर प्रबंधक को सूचित किया। हालाँकि, जब तक प्रबंधक पहुँचे, गिरोह भाग चुका था। चोर नंगे पैर थे और अपनी पहचान छिपाने के लिए उन्होंने नकाब पहन रखे थे। पुलिस चोरी के बाद गिरोह द्वारा अपनाए गए मार्ग की जांच कर रही है और आश्वासन दिया है कि निकास मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का उपयोग करके अपराधियों को पकड़ा जाएगा। चोरी किए गए आसन और आभूषण सदियों पुराने हैं और भक्तों के लिए विशेष महत्व रखते हैं। मंदिर समुदाय ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है और पुलिस से मामले को जल्द सुलझाने का आग्रह किया है। बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन के निरीक्षक शिवकुमार, पीएसआई हरीश एम आर मूर्ति, श्वान दस्ते और फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। चोरी के बाद मामला दर्ज किया गया है। शिकायत रमेश नायक (70) द्वारा दर्ज कराई गई थी। शिकायत के अनुसार, मंदिर का प्रबंधन करने वाले नायक को 4 नवंबर को सुबह-सुबह सूचना मिलने के बाद चोरी का पता चला। निरीक्षण करने पर पता चला कि चोरों ने प्रवेश करने के लिए मंदिर के दरवाजे की कुंडी तोड़ दी थी। उन्होंने दान पेटियों से सोने-चांदी के आभूषण, विभिन्न पूजा सामग्री और नकदी चुरा ली। चोरी हुए सोने के आभूषणों की अनुमानित कीमत 1,50,000 रुपये है, जबकि चांदी के सामान की कीमत करीब 80,000 रुपये है। इसके अलावा 5,000 रुपये की नकदी भी चोरी हो गई, जिससे कुल नुकसान करीब 2,35,000 रुपये हुआ। माना जा रहा है कि चोरी 3 नवंबर की रात से 4 नवंबर की सुबह के बीच हुई है। शिकायत के आधार पर बंटवाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन ने अपराध संख्या 93/2024 के तहत बीएनएस एक्ट की धारा 331 और 305 के तहत मामला दर्ज किया है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू और मुस्लिम पक्ष से जवाब मांगा

नई दिल्ली/लखनऊ, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में ट्रायल कोर्ट से हाई कोर्ट ट्रांसफर की गई 18 याचिकाओं को सुनवाई योग्य मानने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर आज सुनवाई टाल दी।

जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस पर पक्षकारों से जवाब मांगा कि हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई क्या हाईकोर्ट में हो सकती है।

इस मामले में हिंदू पक्ष ने पहले ही कैविएट दाखिल कर रखी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1 अगस्त को मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह विवाद मामले में 18 याचिकाओं को सुनवाई योग्य माना था। हाई कोर्ट ने इन 18 याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की मांग भी मंजूर कर ली थी। हिंदू पक्ष की ओर से दाखिल इन 18 याचिकाओं में विवादित स्थल को श्रीकृष्ण जन्मभूमि बता कर उसे हिंदुओं को सौंपने की मांग की गई है।

सीएम वकीलों से सलाह लेने के बाद लेंगे फैसला: पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने मंगलवार को कहा कि सरकार कर्नाटक के सीएम सिद्धरामैया और अन्य को जारी किए गए नोटिस के संबंध में कानूनी कार्रवाई की तलाश करेगी। हम कानूनी रास्ता अपनाएंगे और अगर अदालत ने नोटिस दिया है, तो कर्नाटक के सीएम वकीलों से सलाह लेने के बाद फैसला लेंगे।

जब राज्य में भाजपा सत्ता में थी और केंद्र में कांग्रेस सत्ता में थी, तो उन्हें (भाजपा) सीबीआई और ईडी पर भी भरोसा नहीं था। अचानक जब भाजपा सत्ता में है, तो सीबीआई और ईडी शुद्ध हो गए हैं। उन्होंने कहा यह दोहरा मापदंड है और इस तरह कृष्णा को भी इन लोगों (भाजपा) ने स्थापित किया है। वे राजनीति कर रहे हैं।

अन्याय बर्दाश्त न कर पाने के कारण सरकारी कर्मचारी ने की आत्महत्या

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में एक सरकारी कर्मचारी ने कथित तौर पर अपने वरिष्ठों और राज्य महिला एवं बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के निजी सहायक द्वारा किए गए अन्याय के कारण आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान रुद्रन्ना यादवन्ना के रूप में हुई है, जो तहसीलदार के कार्यालय में द्वितीय श्रेणी सहायक (एसडीए) के रूप में काम करता था। उसने अपने मृत्यु नोट में हेब्बालकर के निजी सहायक का नाम लिया है। घटना के बाद कर्नाटक भाजपा ने मंत्री के इस्तीफे की मांग की। यादवन्ना ने कर्मचारी के व्हाट्सऐप ग्रुप में एक संदेश भेजा, जिसमें तहसीलदार बसवराज नागराला और मंत्री के पीए सोमू का नाम लिया गया और उन्हें अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। उसने यह भी कहा कि कार्यालय में बहुत अधिक अन्याय हो रहा था और वह इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। मृतक अधिकारी ने तहसीलदार कार्यालय के अन्य कर्मचारियों से एकजुट होकर अन्याय के खिलाफ लड़ने को कहा था। सोमवार को शाम 7.30 बजे पीड़ित द्वारा संदेश पोस्ट किए जाने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। कई वर्षों से काम कर रहे यादवन्ना का हाल ही में तबादला कर दिया गया था। यादवन्ना की पत्नी भी तहसीलदार कार्यालय में ग्राम लेखाकार के रूप में काम करती हैं। क्षेत्राधिकारी खड़ेबाजार पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चला है कि यादवन्ना ने सुबह-सुबह आत्महत्या कर ली थी और घटना का पता तब चला जब अन्य कर्मचारी कार्यालय पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि मृतक अधिकारी ने एक वीडियो भी रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने उल्लेख किया था कि वह वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर रहा है। बेंगलूरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, भाजपा विधान परिषद सदस्य एन. रवि कुमार ने यादवन्ना की आत्महत्या के बाद मंत्री हेब्बालकर के इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने उल्लेख किया कि यादवन्ना ने एक नोट छोड़ा था जिसमें उन्होंने अपनी मौत के लिए हेब्बालकर के निजी सचिव को जिम्मेदार ठहराया था, जिसमें कहा गया था कि वह कई दिनों से पीड़ा झेल रहे थे। बेंगलूरु स्थित भाजपा राज्य कार्यालय में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए कुमार ने हेब्बालकर के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने इसी तरह की परिस्थितियों में पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा का इस्तीफा ले लिया था।

कनाडा में हिंदू मंदिर पर खालिस्तानियों के हमले से जयशंकर नाराज

हिंदुओं पर हिंसा हमारे संकल्पों को कमजोर नहीं कर सकती

ब्रिस्बेन, 05 नवंबर (एजेंसियां)। कनाडा में हिंदू मंदिर और हिंदू समुदाय के लोगों पर खालिस्तानियों के हमले की पूरी दुनिया में आलोचना हो रही है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी इस हमले को लेकर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है और घटना को बेहद चिंताजनक बताया।

कनाडा में हिंदू समुदाय के लोगों पर हमले की यह घटना ऐसे समय हुई है, जब भारत और कनाडा के संबंध पहले ही तनावपूर्ण हैं और इस घटना ने संबंधों में और खटास ला दी है। हालांकि घटना को लेकर कनाडा सरकार दबाव में है और खुद पीएम जस्टिन ट्रूदो ने भी इसकी आलोचना की है।

विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने मंगलवार को अपने बयान में कहा कि सोमवार को खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों द्वारा टोरंटो के पास कनाडा के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में की गई हिंसा बेहद चिंताजनक है। विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों ऑस्ट्रेलिया के

आधिकारिक दौरे पर हैं और वहीं से उन्होंने यह बयान दिया। इसके अलावा सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में भी विदेश मंत्री ने कनाडा की घटना पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा, मैं कनाडा में एक हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने के कायराना प्रयास भी उतने ही भयावह हैं। हिंसा के ऐसे कृत्य कभी भी भारत के संकल्प को कमजोर नहीं कर सकते। हम उम्मीद करते हैं कि कनाडा सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी और कानून व्यवस्था बनाए रखेगी।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को कनाडा स्थित भारतीय उच्चायोग ने ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में कॉन्सुलेट कैंप का आयोजन किया था। इस कैंप के दौरान खालिस्तान समर्थकों ने हाथ में खालिस्तानी झंडा लेकर विरोध प्रदर्शन किया और कैंप में मौजूद भारतीयों पर हमला किया और उन्हें मारा-पीटा। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें खालिस्तान समर्थक भारतीयों पर हमला करते नजर आ रहे हैं। इस घटना के बाद कनाडा में रह रहे हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर की। कनाडा के नेता विपक्ष ने भी घटना की आलोचना की और इसे अस्वीकार्य बताया। वहीं पीएम जस्टिन ट्रूदो ने भी घटना की निंदा की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही।

इससे पहले सोमवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था कि भारत चरमपंथियों और अल-गाववादियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा करता है और उम्मीद करता है कि हिंसा में शामिल लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा। हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने का आह्वान करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से बचाया जाए।

25 नवंबर से 20 दिसंबर तक चलेगा संसद का शीतकालीन सत्र

नई दिल्ली, 05 नवंबर (एजेंसियां)। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। सत्र की शुरुआत में परंपरागत तरीके से राष्ट्रपति के अभिभाषण से होगी। इसके अलावा शीतकालीन सत्र में संसद के दोनों सदनों में कई अहम विधेयकों पर विचार किया जा सकता है। खबरों के मुताबिक सरकार एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर चर्चा करा सकती है। संसदीय परिपाटी के मुताबिक संसद सत्र के पहले सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाई जा सके, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार और लोकसभा स्पीकर सर्वदलीय बैठक भी कर सकते हैं।

इससे पहले दो नवंबर को आई सूचना के मुताबिक संसद के शीतकालीन सत्र में वन नेशन वन इलेक्शन और वक्फ कानून में संशोधन के लिए पेश विधेयक पर चर्चा के आसार हैं। विपक्ष के आक्रामक तेवरों को देखते हुए आगामी शीतकालीन सत्र के काफी हंगामेदार रहने के आसार हैं। गौरतलब है कि वन नेशन वन

इलेक्शन के प्रस्ताव को कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। अब शीतकालीन सत्र में विधेयक पारित कराने पर जोर दिया जाएगा।

26 नवंबर को संविधान की 75वीं वर्षगांठ पर पुराने संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में विशेष संयुक्त बैठक का आयोजन किया जाएगा। संविधान के महत्व को रेखांकित करने के लिए सरकार ने व्यापक योजना बनाई है। इसके तहत कई भित्त चित्र का निर्माण, संविधान सभा की बहसों का लगभग दो दर्जन भाषाओं में अनुवाद करना और सार्वजनिक मार्च का आयोजन जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। यह आयोजन ऐसे समय में होने जा रहा है जब सरकार और विपक्ष के बीच संविधान रक्षक बनने और एक दूसरे को संविधान विरोधी साबित करने की होड़ मची है।

सत्र के दौरान कई विधेयक पेश किए जाएंगे, मगर सबकी निगाहें वक्फ विधेयक और एक देश एक चुनाव विधेयक पर होगी। वक्फ विधेयक पर सरकार और विपक्ष के बीच जारी जबर्दस्त खींचतान के बीच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) रिपोर्ट तैयार करने में जुटी है। दूसरी ओर एक देश एक चुनाव के प्रस्ताव को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल चुकी है। दोनों ही विधेयकों का विपक्ष लगातार विरोध कर रहा है।

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर करीब चार साल से जारी तनातनी के बीच चीन से बनी सहमति पर विदेश मंत्री एस जयशंकर संसद के दोनों सदनों में बयान देंगे। गौरतलब है कि लंबी खींचतान के बाद एलएसी पर दोनों देशों की सेना ने गश्त की शुरुआत की है। इसके अलावा इसी सत्र में जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने संबंधी विधेयक के भी पेश होने के आसार हैं।

विजयपुर जिले में वक्फ बोर्ड ने हड़पी 14,210 एकड़ जमीन

बेंगलुरु, 05 नवंबर (एजेंसियां)। वक्फ बोर्ड ने कर्नाटक में मनमानियों की सारी हदों को पार कर रखा है। कांग्रेस शासित कर्नाटक में केवल विजयपुर जिले में ही उसने 14,210 एकड़ से भी अधिक जमीनों पर कब्जा कर रखा है। इस बात का दावा भाजपा की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के अध्यक्ष गोविंदा करजोला ने किया है।

इस मामले में उन्होंने सोमवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष को विजयपुर जिले में वक्फ बोर्ड के द्वारा मचाए गए उपद्रव को लेकर अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसी रिपोर्ट में करजोला ने दावा किया है कि जिले में वक्फ बोर्ड के नाम पर 14,210 एकड़ जमानों पर कब्जा किया गया है। भाजपा नेता की रिपोर्ट के मुताबिक, बसवदी शरण काल में 12वीं शताब्दी में सिंदगी में निर्मित मठ की सम्पत्ति, देवा हिप्पारागी तालुक के पदगनूर गांव में सर्वे क्रमांक 220 में 57 एकड़ जमीन, पदगनूर गांव में चालुक्य मंदिर, विजयपुर शहर में लोक निर्माण विभाग से संबंधित सर्वे क्रमांक 811 में 77 एकड़ और 10 गुंटे जमीन, विजयपुर जिले के सभी समुदायों के कृषि लोगों की कुल जमीन पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा कर रखा है।

गौरतलब है कि ये विजयपुर जिला ही है, जहां हाल ही में टिकोटा तालुका स्थित होनवाड़ा गांव के करीब 41 किसानों को हाल ही में वक्फ बोर्ड की तरफ से एक नोटिस भेजा गया था। इसमें ये दावा किया गया कि उनकी 1500 एकड़ जमीन वक्फ बोर्ड की सम्पत्ति है। किसानों को नोटिस भेजे गए, जिसमें कहा गया था कि यह जमीन शाह अमीनुद्दीन दरगाह के अधीन है और वक्फ सम्पत्ति के रूप में चिन्हित है। हालांकि, किसानों का कहना था कि उनके गांव में इस नाम की कोई दरगाह नहीं है और यह जमीन उनके परिवारों की पुश्तैनी सम्पत्ति है। इस घटना के बाद लोगों ने जमकर इसका विरोध किया, जिसके बाद अब सिद्धारमैया सरकार बैकफुट पर आ गई और सरकार ने झुकते हुए फैसला किया कि वो वक्फ बोर्ड द्वारा किसानों की 1500 एकड़ जमीन पर मनमाने तरीके से अपना दावा ठोकने के बाद जारी किए गए नोटिस को वापस ले लेगी।

बिश्नोई गैंग की सलमान खान को धमकी

मंदिर जाकर माफी मांगो या पांच करोड़ दो

मुंबई, 05 नवंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम से मुंबई ट्रैफिक पुलिस को एक धमकी भरा संदेश भेजा गया है। इसमें सलमान खान से मंदिर जाकर माफी मांगने और पांच करोड़ रुपए देने की मांग की गई है।

मुंबई पुलिस को सलमान के खिलाफ लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से कथित तौर पर एक धमकी भरा

संदेश मिला। धमकी में अभिनेता को दो रास्ते बताए गए हैं- जिंदा रहने के लिए माफी मांग लो या फिर पांच करोड़ रुपए दो। यह सलमान को एक हफ्ते में मिली दूसरी धमकी है। मुंबई पुलिस के ट्रैफिक कंट्रोल रूम को बीती रात व्हाट्सएप पर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम से एक धमकी भरा संदेश मिला। ट्रैफिक कंट्रोल रूम को भेजे गए संदेश में दावा किया गया है कि वह लॉरेंस बिश्नोई का भाई है। अगर सलमान खान जिंदा रहना चाहते हैं, तो उन्हें हमारे मंदिर में जाकर माफी मांगनी होगी या फिर पांच करोड़ रुपए देने होंगे। अगर वह ऐसा नहीं करते, तो हम उन्हें मार देंगे, हमारा गिरोह अभी भी सक्रिय है।

पुलिस संदेश की जांच कर रही है। इसे पहले पिछले हफ्ते 30 अक्टूबर को मुंबई ट्रैफिक कंट्रोल को सलमान खान के खिलाफ इसी तरह की धमकी मिली थी। तब बॉलीवुड अभिनेता से कथित तौर पर दो करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई थी और इसे न देने पर उन्हें जान से मार डालने की धमकी दी गई थी। जिसके बाद मुंबई पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके बाद मुंबई पुलिस ने एक व्यक्ति को मुंबई के बांद्रा इलाके से गिरफ्तार किया गया था।

बांदीपोरा में सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मारा, ऑपरेशन जारी

जम्मू, 05 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में मंगलवार को अलूसा बांदीपोरा के जेत्सुन जंगल क्षेत्र में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। मुठभेड़ जारी है। पुलिस और 26 असम राइफल्स की संयुक्त टीम इस अभियान में शामिल है। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। इस बात की आशंका जताई जा रही है कि कुछ और आतंकी इस क्षेत्र में हो सकते हैं।

इससे पहले रविवार को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में एक और आतंकी हमले की घटना सामने आई थी, जब आतंकियों ने संडे बाजार के एक भीड़-भाड़ वाले इलाके में ग्रेनेड से हमला किया था। इस हमले में 12 लोग घायल हो गए थे, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादियों ने टीआरसी के पास एक भरे बाजार में ग्रेनेड फेंका था, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

आतंकी हमलों की बढ़ती घटनाओं ने न केवल स्थानीय निवासियों, बल्कि पर्यटकों और व्यापारियों में भी डर और अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। सुरक्षा बलों द्वारा इन हमलों से निपटने के लिए कठोर कदम उठाए जा रहे हैं, लेकिन इस प्रकार की घटनाएं क्षेत्र में तनाव का कारण बनी हुई हैं।

कश्मीर के लोग मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। वे देश के साथ चल रहे हैं। चाहे सरकारी योजन-ाओं का लाभ लेना हो या सरकार के फैसलों से सहमत होना हो। हर जगह कश्मीरी देश के लोकतंत्र और संवैधानिक तरीके से होने वाले कार्यों में शामिल हो रहे हैं। चुनावों में 80 फीसदी मतदान कर कश्मीर के लोगों ने खुद को देश का हिस्सा साबित किया है। पाकिस्तान इसी की खुन्नस निकाल रहा है। कश्मीरियों को डराने का प्रयास कर रहा है। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि श्रीनगर में आतंकी हमले बढ़ना इसका एक बड़ा कारण है। यही नहीं, आतंकी वारदातों में स्थानीय आतंकियों का न होना भी पाकिस्तान को चुभ रहा है। इसलिए आतंकी वारदातों के लिए पाकिस्तान से आतंकियों को भेजा गया है। पूर्व डीजीपी एसपी वैद का कहना है कि पाकिस्तान हताश और परेशान है। इसका कारण कश्मीरियों का भारत पर बनता विश्वास है।

फलती-फूलती परिवारवाद की राजनीति: बेटे-बेटी से भतीजे-पोते तक

महाराष्ट्र में पूर्व मुख्यमंत्रियों के रिश्तेदारों का भाग्य दांव पर

मुंबई, 05 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव में राज्य के कई पूर्व मुख्यमंत्रियों के रिश्तेदार चुनाव लड़ रहे हैं। इन पूर्व मुख्यमंत्रियों में शरद पवार, उद्धव ठाकरे, नारायण राणे, विलासराव देशमुख और अशोक चव्हाण भी शामिल हैं।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। प्रत्याशियों के नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही तमाम सीटों पर राज्य के दोनों प्रमुख गठबंधनों महायुति और महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार तय हो गए हैं। इस चुनाव में सियासी रसूख रखने वाले कई परिवारों की किस्मत भी दांव पर लगी है। पार्टियों ने महाराष्ट्र के कई पूर्व मुख्यमंत्रियों के रिश्तेदारों को प्रत्याशी बनाकर चुनाव मैदान में उतारा है।

पुणे जिले की बारामती विधानसभा सीट हमेशा की तरह 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी खास बनी हुई है। ये वही सीट है जहां से कभी महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शपा) के नेता शरद पवार जीते थे। 1978 में जब पवार पहली बार 38 साल की उम्र में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने तो वह देश के सबसे कम उम्र के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कुल चार बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का पद संभाला।

हालांकि, पिछले सात चुनावों में बारामती सीट से शरद पवार के भतीजे अजित पवार जीतते रहे हैं। अब अपने चाचा से अलग हो चुके अजित पवार एक बार फिर बारामती से चुनाव लड़ रहे हैं। यहां के मुकाबले की एक और दिलचस्प कड़ी यह है कि अजित पवार के सामने उनके भतीजे युगेंद्र पवार खड़े हैं। युगेंद्र शरद पवार वाली एनसीपी के उम्मीदवार हैं।

उद्धव ठाकरे के बेटे और भतीजे चुनाव मैदान में

महाराष्ट्र की सियासत में अहम स्थान रखने वाले ठाकरे परिवार के दो सदस्य इस चुनाव में उतरे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य वर्ली सीट से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। उद्धव ठाकरे नवंबर 2019 से जून 2022 तक करीब ढाई साल मुख्यमंत्री की कुर्सी पर रहे। जून 2022 में उनके ही कैबिनेट सहयोगी एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद ठाकरे को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।

आदित्य शिवसेना (यूबीटी) के एक प्रमुख नेता और युवा सेना के अध्यक्ष हैं। इस चुनाव में पूर्व मंत्री का सामना पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा से है। देवड़ा एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के टिकट पर मैदान में उतरे हैं। इसके अलावा, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने राज ठाकरे के करीबी सहयोगी माने-जाने वाले संदीप देशपांडे को अपना उम्मीदवार

बनाया है।

मध्य मुंबई की माहिम विधानसभा सीट तीन सेनाओं के मुकाबले में फंस गया है। इस सीट से महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के मुखिया राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे पहली बार चुनावी मैदान में उतरे हैं। भतीजे अमित के सामने पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने महेश सावंत को टिकट दिया है। वहीं भाजपा ने अमित ठाकरे को समर्थन देने का वादा किया है, जबकि उसकी सहयोगी एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने अपने मौजूदा विधायक सदा सरवणकर को मैदान में उतारा है। इसके चलते माहिम में मनसे, शिवसेना (शिंदे गुट) और शिवसेना (यूबीटी) के बीच त्रिकोणीय लड़ाई मानी जा रही है।

नारायण राणे के दोनों बेटों को टिकट

पूर्व मुख्यमंत्री और रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग के सांसद नारायण राणे के दोनों बेटों को इस चुनाव के लिए टिकट दिए गए हैं। नारायण राणे ने फरवरी 1999 से अक्टूबर 1999 तक मनोहर जोशी के बाद मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। भाजपा ने कोंकण की कणकवली सीट से एक बार फिर से नारायण राणे के छोटे बेटे नितेश राणे को मौका दिया है। कणकवली में नितेश के सामने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने संदेश पारकर को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं नारायण के बड़े बेटे नीलेश राणे को समझौते के तहत शिवसेना से टिकट दिया गया है। नीलेश राणे हाल ही में एकनाथ शिंदे की पार्टी में शामिल हुए थे। उनका मुकाबला शिवसेना (यूबीटी) के उम्मीदवार वैभव नाईक से होगा।

विलासराव देशमुख के बेटे भी चुनावी रण में उतरे

दिवंगत मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के दो बेटों अमित देशमुख और धीरज देशमुख को कांग्रेस की ओर से टिकट दिए गए हैं। विलासराव देशमुख 1999 से 2003 तक और 2004 से 2008 तक दो बार मुख्यमंत्री रहे हैं। कांग्रेस ने विलासराव के बड़े बेटे अमित को लातूर शहर से प्रत्याशी बनाया है। लातूर शहर में कांग्रेस के अमित देशमुख का मुकाबला दिग्गज कांग्रेस नेता और यूपीए सरकार में केंद्रीय गृह मंत्री रह चुके शिवराज पाटिल की बहू अर्चना पाटिल से होगा। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष शिवराज पाटिल की बहू अर्चना पाटिल चाकुरकर 2024 के आम चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुई थीं। विलासराव देशमुख के छोटे बेटे धीरज देशमुख को कांग्रेस ने लातूर ग्रामीण से टिकट दिया है। उनका मुकाबला भाजपा के एमएलसी रमेश कराड से होगा।

चव्हाण परिवार की बेटी भी आजमा रही किस्मत

मराठवाड़ा क्षेत्र की भोकर विधानसभा सीट पर भाजपा ने चव्हाण परिवार से आने वाली श्रीजया चव्हाण को प्रत्याशी बनाया है। श्रीजया तीसरी पीढ़ी की नेता हैं।

श्रीजया चव्हाण के पिता अशोक चव्हाण और दादा शंकरराव चव्हाण दोनों ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे हैं। चव्हाण परिवार का दबदबा लातूर जिले में रहा है। भोकर महाराष्ट्र की ऐसी विधानसभा सीट है जिस पर अभी तक भाजपा का खाता नहीं खुल सका है। इस सीट पर भाजपा की सहयोगी शिवसेना चुनाव लड़ती रही है। यह सीट चव्हाण परिवार की परंपरागत सीट रही है। श्रीजया के पिता अशोक चव्हाण महाराष्ट्र में कांग्रेस के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक थे, लेकिन फरवरी 2024 में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने 2008 से 2010 तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया है। वहीं अशोक चव्हाण के पिता शंकरराव चव्हाण 1975 से 1977 तक और 1986 से 1988 तक दो बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे।

निलंगेकर परिवार की तीसरी पीढ़ी चुनाव मैदान में

मराठवाड़ा की सियासत पर निलंगेकर परिवार का दबदबा माना जाता रहा है। निलंगेकर परिवार से आने वाले संभाजी पाटील को भाजपा ने लातूर जिले की निलंगा सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। संभाजी निलंगेकर तीसरी पीढ़ी के नेता है। उनके दादा शिवाजी निलंगेकर 1985-86 में महाराष्ट्र के सीएम रहे हैं। भाजपा के टिकट पर तीसरी बार संभाजी पाटील चुनावी मैदान में उतरे हैं। 2014 और 2019 में भाजपा से विधायक चुने गए हैं और फडणवीस सरकार में मंत्री भी रहे हैं। इस सीट पर निलंगेकर परिवार की सियासी पकड़ को देखते हुए भाजपा ने संभाजी पाटिल पर दांव खेला है। उनके आमने कांग्रेस के अभय सालुंके हैं।

सुरक्षित महाकुंभ : रेलवे स्टेशनों पर लगेंगे फेस रिकग्निशन कैमरे

सीसीटीवी के साथ एफआर कैमरों से रखी जाएगी नजर

प्रयागराज, 05 नवंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 को दिव्य और भव्य के साथ सुरक्षित महाकुंभ बनाने का लक्ष्य डबल इंजन सरकार ने रखा है। इसे मद्देनजर रखते हुए न केवल मेला क्षेत्र बल्कि प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। महाकुंभ में लगभग 10 करोड़ लोगों का ट्रेन से आने का अनुमान है। इसे लेकर रेलवे सुरक्षा और व्यवस्था के सारे इंतजाम कर रही है। प्रयागराज रेल मंडल द्वारा महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के लिए पहली बार सीसीटीवी कैमरों के साथ एफआर कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। एफआर कैमरे एआई की मदद से संदिग्ध गतिविधियों और अराजक तत्वों पर नजर रखने में कारगर हैं।

प्रयागराज रेल मंडल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए महाकुंभ को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए प्रयागराज रेल मंडल सुरक्षा के सारे इंतजामों के साथ एआई बेस्ड एफआर कैमरे भी लगा रहा है। फेस रिकग्निशन या एफआर कैमरे एआई तकनीक की मदद से फेस रिकग्निशन में सक्षम होते हैं।

ये आसानी से संदिग्धों को भीड़ में भी पहचान कर तलाश लेते हैं। जिससे भीड़ में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों या भगदड़ जैसी स्थिति को बनने से पहले काबू किया जा सकता है। एफ आर कैमरे किसी भी असामान्य घटना को आसानी से पकड़ सकते हैं, उन पर तत्काल प्रतिक्रिया कर दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। प्रयागराज रेल मंडल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि महाकुंभ के दौरान रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा के लिए लगभग 650 सीसीटीवी कैमरों के साथ पहली बार 100 एफआर कैमरे भी लगाए जाएंगे। प्रयागराज शहर में आने वाले सभी 9 रेलवे स्टेशनों के आने जाने के मार्गों, आश्रय स्थल, प्लेटफार्मों को भी कैमरों की नजर में रखा जाएगा। रेलवे स्टेशनों पर ये सुरक्षा के सभी उपाय दिसंबर के अंत लगा दिए जाएंगे। महाकुंभ की शुरुआत से पहले जनवरी में ये सभी उपकरण कार्य करने लगेंगे।

चलता-फिरता अस्पताल भीष्म क्यूब रहेगा तैनात

प्रयागराज, 05 नवंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ-2025 में आपात स्थितियों से निपटने के लिए योगी सरकार ने व्यापक तैयारी की है। महाकुंभ में पहली बार भीष्म क्यूब की तैनाती की जा रही है, जो अत्याधुनिक तकनीक से युक्त क्रांतिकारी मोबाइल अस्पताल है। गौरतलब है कि 22 जनवरी 2024 में अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान भी भीष्म क्यूब की तैनाती की गई थी। संयुक्त निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य, प्रयागराज डॉ. वी.के. मिश्रा ने बताया कि एक भीष्म (बैटलफील्ड हेल्थ इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर मेडिकल सर्विसेज) क्यूब 200 लोगों का एक साथ उपचार कर सकता है। भीष्म क्यूब में सर्जिकल सुविधाएं, डायग्नोस्टिक टूल्स और रोगी के देखभाल से संबंधित सभी सुविधाएं मौजूद हैं। ये बेहद मजबूत, वॉटरप्रूफ और हल्के हैं। इससे तुरंत इलाज की सुविधा शुरू की जा सकती है। यह चिकित्सा सेवाओं के प्रभावी समन्वय, वास्तविक समय में निगरानी और कुशल प्रबंधन को सुगम बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डाटा एनालिटिक्स को एकीकृत करता है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि भीष्म क्यूब की पूरी यूनिट को आसानी से हाथ, साइकिल या ड्रोन द्वारा भी ले जाया जा सकता है। इस चलते-फिरते अस्पताल की खासियत यह है कि इसे आपातकालीन परिस्थितियों में विमान से एयरड्रॉप किया जा सकता है। भीष्म क्यूब 12 मिनट के भीतर तैनात होने की क्षमता रखता है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि इन पोर्टेबल हॉस्पिटल क्यूब्स का विकास और परीक्षण भारतीय वायुसेना, भारतीय स्वास्थ्य सेवा संस्थानों और डिफेंस टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ने मिल कर किया है। गौरतलब है कि इसी साल अगस्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी यूक्रेन यात्रा के दौरान राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को भीष्म क्यूब की यूनिट्स भेंट स्वरूप दी थीं।

वाराणसी में रोंगटे खड़े करने वाला हत्याकांड

पत्नी और तीन बच्चों का कत्ल कर भागा पति भी मरा

वाराणसी, 05 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी के भदैनी इलाके में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों की गोली मार कर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी घर छोड़ कर भागा, लेकिन एक जगह वह भी मरा हुआ पाया गया।

भदैनी स्थित पावर हाउस के सामने की गली में राजेंद्र गुप्ता अपनी पत्नी नीतू, बेटी गौरांगी और बेटों नवनेंद्र और सुबेंद्र के साथ रहता था। मंगलवार को पड़ोसियों ने राजेंद्र के घर का दरवाजा खुला नहीं देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस पहुंची और राजेंद्र के घर गई तो नीतू अपने तीनों बच्चों के साथ खून से लथपथ मृत पड़ी थी। राजेंद्र गुप्ता घर से गायब था। बताया गया कि राजेंद्र गुप्ता किसी तांत्रिक के संपर्क में था। तांत्रिक का कहना था कि उसकी प्रगति की राह में उसकी पत्नी और बच्चे बाधक हैं। इसी वजह से राजेंद्र गुप्ता ने पत्नी और बच्चों की हत्या की है। पुलिस राजेंद्र गुप्ता के साथ ही तांत्रिक की भी तलाश कर रही थी कि राजेंद्र गुप्ता का शव रोहनिया थाना क्षेत्र के एक गांव में मिलने की सूचना मिली। उसकी लाश मीरापुर लठिया स्थित अर्धनिर्मित एक मकान में मिली है। राजेंद्र गुप्ता की मौत कैसे हुई, इसकी पड़ताल की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि राजेंद्र गुप्ता हत्या के मामलों में पहले भी जेल में रह चुका है। उसके मकान में तकरीबन 20 किरायेदार रहते हैं। वह देसी शराब ठेका का संचालक भी है। पुलिस और जानकारी इकट्ठा करने के लिए पड़ोसियों और रिश्तेदारों से पूछताछ कर रही है। आसपास के लोगों ने बताया कि 20 वर्ष पहले भी आरोपी राजेंद्र गार्ड के साथ कई हत्याएं कर चुका है। वह जेल में सजा काटकर आया है। यह उसकी दूसरी पत्नी थी।

बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े की प्रिंसिपल की हत्या

मुरादाबाद, 05 नवंबर (एजेंसियां)। मुरादाबाद जिले के मझोला थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने मंगलवार को दिनदहाड़े एक स्कूल प्रिंसिपल की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के बाद बाइक सवार फरार हो गए। हालांकि बदमाश सीसीटीवी में कैद हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है। प्रिंसिपल शबाबुल पैदल ही स्कूल जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से बाइक पर दो बदमाश आए और सिर में गोली मार दी।

घटना मंगलवार को सुबह नौ बजे हुई है। आसपास के लोग उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना मझोला थाने के लकड़ी क्षेत्र की है। प्रिंसिपल शबाबुल भाजपा के महानगर मंत्री शम्मी भटनागर के स्कूल में पढ़ाते थे। मंगलवार को रोजाना की तरह ही प्रिंसिपल शबाबुल पैदल स्कूल के लिए जा रहे थे। स्कूल से महज 50 मीटर दूर बाइक पर आए दो बदमाशों ने प्रिंसिपल को गोली मार दी। सिर में गोली लगते ही शबाबुल मुंह के बल सड़क पर गिर गए। घटना को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। आसपास के लोग आनन-फानन प्रिंसिपल को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन यहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि कुछ माह पहले स्कूल के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। जिसमें छात्र के परिवार ने प्रिंसिपल शबाबुल पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। प्रिंसिपल को गोली मारने वालों की तस्वीरें कैमरे में कैद हो गई हैं। एसपी सिटी कुमार विजय सिंह ने बताया कि पुलिस और एसओजी हत्यारोपी की तलाश में जुटी है।

महाकुंभ 2025 : महाकुंभ में गैर सनातनियों के आने पर रोक लगाने की मांग

अमेठी, 05 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमेठी से सगरा पीठाधीश्वर ने महाकुंभ में गैर सनातनियों के आने पर रोक लगाने की मांग की है। वह समय-समय पर हिंदुओं और धर्म के प्रति आवाज उठाते रहते हैं। उन्होंने एक बार फिर अपना बयान जारी किया है।

संतों के बयान के समर्थन में मौनी महाराज ने वीडियो जारी करके महाकुंभ से पहले गैर सनातनियों को लेकर मांग उठाई है। मौनी महाराज ने कहा कि गैर सनातनियों का महाकुंभ में प्रवेश पूरी तरीके से प्रतिबंधित किया जाए।

गौरीगंज के बाबूगंज सगरा पीठाधीश्वर मौनी महाराज समय-समय पर धर्म को लेकर आवाज उठाते रहते हैं। ऐसे में उन्होंने एक बार फिर वीडियो जारी कर महाकुंभ 2025 से पहले प्रयागराज में गैर सनातनियों का प्रवेश प्रतिबंधित किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में गैर सनातनियों का प्रवेश पूरी तरीके से प्रतिबंधित हो। गैर सनातनी लोग जिस तरीके से धर्म के प्रति अपशब्द प्रयोग करते हैं और धर्म के खिलाफ बोलते हैं ऐसे में गैर सनातनियों का प्रवेश भी पूरी तरीके से प्रतिबंधित होना चाहिए।

पीठाधीश्वर मौनी महाराज ने कहा कि महाकुंभ 2025 लगने जा रहा है। ऐसे में गैर सनातनियों के ना आने का हम समर्थन करते हैं।इसके साथ ही अखाड़ा परिषद का जो बयान है उसका भी हम समर्थन करते। उन्होंने कहा कि जब गैर सनातनी भारत को नहीं मानते, गंगा को नहीं मानते, मेरे देवी-देवताओं को नहीं मानते, धर्म को नहीं मानते और मेरे मठ मंदिरों में रहकर अपशिष्ट पदार्थ का प्रयोग करते हैं, तो ऐसे लोगों को प्रयागराज आने की कोई आवश्यकता नहीं। उन्होंने कहा कि जब मक्का सिर्फ मुसलमान का है तो प्रयागराज हम सनातनियों का है वहां सिर्फ सनातनियों को ही इजाजत मिलनी चाहिए।सनातनियों को ही दुकान मिलनी चाहिए।सरकार को इसकी व्यवस्था करनी चाहिए कि वहां का हर व्यक्ति सनातनी हो हिंदू हो वह मां गंगा को माने राम को माने और सनातन धर्म को माने और मां गंगा में डुबकी लगाई यही हमारी मांग है।

यूपी में बुधवार से शुरू हो रहा ईको पर्यटन सत्र

लखनऊ, 05 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार के मार्गदर्शन में ईको पर्यटन सत्र 6 नवंबर से प्रारंभ होगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। सत्र 2024-25 में लखीमपुर के दक्षिणी खीरी वन प्रभाग में महेशपुर (मोहम्मदी) ईको टूरिज्म और बफर प्रभाग में भीरा पर्यटन सर्किट का भी शुभारंभ किया जा रहा है। वहीं पर्यटकों की सहूलियत को देखते हुए दुधवा टाइगर रिजर्व में मंगलवार को होने वाला अवकाश समाप्त कर दिया गया है। अब पर्यटक वहां सातों दिन घूम सकेंगे। पर्यटकों की सुविधा के मद्देनजर नेचर गाइड भी तैनात किए गए हैं। योगी सरकार की तरफ से मिल रही सुविधाओं व सुरक्षित वातावरण के कारण ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन दुधवा टाइगर रिजर्व, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, अमानगढ़ टाइगर रिजर्व व रानीपुर टाइगर रिजर्व में साल दर साल पर्यटकों की संख्या भी बढ़ रही है। बुधवार को योगी सरकार के वन व पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना कतर्नियाघाट, बहराइच से पर्यटन सत्र का शुभारंभ करेंगे।

वन, पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए यूपी में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। योगी सरकार ने निर्णय लिया है कि इस वर्ष पर्यटन शुल्क नहीं बढ़ाया जाएगा, लेकिन सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। वन मंत्री ने बताया कि दुधवा में मंगलवार को होने वाला साप्ताहिक अवकाश भी समाप्त कर दिया गया है। इससे सातों दिन यहां प्रकृति का आनंद उठा सकेंगे। वहीं पर्यटकों के लिए 30 आतिथ्य कार्यकर्ता (हॉस्पिटैलिटी स्टॉफ) को प्रशिक्षित किया गया है। इन्हें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट के माध्यम से हाउसकीपिंग व कुकिंग संबंधी प्रशिक्षण दिया गया है। वहीं ईको टूरिज्म बोर्ड की सहायता से दुधवा, कतर्नियाघाट, पीलीभीत व रानीपुर में नेचर गाइड का प्रशिक्षण भी कराया गया है। इन्हें द नेचर स्कूल बेंगलुरु के प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण दिया है।

प्रदेश के सभी ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन में इसका आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य आमजन को ईको पर्यटन का आनंद उठाने के लिए प्रेरित करना है। योगी सरकार के निर्देश पर इसमें प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि आदि भी मौजूद रहेंगे। दुधवा, पीलीभीत, अमानगढ़ व रानीपुर टाइगर रिजर्व, कतर्नियाघाट, वन्य जीव बिहार, सोहेलवा वन्य जीव विहार, कैमूर वन्य जीव विहार, शहीद चंद्रशेखर आजाद पक्षी विहार नवाबगंज, सांडी पक्षी विहार हरदोई, लाख पक्षी विहार कन्नौज, महावीर स्वामी वन्य जीव विहार ललितपुर, चंद्रप्रभाग वन्य जीव विहार चंदौली, ओखला पक्षी विहार गौतमबुद्धनगर, रपड़ी ईको टूरिज्म सेंटर फिरोजाबाद आदि में भी आयोजन होगा।

ग्रीन महाकुंभ : महाकुंभ में रोपे जाएंगे 2 लाख 71 हजार पौधे

प्रयागराज, 05 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संगम तट पर जनवरी 2025 से लगने जा रहे महाकुंभ की तैयारियां पूरी गति से चल रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ को दिव्य, भव्य, स्वच्छ और हरित स्वरूप देने के लिए कुंभ मेला प्रशासन के सभी विभाग इसमें अपना योगदान कर रहे हैं।

महाकुंभ को हरित कुंभ का स्वरूप देने के लिए कुंभ क्षेत्र को पॉलीथिन मुक्त रखा जाएगा तो वहीं कुंभ क्षेत्र के बाहर हरित पट्टिकाओं का विकास किया जा रहा है। इस प्रयास से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी धरातल पर उतर रहा है।

सीएम योगी का स्पष्ट निर्देश है कि महाकुंभ 2025 में प्रयागराज स्वच्छता का मॉडल बने। महाकुंभ स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी एक उदाहरण बने इसके लिए सामूहिक प्रयास किया जा रहा है।

इस संकल्प को पूरा करने के लिए वन विभाग, नगर निगम और प्रयागराज विकास प्राधिकरण मेगा प्लांटेशन अभियान चला रहे हैं । अभियान के अंतर्गत 2 लाख 71 हजार पौधे रोपित किए जा रहे हैं। प्रभागीय वनाधिकारी प्रयागराज अरविंद कुमार का कहना है कि वन विभाग इस अभियान के अंतर्गत 29 करोड़ के बजट से 1.49 लाख पौधे रोपित करने जा रहा है। इसमें सरस्वती हाईटेक सिटी में 20 हेक्टेयर में 87 हजार पौधे रोपित हो रहे हैं। यहां सब्जी ब्लॉक में सघन रोपण किया जा रहा है। इसमें छोटे और बड़े दोनों तरह के पौधे रोपित हो रहे हैं।

वन विभाग जिले की सड़कों के दोनों तरफ भी पौध रोपण का अभियान चला रहा है। शहर की तरफ आने वाले 18 सड़कों में भी सघन पौधारोपण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 50 हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। सड़कों के बाहर दोनों तरफ कदम्ब, नीम, अमलतास जैसे पौधों का रोपण किया जा रहा है। शहर के कुछ हिस्सों में भी वन विभाग की तरफ से पौध रोपण किया जा रहा है। शहर के अंदर हरित पट्टिकाओं को विकसित करने की जिम्मेदारी नगर निगम प्रयागराज और प्रयागराज विकास प्राधिकरण को दी गई है। नवंबर के आखिर तक इन ग्रीन पट्टियों के विकसित करने का कार्य पूरा हो जाएगा।

आरओ-एआरओ और पीसीएस प्री परीक्षा की तारीख घोषित

लखनऊ, 05 नवंबर (एजेंसियां)। सरकार ने लंबे समय से आरओ-एआरओ प्री और पीसीएस प्री की परीक्षा की नई तारीख का इंतजार कर रहे लाखों अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अनुसार आरओ-एआरओ की परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को तीन शिफ्टों में होगी जबकि पीसीएस प्री परीक्षा 7 और 8 दिसंबर को दो सत्रों में होगी।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग के अनुसार उत्तर प्रदेश पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन 7 और 8 दिसंबर को किया जाएगा। यह परीक्षा प्रदेश के 41 जिलों में दो सत्रों में होगी। परीक्षा का पहला सत्र सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक होगा। वहीं आरओ-एआरओ (समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी) प्री की परीक्षा 22 और 23 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा कुल तीन शिफ्टों में आयोजित कराई जाएगी।

आरओ-एआरओ प्री की परीक्षा पहली और दूसरी शिफ्ट 22 दिसंबर को होगी, जिसमें पहली शिफ्ट सुबह 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और दूसरी शिफ्ट दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। वहीं तीसरी शिफ्ट 23 दिसंबर को सुबह 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होगी। इस परीक्षा के लिए 10.76 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। आयोग द्वारा दिए गए दिशा-निर्देश के अनुसार, यदि एक पाली में 5 लाख से अधिक परीक्षार्थी होते हैं तो परीक्षा को कई पालियों में आयोजित करना अनिवार्य हो जाता है। इसी कारण इस परीक्षा को तीन शिफ्टों में बांटा गया है।

संपादकीय

कश्मीर में 'आतंक' पर सवाल

जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में लगातार दूसरे दिन आतंकी हमला किया गया। रविवार को जहां ग्रेनेड फटा, उससे मात्र 600 मीटर दूर मुख्यमंत्री आवास और ऐतिहासिक 'लाल चौक' हैं। यह उच्चतम सुरक्षा का क्षेत्र है। फिर ऐसे क्षेत्र में आतंकी और उनके हथियार कैसे पहुंच गए? यह बेहद गंभीर सवाल है। हमारी सुरक्षा-व्यवस्था पर भी सवाल उठते हैं। आतंकियों के निशाने पर सीआरपीएफ के बंकर थे, लेकिन ग्रेनेड भीड़-भाड़ वाले साप्ताहिक बाजार में फटा, नतीजतन 12 नागरिक घायल हो गए। घायलों में 6 की उम्र 20 साल से कम बताई गई है। जहां आतंकी हमला किया गया, उसके पास ही पर्यटक स्वागत केंद्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन केंद्र, कई बस्तियां और बाजार हैं, लिहाजा यह बेहद भीड़वाला इलाका है। कश्मीर घाटी में इधर जितने भी हमले हुए हैं, वे सभी बाहरी आतंकियों ने किए हैं। श्रीनगर के हमले स्पष्ट करते हैं कि आतंकी सरहद से घनी आबादी के बीच आसानी से पहुंच रहे हैं, लिहाजा सुरक्षा बलों और सेना को घुसपैठ रोकने के लिए कड़ी प्रहारात्मक कार्रवाई करनी होगी। बाहरी आतंकियों की पहचान पुख्ता कर उन्हें ढेर करना होगा। अनुच्छेद 370 और 35-ए निरस्त करने के बाद से श्रीनगर शांत था। कोई आंदोलन नहीं, कोई बहिष्कार नहीं था। यहां आखिरी आतंकी हमला अप्रैल, 2022 में हुआ था। तब 2 आतंकी मारे गए थे। इधर चुनाव होने और लोकतांत्रिक सरकार बनने के बाद आतंकी हमलों की निरंतरता बढ़ी है। बीती 18 अक्तूबर को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के चुनाव क्षेत्र गांदरबल जिले में जो आतंकी हमला किया गया था, उसके बाद 9 आतंकी हमले किए जा चुके हैं। हमारे जांबाज जवान 'शहीद' हुए हैं और घायल भी हुए हैं, लेकिन 9-10 आतंकियों को भी ढेर कर दिया गया है। हमलों की निरंतरता पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने सवाल किए हैं कि ये आतंकी हमले बढ़ क्यों रहे हैं? सरकार बनने से पहले हमलों में तेजी क्यों नहीं आई? इसकी स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फल-फूल रहा था, लेकिन यह सबसे निचले स्तर पर था, लिहाजा मैं जांच की मांग कर रहा हूं। श्रीनगर के खानयार में आतंकी को मारा नहीं जाना चाहिए था। आतंकियों को जिंदा पकड़ें, ताकि पता चल सके कि क्या उमर सरकार को अस्थिर करने का काम किसी एजेंसी को सौंपा गया है? फारूक किस एजेंसी की बात कर रहे हैं? यदि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई पर संदेह है, तो कश्मीर के आतंकवाद में उसकी भूमिका तय है। हम महसूस कर चुके हैं। यदि भारत की किसी एजेंसी पर फारूक को शक है, तो उसके नाम का खुलासा करें। ऐसे आरोप बेमानी हैं। जब गांदरबल जिले में आतंकी हमला किया गया था, तब फारूक ने पाकिस्तान के खिलाफ बेहद तल्ख टिप्पणियां की थीं और कहा था-कश्मीर पाकिस्तान नहीं बनेगा, नहीं बनेगा। लेकिन अब फारूक अब्दुल्ला का स्वर बदला हुआ है। उमर सरकार के खिलाफ साजिश कौन करेगा? नेशनल कॉन्फ्रेंस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, लिहाजा सरकार उसी के नेतृत्व में बननी थी। दरअसल कश्मीर में आतंकवाद कहां समाप्त हुआ है? बेशक आतंकियों की संख्या मु_ी भर है, लेकिन पूरे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद सक्रिय रहा है। बेशक नया कश्मीर उभर रहा है। कई हजार करोड़ रुपए का निवेश आया है। स्कूल-कॉलेज, स्टेडियम, बाजार, डल लेक आदि सभी आकर्षक स्थल खुले हैं। सर्दियां आरंभ हो गई हैं, लिहाजा औसतन हर सप्ताह करीब 1200 वेंडर्स श्रीनगर के साप्ताहिक बाजार में आते हैं और अपने गर्म कपड़े बेचते हैं। उसी भीड़ पर वह ग्रेनेड फटा था। सैलानियों की अच्छी-खासी संख्या भी कश्मीर में दस्तक दे रही है। राजस्व की आमद शुरू हो चुकी है, लेकिन अभी भारत सरकार या मुख्यमंत्री किसी भी तरह का दावा नहीं कर सकते कि आतंकवाद मृतप्राय हो गया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी कहा है कि नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं है। सुरक्षा तंत्र को जल्द ही इन हमलों को नेस्तनाबूद करने की कोशिश करनी चाहिए।

> हमारी सुरक्षा-व्यवस्था पर भी सवाल उठते हैं। आतंकियों के निशाने पर सीआरपीएफ के बंकर थे, लेकिन ग्रेनेड भीड़-भाड़ वाले साप्ताहिक बाजार में फटा, नतीजतन 12 नागरिक घायल हो गए। घायलों में 6 की उम्र 20 साल से कम बताई गई है। जहां आतंकी हमला किया गया, उसके पास ही पर्यटक स्वागत केंद्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन केंद्र, कई बस्तियां और बाजार हैं, लिहाजा यह बेहद भीड़वाला इलाका है। कश्मीर घाटी में इधर जितने भी हमले हुए हैं, वे सभी बाहरी आतंकियों ने किए हैं। श्रीनगर के हमले स्पष्ट करते हैं कि आतंकी सरहद से घनी आबादी के बीच आसानी से पहुंच रहे हैं, लिहाजा सुरक्षा बलों और सेना को घुसपैठ रोकने के लिए कड़ी प्रहारात्मक कार्रवाई करनी होगी।

ट्रूडो सरकार को चेता कर हिंसा को असहनीय बताया एवं कहा कि ऐसी घटनाएं भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पायेंगी

भारत विरोधी खालिस्तानियों को ट्रूडो सरकार की शह

ललित गर्ग

> खालिस्तानी झंडे लिये प्रदर्शनकारियों ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हमला बोला, हिन्दुओं के साथ हिंसक झड़प की, जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बन कर भारत विरोधी तत्वों को शह देती रही है। इसके अलावा कनाडा के प्रमुख शहरों, टोरंटों, वैंकूवर और सरे से मंदिरों पर भी हमले खबरें परेशान करने वाली हैं। सभी जगहों पर हमला खालिस्तान समर्थक अतिवादियों ने किया। इन हमलों ने कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, वीडियो में मारपीट के दृश्य भी दिखाई दे रहे हैं।

कनाडा भारत विरोधी गतिविधियों एवं खालिस्तानी अलगाववाद को पोषण एवं पल्लवन देने का बड़ा केन्द्र बनता जा रहा है। खालिस्तानी झंडे लिये प्रदर्शनकारियों ने ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हमला बोला, हिन्दुओं के साथ हिंसक झड़प की, जिन्हें लेकर ट्रूडो सरकार मूक दर्शक बन कर भारत विरोधी तत्वों को शह देती रही है। इसके अलावा कनाडा के प्रमुख शहरों, टोरंटों, वैंकूवर और सरे से मंदिरों पर भी हमले खबरें परेशान करने वाली हैं। सभी जगहों पर हमला खालिस्तान समर्थक अतिवादियों ने किया। इन हमलों ने कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, वीडियो में मारपीट के दृश्य भी दिखाई दे रहे हैं। जानबूझकर मन्दिर पर किये इन हमलों की घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण ही नहीं, बल्कि कायराना एवं शर्मनाक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन घटनाओं की निन्दा करते हुए ट्रूडो सरकार को चेता कर हिंसा को असहनीय बताया एवं कहा कि ऐसी घटनाएं भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पायेंगी। निश्चित ही खालिस्तानी पृथकतावादियों को खुली छूट देकर ट्रूडो सरकार दोनों देशों के आपसी संबंधों में कडवाहट घोल रहे हैं। यह विडंबना ही है कि कानून का पालन करने वाले प्रवासी भारतीय सदस्यों की सुरक्षा और संरक्षा दांव पर है। दरअसल, अल्पमत में आई ट्रूडो सरकार राजनीतिक स्वार्थों के लिये निचले स्तर का खेल खेल रही है। वह अगले साल होने वाले आम चुनाव में फिर सरकार बनाने के लिये ऐसे संकीर्ण, विघटनकारी एवं स्वार्थी राजनीतिक हथकंडों को अपनाकर अपने ही पांवों पर कुल्हाड़ी चला रही है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, भारत-कनाडा संबंधों को बचाने के लिये गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। अब तक के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे भारत-कनाडा संबंधों को सामान्य बनाने के लिये यह अपरिहार्य अनिवार्य शर्त भी है। निश्चित रूप से जस्टिन ट्रूडो सरकार को वहां सक्रिय खालिस्तानी अलगाववादियों को भारत के खिलाफ जहर उगलने के लिये कनाडाई क्षेत्र के दुरुपयोग की अनुमति नहीं देनी चाहिए, क्योंकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर ट्रूडो सरकार द्वारा उपद्रवियों को संरक्षण देना उसकी राजनयिक और लोकतांत्रिक साख को कमजोर करने वाला कदम ही है। राजनीतिक स्वार्थों के लिये प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो खालिस्तान समर्थकों का

सहारा लेकर भारत की एकता और अखंडता को खण्डित करने पर तूले हैं, वे खालिस्तानी अतिवादियों को बेलगाम करके खूद के लिये भी खतरा मोल ले रहे हैं, वे यह समझने को तैयार नहीं कि खालिस्तान समर्थक भारत के साथ-साथ कनाडा के लिए भी खतरा बन सकते हैं। वे पहले से ही ड्रग्स और हथियारों के साथ मानव तस्करी में लिप्त हैं। जस्टिन ट्रूडो को यह समझना होगा कि कनाडा की नागरिकता लिए खालिस्तानी अतिवादी खालिस्तान का कितना ही शोर मचाएं, भारत में उसका कहीं कोई समर्थन नहीं और भारत की एकता पर उसका तनिक भी असर नहीं होने वाला है। गौर करने वाली बात यह है कि ट्रूडो के मुकाबले इस घटना की ज्यादा कड़ी निंदा कनाडा के ओंटारियो सिख ऐंड गुरुद्वारा कौंसिल ने की है। वैसे यह भी ध्यान रखना होगा कि मंदिरों में जिन पर हमला हुआ, वे भी कनाडा के ही नागरिक हैं। जस्टिन ट्रूडो ने जितनी सक्रियता खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर के मामले में दिखाई, उतनी इस मामले में भी दिखाते, तो शायद चीजें बदल सकती थीं, जो उनके लिये ज्यादा राजनीतिक लाभकारी होती। यह एक विडंबना ही है कि कुछ दशक पहले तक खालिस्तान के जिस पागलपन ने भारत को काफी परेशान किया था, पंजाब एवं समूचा देश लम्बे समय तक खालिस्तानी आतंकवाद का शिकार रहा और अब जब भारत से उसका नामो-निशान तक मिट चुका है, तो कनाडा में उसे जोर-शोर से पाला-पोसा जा रहा है। मामला सिर्फ इतना नहीं है, कनाडा अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ होने दे रहा है, तो इस पर पूरी विश्व बिरादरी को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। हम सीमा पार आतंकवाद फैलाने के पाकिस्तानी दंश को लंबे अरसे से भोगते रहे हैं और अब कनाडा में जो हो रहा है, वह भी एक तरह से सीमा पार अलगाववाद फैलाना ही है। भारत को कनाडा के साथ अमेरिका के रवैये पर भी ध्यान देना होगा, क्योंकि वह गुरपतवंत सिंह पन्नू को खुले तौर पर संरक्षण दे रहा है। भारत के खिलाफ विदेश की धरती से हो रहे इन षड़यंत्रों एवं साजिशों को गंभीरता से लेना होगा। पिछले साल खालिस्तान समर्थक कार्यकर्ता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद ट्रूडो सरकार लगातार, भारत के साथ लापरवाही से रिश्ते खराब कर रही है। इस नतीजे पर पहुंचने का एक कारण यह भी है कि कनाडा के साथ अमेरिका की भी नागरिकता लिए खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कुछ दिनों पहले यह धमकी दी थी कि कनाडा के हिंदुओं को दीवाली नहीं मनाने दी जाएगी। इस धमकी के बाद भी यदि खालिस्तानी चरमपंथी हिंदू मंदिर में धावा बोलने आ गए तो इसका यही मतलब निकलता है कि कनाडा सरकार का उन पर लगाम लगाने का कोई इरादा नहीं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और वहां के प्रमुख विपक्षी दल के नेता ने हिंदू मंदिर को निशाना बनाए जाने की निंदा की, लेकिन इनमें से किसी ने भी खालिस्तान समर्थकों का उल्लेख करना आवश्यक नहीं समझा, इससे स्पष्ट है कि कनाडा सरकार खालिस्तानियों को खुला समर्थन कर रही है। बहरहाल, यह तय है कि रह-रह कर सामने आ रही यह हिंदू-सिख संबंधों में तल्खी, भारत तथा कनाडा सरकारों के संबंधों में आ रही गिरावट से गहरे तक जुड़ती है। हाल के दिनों में कनाडा सरकार के मंत्रियों ने मर्यादा की सीमाएं लांघते हुए भारत सरकार पर अनेक आक्षेप किये हैं। यहां तक कि कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने भारतीय गृह मंत्री पर आरोप लगाये कि उन्होंने कनाडा में भारत विरोधी अलगाववादियों को निशाना बनाने के लिये हिंसा व खुफिया जानकारी जुटाने के आदेश दिए। जैसा कि स्वाभाविक ही था इस तरह के आरोप-प्रत्यारोप का भारत सरकार ने भी कड़ा प्रतिवाद किया है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कड़े शब्दों में इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। नई दिल्ली ने इन आरोपों को बेतुका और निराधार बताकर नकार दिया है। कनाडा सरकार इसके कोई ठोस प्रमाण न देकर खुद को ही हंसी का पात्र बनाया।

दृष्टि कोण

भारतीय क्रिकेट में बदलाव की मांग उचित

घटनाओं के एक उल्लेखनीय और अप्रत्याशित मोड़ में, न्यूजीलैंड ने भारतीय धरती पर भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत हासिल की, जिसने प्रशंसकों और विशेषज्ञों को चौंका दिया। यह उपलब्धि कोई छोटी उपलब्धि नहीं है, क्योंकि भारत की घरेलू पिचें, जो अपने स्पिन-अनुकूल स्वभाव के लिए जानी जाती हैं, लंबे समय से राष्ट्रीय टीम के लिए एक किला रही हैं, जिससे किसी भी मेहमान टीम द्वारा श्रृंखला जीतना दुर्लभ हो गया है। यह 3.0 की जीत न्यूजीलैंड के लिए एक अभूतपूर्व सफलता है और भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण झटका है। इसने खेल के सभी निकायों के भीतर चिंतन की लहर और बदलाव की मांग को बढ़ावा दिया है। भारत में टेस्ट सीरीज जीतना क्रिकेट में सबसे कठिन चुनौतियों में से एक माना जाता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने घरेलू मैदानों पर दबदबा बनाया है, जिसमें स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठाया गया है और विरोधियों से उच्च स्तर की अनुकूलनशीलता और कौशल की आवश्यकता होती है। न्यूजीलैंड का क्लीन स्वीप न केवल उनकी अनुकूलनशीलता को दर्शाता है, बल्कि तैयारी और रणनीति के असाधारण स्तर को भी दर्शाता है जिसने उन्हें भारत की ताकत को खत्म करने की अनुमति दी। यह जीत निस्संदेह विश्व क्रिकेट में शीर्ष दावेदार के रूप में न्यूजीलैंड की प्रतिष्ठा को बढ़ाएगी। श्रृंखला में आश्चर्यजनक हार के बाद, भारत का क्रिकेट समुदाय निराशा से भरा हुआ है, जिससे टीम की दिशा और नेतृत्व पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसकों और विश्लेषकों ने भारत के असंगत प्रदर्शन पर चिंता व्यक्त की है और कोचिंग तथा चयन रैंक के भीतर आत्मनिरीक्षण की मांग की है। आलोचकों का तर्क है कि कोचिंग स्टाफ ने देश की प्रतिभा के विशाल पूल का अधिकतम उपयोग नहीं किया है, खासकर बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण के प्रमुख क्षेत्रों में। टीम प्रबंधन के लिए एक नए दृष्टिकोण की मांग की जा रही है, जिसमें कुछ लोग टीम में नए दृष्टिकोण और रणनीतियों को शामिल करने के लिए पूर्व भारतीय टेस्ट कप्तानों को विभिन्न कोचों के रूप में शामिल करने की वकालत कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसने टीम चयन प्रक्रियाओं की बारीकी से जांच करने का आग्रह किया है। कई लोगों का मानना है कि उभरते हुए खिलाडियों को अधिक अवसर दिए जाने चाहिएं, ताकि स्पॉट के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित हो और एक नया जोश भरा टीम लाइनअप हो जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को संभाल सके। इस झटके के बावजूद, विदेशी धरती पर भारत की हाया सफलताएं, जैसे कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में उल्लेखनीय जीत, चुनौतीपूर्ण वातावरण में टीम की लचीलापन और क्षमता की याद दिलाती हैं। इन जीतों ने वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को मजबूत किया है, जो घर से बाहर उनकी अनुकूलन क्षमता को दर्शाता है। हालांकि, न्यूजीलैंड की मौजूदा जीत, साथ ही 2021 आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की जीत, कीवी टीम के एक दुर्जेय क्रिकेट पक्ष के रूप में खुद के विकास को रेखांकित करती है। उनकी अनुकूलन क्षमता, सामरिक प्रतिभा और अनुशासित दृष्टिकोण ने उन्हें एक ऐसी टीम बना दिया है जिसका सम्मान किया जाना चाहिए। जैसा कि यह श्रृंखला समाप्त हो गई है, यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, पुनर्मूल्यांकन, पुनर्संतुलन और सुधार की दिशा में निर्णायक कदम उठाने का समय है। आगे की राह में नेतृत्व में रणनीतिक बदलाव, चयन मानदंडों का पुनर्मूल्यांकन और नई प्रतिभाओं को पोषित करने की प्रतिबद्धता शामिल होगी। न्यूजीलैंड के लिए, यह कठिन संघर्ष वाली जीत उनके धैर्य और रणनीतिक कौशल का प्रमाण है। यह याद दिलाता है कि दृढ़ता और अनुकूलनशीलता सबसे चुनौतीपूर्ण वातावरण पर भी विजय प्राप्त कर सकती है। न्यूजीलैंड की जीत को दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में मनाया जाएगा, जो क्रिकेट की दुनिया में एक प्रेरणादायक उपलब्धि है। जबकि भारतीय प्रशंसक तेजी से पुनरुत्थान की उम्मीद कर रहे हैं और न्यूजीलैंड की तर्ज पर भारत की ऑस्ट्रेलिया की धरती पर जीत की उम्मीद कर रहे हैं। साथ ही यह भी सच है कि वल्ड कप और अन्य सीरीज तथा मैचों में हमारे देश की क्रिकेट टीम का प्रदर्शन अब तक बहुत अच्छा भी रहा है। हमारे देश की क्रिकेट टीम दुनिया की नंबर वन टीम भी है। हमारे देश के हर खिलाड़ी का सपना और विश्वास होता है कि वो जीत हासिल करे, लेकिन खेल में हर बार हर खिलाड़ी को सफलता ही मिले, यह भी संभव नहीं। हमें अपनी टीम के शानदार प्रदर्शन को याद रखना चाहिए। अगर किसी मैच में हार भी मिलती है तो हमें अपने खिलाडियों का विरोध नहीं करना चाहिए और न ही हमारी टीम को निराश होना चाहिए, बल्कि टीम को अपनी हार पर मंथन करते हुए अपनी त्रुटियों को दूर करते हुए पूरे जोश के साथ अगले मैच खेलने चाहिएं।

कुछ अलग

बढ़ता दवा निर्यात

प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना का सबसे ज्यादा असर ड्रग्स और फार्मास्युटिकल्स (दवा उद्योग) के निर्यात में देखने को मिला है। अब भारतीय दवाओं का निर्यात पश्चिमी देशों में लगातार बढ़ रहा है। इन देशों में अमेरिका के अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, नीदरलैंड, बेल्जियम, जर्मनी, रूस और यूक्रेन शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका में भी दवाओं का निर्यात बढ़ा है। यूरोप, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीकाई देशों में बड़ी मात्रा में दवाओं का निर्यात होने से इस क्षेत्र में भारत की साख वैश्विक स्तर पर स्थापित हो रही है। 2019-20 में दवाओं का निर्यात 20.68 अरब डॉलर होता था, जो 2023-24 में बढक़र 28 अरब डॉलर हो गया है। इस निर्यात में रेखांकित करने वाली बात है कि चालू वित्त वर्ष के अप्रैल से सितंबर माह के बीच जहां कुल वस्तुओं के निर्यात में सिर्फ एक प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, वहीं दवाओं के निर्यात में 7.99 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। अप्रैल से सितंबर के बीच 14.45 अरब डॉलर की दवाएं निर्यात की जा चुकी हैं। दवा निर्माण करने वाले उद्योगों के पास जो अग्रिम आदेश आ चुके हैं, उनके अनुसार इस वित्तीय वर्ष के अंत तक दवा निर्यात का आंकड़ा 30 अरब डॉलर पार करने की उम्मीद की जा रही है। कोरोना महामारी तक दवा के कच्चे माल और अन्य कई प्रकार की दवाओं की उपलब्धता के लिए भारत एक हद तक आयात पर निर्भर था। इसे भारत सरकार ने एक चुनौती के रूप में लिया और दवा उत्पादन को प्रोत्साहित करने के नजरिए से पीएलआई योजना लाई गई। इस योजना के अंतर्गत दर्जनों कंपनियां प्रोत्साहित हुइं और गुणवत्तापूर्ण दवाओं का उत्पादन करने लग गईं। उत्पादन बढ़ा तो निर्यात की संभावनाएं भी बढने लगीं, जिसका परिणाम अब प्रत्यक्ष देखने को मिल रहा है। तरल नीति बनी तो इन औषधि उद्योगों ने उत्तम गुणवत्ता की दवाएं बनाने के साथ दरें भी अपेक्षाकृत कम रखीं। इस कारण महंगी दवाओं के चलते इलाज न करा पाने वाले दुनिया के करोड़ों गरीब मरीजों के लिए भारत हमदर्द बन गया। भारत ने ब्रांडेड दवाओं के साथ सस्ती जेनेरिक दवाओं का निर्माण करने के साथ पूरी दुनिया में इनका निर्यात भी किया। फार्मा विशेषज्ञ पदोन्नति परिषद के मुताबिक वर्ष 2021-22 में भारत ने 24.47 अरब डॉलर की दवाओं का निर्यात किया था, जिसके 2030 तक 70 अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। वर्तमान में दुनिया के 206 से अधिक देशों में भारत दवाओं का निर्यात करता है। इनमें जेनेरिक दवाएं तो कम हैं, किंतु ब्रांडेड दवाओं का निर्यात ज्यादा होता है। भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आस्ट्रेलिया से जो द्विपक्षीय व्यापार समझौता किया था, उसके तहत भी भारत से दवाओं का निर्यात बढ़ा है। आस्ट्रेलिया को भारत अभी एक वर्ष में 34 करोड़ डॉलर की दवाएं निर्यात करता है, जो एक अरब डॉलर तक पहुंच जाएंगी। यूएई के बाजार से भारतीय दवाएं अफ्रीका के देशों में जाएंगी। दक्षिण अमेरिका के देश भी भारत की सस्ती दवाओं के लिए अपने द्वार खोल रहे हैं। यूक्रेन से लड़ाई के चलते पश्चिमी व नाटो देशों ने रूस को अनेक प्रकार की दवाएं देने पर रोक लगा दी है। इसलिए रूस ने भारत से दवाएं मांगी और भारत ने दवाएं रूस को देने का द्वार खोल दिया। यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और कनाडा के साथ भी ऐसे कारोबारी समझौते हुए हैं, जो भारत की जेनेरिक दवाएं खरीदने लगे हैं। इन दवाओं के निर्यात में कोई कमी न आए, इस दृष्टि से 35 एक्टिव फार्मास्यूटिकल्स इंग्रिडिएंट्स इकाइयों को उत्पादन बढ़ाने की अनुमति दी गई है।

देश दुनिया से

दिवाली उत्सव का स्याह पक्ष

दिवाली का त्योहार संपन्न हो चुका है। अब जगह-जगह से प्रदूषण के कारण दम घुटने जैसी स्थिति की खबरें आनी शुरू हो चुकी हैं। दिवाली के बाद दिल्ली के साथ-साथ देश के अन्य इलाकों में भी प्रदूषण की स्थिति गंभीर हो जाती है। यह दिवाली का स्याह पक्ष है। दिवाली के इस पावन पर्व पर अक्सर विभिन्न विवाद भी सामने आते हैं, खासकर पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को लेकर। इस दिन लोग आतिशबाजी करते हैं और पटाखे जलाते हैं, जिससे प्रदूषण की समस्या खड़ी होती है। पर्यावरणविदों और समाज के कुछ वर्गों का मानना है कि पटाखों से वायु और ध्वनि प्रदूषण होता है, जो मानव और पर्यावरण के लिए हानिकारक है। इस विचार को लेकर कई बार विवाद उत्पन्न होते हैं और दिवाली के इस पवित्र पर्व को पर्यावरण की दृष्टि से नकारात्मक रूप में देखा जाने लगता है। हालांकि यह सत्य है कि पटाखों से कुछ हद तक प्रदूषण होता है, लेकिन इसके बावजूद इस विवाद को लेकर एक पक्ष यह भी कहता है कि प्रदूषण केवल पटाखों से नहीं होता, बल्कि अन्य गतिविधियों से भी होता है। वाहनों का धुआं, कारखानों से निकलने वाला प्रदूषण, औद्योगिक विकास के कारण पेड़ों की कटाई और अन्य मानव जनित क्रियाओं के कारण भी पर्यावरण को हानि पहुंचती है। लेकिन कुछ लोग दीपावली के अवसर पर ही पर्यावरण की चिंता प्रकट करते हैं, जबकि अन्य समय में यह मुद्दा उतनी गंभीरता से नहीं उठाया जाता है। दिवाली का पर्व जब नजदीक आता है, तब अक्सर प्रदूषण को लेकर विशेष रूप से पटाखों पर बहस छिड़ जाती है। कुछ लोग इसे हिंदू धर्म पर आघात के रूप में देखते हैं, क्योंकि अन्य धर्मों के पर्वों या अन्य उत्सवों पर इस प्रकार की बहस नहीं होती है। उदाहरण के लिए, भारत-पाकिस्तान के क्रिकेट मैचों में भी आतिशबाजी की जाती है और जब अन्य समुदाय अपने त्योहार मनाते हैं, तब इस प्रकार के मुद्दे उतनी गंभीरता से नहीं उठाए जाते। प्रदूषण की समस्या को नियंत्रित करना हम सभी का दायित्व है और इसके लिए हर समुदाय और हर व्यक्ति को सहयोग करना चाहिए। परंतु किसी विशेष धार्मिक पर्व पर प्रदूषण के नाम पर केवल उसी समुदाय को निशाना बनाना उचित नहीं है। सभी समुदायों को समान रूप से पर्यावरण की रक्षा के प्रति जागरूक होना चाहिए और एक-दूसरे के पर्वों का सम्मान करना चाहिए। औद्योगिकरण और शहरीकरण के कारण प्रदूषण में लगातार वृद्धि हो रही है। गाडियों से निकलने वाला धुआं, कारखानों से निकलने वाले विषैले पदार्थ, पेड़ों की कटाई और आधुनिक जीवनशैली ने पर्यावरण को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है, लेकिन इसके लिए केवल दिवाली के समय ही जागरूकता की बात करना उचित नहीं है। यदि समाज को वास्तव में प्रदूषण की समस्या से बचाना है तो हर दिन, हर गतिविधि में यह ध्यान देना होगा कि हम कैसे पर्यावरण की सुरक्षा कर सकते हैं। विकास और पर्यावरण की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है और इसके लिए संपूर्ण समाज को मिलकर प्रयास करना चाहिए। वर्तमान समय में जब पर्यावरण की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ रही है, तो हमें भी इसे सकारात्मक दृष्टिकोण से देखना चाहिए और कुछ ऐसे उपाय करने चाहिएं जिससे प्रदूषण कम हो सके। दीपावली पर हम ईको-फ्रेंडली पटाखों का उपयोग कर सकते हैं, जो कम प्रदूषण करते हैं। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक दीयों और मोमबत्तियों के स्थान पर तेल के दीयों का अधिक उपयोग किया जा सकता है, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं होते। इससे दिवाली के पारंपरिक स्वरूप को भी कायम रखा जा सकता है और पर्यावरण को भी सुरक्षित रखा जा सकता है। दिवाली का पर्व हमें एकता और भाईचारे का संदेश देता है। यह पर्व न केवल परिवार और दोस्तों के साथ खुशियां बांटने का है, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करने का भी है। हम इस पर्व पर जरूरतमंदों की सहायता कर सकते हैं और समाज में एकता और प्रेम का संदेश फैला सकते हैं। इसके अलावा दिवाली के अवसर पर पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को माफ कर देना भी इस पर्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमें सिखाता है कि सच्ची खुशी अपने प्रियजनों के साथ समय बिताने में और एक-दूसरे के साथ मिल-जुलकर रहने में है। दिवाली का पर्व अब केवल भारत तक ही सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसे विदेशों में भी बड़ी श्रद्धा और आदर के साथ मनाया जाता है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और कई अन्य देशों में भारतीय समुदाय इस पर्व को धूमधाम से मनाते हैं और वहां के समाज में भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करते हैं। इसके माध्यम से भारतीय संस्कृति का प्रसार भी होता है और विदेशी समाजों में भारतीय परंपराओं के प्रति सम्मान बढ़ता है। इस प्रकार दिवाली न केवल भारत की संस्कृति का हिस्सा है, बल्कि यह एक ऐसा पर्व बन गया है जो विश्वभर में भारतीय संस्कृति की महत्ता को दर्शाता है। दिवाली केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों का प्रतीक है। यह पर्व अच्छाई की जीत, एकता, प्रेम और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक है। हमें इस पर्व के महत्व को समझना चाहिए और इसे मनाने के दौरान पर्यावरण की भी रक्षा करनी चाहिए। साथ ही समाज में इस पर्व के प्रति किसी प्रकार की नकारात्मकता को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। दिवाली का पर्व हमें सिखाता है कि प्रेम, भाईचारा और सकारात्मकता के साथ हर कठिनाई को पार किया जा सकता है। पर्यावरण की रक्षा हर व्यक्ति और समुदाय का दायित्व है, लेकिन यह पर्व हमें यह सिखाता है कि इस जिम्मेदारी का निर्वहन हम सभी को मिल-जुलकर करना चाहिए, न कि किसी विशेष समुदाय को इसके लिए जिम्मेदार ठहराना चाहिए। दिवाली के इस पवित्र अवसर पर हमें समाज में सकारात्मकता और एकता को बढ़ावा देने का प्रयास करना चाहिए ताकि यह पर्व सभी के लिए आनंद और खुशी का प्रतीक बन सके। सीमा के भीतर रहकर पटाखे जलाए जाने चाहिएं।

आप का नजरिया

चुनावी गारंटियां बेनकाब

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि वह चोरी की इजाजत दे सकते हैं, लेकिन मुफ्तखोरी की नहीं।' मौजूदा प्रधानमंत्री मोदी भी कई बार चेता चुके हैं कि मुफ्त की रेवडियां देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत घातक हैं। इन कथनों के बावजूद आज देश में मुफ्तखोरी और गारंटियों की ही राजनीति चल रही है। चुनावों में गारंटियों की खैरात घोषित की जाती है, लेकिन सरकार बनने के बाद बहाने बनाए जाते हैं, कन्नी काट ली जाती है, समीक्षाओं की आड़ ली जाती है, लिहाजा बहुधा गारंटियां लागू नहीं हो पातीं। मुफ्तखोरी या रेवडियों का ही नतीजा है कि देश पर करीब 176 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कर्ज पूंजीगत व्यय और बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी लेना पड़ा होगा! जितना हम पर कर्ज है, उतनी कई देशों की अर्थव्यवस्था भी नहीं होती। देश के सभी राज्य कर्ज में डूबे हैं। यदि कोई 'सरप्लस' में होने का दावा करता है, तो झूठ बोल रहा है। देश की जनता को बेवकूफ बना रहा है। दो मुख्य उदाहरणों के जरिए मुद्दे को समझने की कोशिश करते हैं। भारत सरकार की ओर से 81 करोड़ से अधिक लोगों में 5 किलो मुफ्त अनाज प्रति माह बांटा जा रहा है। यह योजना 2028 के अंत तक चलेगी। कोरोना महामारी के कारण यह योजना शुरू करनी पड़ी थी, लेकिन अब तो कोरोना के प्रभाव समाप्त हो चुके हैं। बाजार खुले हैं। आर्थिक गतिविधियां खूब चल रही हैं। फिर भी इतनी आबादी को सरकार ने मोहताज बनाकर क्यों रखा हुआ है? मुफ्त अनाज पर पांच साल में 11.80 लाख करोड़ रुपए खर्च करने पड़ेंगे। दूसरी प्रमुख योजना है-पीएम किसान सम्मान निधि। इसके तहत किसानों को, हर चार माह में, 2000 रुपए दिए जाते हैं। सालाना 6000 रुपए उनके बैंक खातों में डाल दिए जाते हैं। करीब 8-9 करोड़ किसानों में यह राशि बांटी जाती है। इस पर कुल 60,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाने की बात कही जाती है। बहरहाल केंद्र सरकार की ऐसी 100 से अधिक योजनाएं हैं, जिनमें राशि बैंक खातों में जाती है अथवा सबसिडी के तौर पर दी जाती है। ये योजनाएं रेवडियां हैं या मुफ्तखोरी है अथवा जन-कल्याण की श्रेणी में आती हैं, सरकार को इन्हें अलग-अलग परिभाषित करना चाहिए। एक संदर्भ में लाभार्थी और दूसरे में रेवड़ी कैसे हो सकता है? बिजली, पानी, बस यात्रा, शिक्षा, स्वास्थ्य, कर्जमाफी आदि सभी कुछ मुफ्त कैसे मुहैया कराया जा सकता है? आखिर पैसा तो देश के औसत करदाता का है। ताजा संदर्भ के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े के नैतिक साहस की सराहना करनी चाहिए, जिन्होंने अपनी ही पार्टी की कर्नाटक सरकार को, गारंटियों के मद्देनजर, खरी-खोटी सुनाई और आईना दिखा दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वायदा वह करें, जो बजट के अनुरूप हो और पूरा किया जा सके। यदि गारंटियां 'खटाखट, फटाफट' घोषित की जाती हैं, तो राज्य दिवालिया हो सकता है। सरकार नाकाम हो सकती है। वायदे पूरे नहीं किए गए, तो लोग 10 साल तक कांग्रेस की सरकार नहीं चुनेंगे। मल्लिकार्जुन खडग़े ने परोक्ष रूप से राहुल-प्रियंका गांधी की गारंटियों को खारिज किया है, जो लोकसभा चुनाव के बाद 'खटाखट खटाखट' मिलनी थी। यदि एक परिवार को एक लाख रुपए सालाना 'मुफ्त' में ही मिलना है, तो देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो जाएगी।

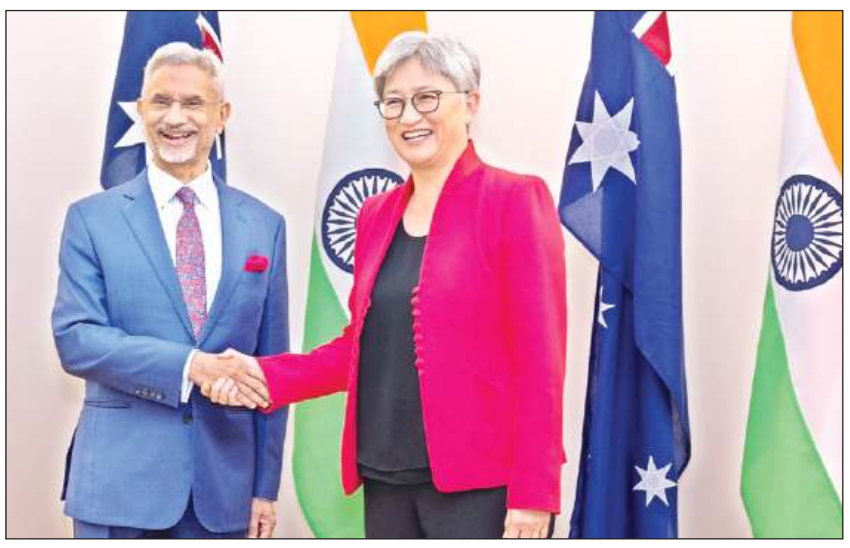

एस जयशंकर की ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग से मुलाकात, कहा-व्यापक रणनीतिक साझेदारी बढ़ रही

कैनबरा, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने यहां अपनी ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष पेनी वोंग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने अपने पड़ोसी देशों, हिंद-प्रशांत, पश्चिम एशिया, यूक्रेन और वैश्विक सामरिक परिदृश्य पर भी चर्चा की। इस अवसर पर जयशंकर ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार बढ़ रही है।

भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर ने अपने एक्स हैंडल पर इस मुलाकात का संक्षिप्त विवरण और फोटो साझा करते हुए लिखा कैनबरा में 15वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता (फॉरेन मिनिस्टर्स फ्रेमवर्ग डायलॉग) का समापन हुआ।

हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी लगातार बढ़ रही है। यह मजबूत राजनीतिक संबंधों, मजबूत रक्षा और सुरक्षा सहयोग, विस्तारित व्यापार, अधिक गतिशीलता और गहन शैक्षिक संबंधों में परिलक्षित होता है।

वोंग ने एक्स पर लिखा, ऑस्ट्रेलिया और भारत की साझेदारी हमारे साझा क्षेत्र की शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। आज, मैंने 15वीं ऑस्ट्रेलिया-भारत विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता के लिए कैनबरा में अपने अच्छे मित्र डॉ. एस. जयशंकर का स्वागत किया। वोंग ने घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया अगले साल 2025 में पहली बार भारत में 'फर्स्ट नेशंस बिजनेस मिशन' भेजेगा। उन्होंने कहा कि दोनों देश विज्ञान, प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, कृषि, शिक्षा, कौशल और पर्यटन सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक दोनों नेता इस बात पर चर्चा करेंगे कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वच्छ ऊर्जा, व्यापार एवं निवेश सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपने सहयोग को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। साथ ही रक्षा तथा समुद्री सुरक्षा भागीदारी को कैसे गहरा किया जा सकता है। दोनों नेता रायसीना डायलॉग के ऑस्ट्रेलियाई संस्करण रायसीना डाउन अंडर में भी हिस्सा लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में वरिष्ठ पत्रकार मोल्ला जलाल गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश फेडरल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (बीएफयूजे) के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार मोल्ला जलाल को गिरफ्तार किया गया है।शाहबाग पुलिस ने उन्हें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा रोकथाम अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है।

शाहबाग थाना प्रभारी मोहम्मद खालिद मंसूर ने मोल्ला जलाल की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मोल्ला जलाल को सोमवार को राजधानी के सेगुनबागीचा इलाके से हिरासत में लिया गया और बाद में जेल भेज दिया गया। जलाल के खिलाफ चार दिन पहले शाहबाग पुलिस स्टेशन में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा रोकथाम अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोपों के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी। मोल्ला जलाल को 13 जुलाई, 2018 को बीएफयूजे का अध्यक्ष चुना गया था।

पाकिस्तान में सुरक्षा गार्ड की गोलीबारी में चीन के दो नागरिक घायल

कराची। पाकिस्तान की आर्थिक राजधानी कराची के औद्योगिक क्षेत्र में मंगलवार को एक सुरक्षा गार्ड की गोलीबारी में चीन के दो नागरिक जख्मी हो गए। इसके बाद गार्ड रफूचक्कर हो गया। सिंध के गृहमंत्री जिया लंजर ने डीआईजी (साउथ) से घटना की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। साथ ही घटना की जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार कराची शहर के औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्टरी में हुई इस वारदात में दो चीनी नागरिक घायल हो गए, जिन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोली चलाने के बाद सुरक्षा गार्ड मौके से फरार हो गया। एसएसपी कराची फैजान अली ने भी चीन के दो नागरिकों को गोली मारने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि घायलों का इलाज लियाकत नेशनल अस्पताल में किया जा रहा है। इनमें एक की हालत गंभीर है। इससे पहले अक्टूबर में कराची एयरपोर्ट के पास हुए एक विस्फोट में चीन के दो इंजीनियर मारे गए थे। पाकिस्तान में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) से जुड़ी परियोजनाओं को आतंकवादी समूह बलूच लिबरेशन आर्मी के विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिकी चुनाव में बाहरी ताकतें कर सकती हैं गड़बड़ी, रखा 84 करोड़ का इनाम

वॉशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर तनाव बढ़ गया है, विशेष रूप से बाहरी शक्तियों के दखल की आशंका के कारण। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने राष्ट्रपति चुनावों में संभावित हस्तक्षेप के खिलाफ चेतावनी दी है, और इस मुद्दे पर जानकारी देने वालों को 10 मिलियन डॉलर (भारतीय करेंसी में लगभग 84 करोड़ रुपये) का इनाम देने की घोषणा की है। अमेरिका को डर है कि राष्ट्रपति चुनाव के दौरान कुछ देशों द्वारा गड़बड़ी फैलाई जा सकती है। इस संदर्भ में, अमेरिकी एजेंसियों ने ईरानी साइबर फर्मों पर आरोप लगाया है कि उन्होंने 2020 के चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया था और अब एक बार फिर ऐसी कोशिश कर सकते हैं। इसी कारण से, जानकारी देने वालों को इनाम की पेशकश की जा रही है। अमेरिकी प्रशासन ने ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कार्पस से जुड़े व्यक्तियों की तस्वीरें जारी की हैं, जिन्होंने 2024 के चुनाव में हस्तक्षेप करने के लिए कई साइबर ऑपरेशंस किए हैं। इसके अलावा, रूस से जुड़े कुछ मीडिया संगठनों के व्यक्तियों की तस्वीरें भी जारी की गई हैं, जो चुनावों को प्रभावित करने के लिए दुष्प्रचार फैला रहे हैं। अमेरिका ने इस संदर्भ में कई पोस्टर जारी किए हैं, जिनमें जानकारी देने वाले को 10 मिलियन डॉलर तक का इनाम देने की बात कही गई है। कुल मिलाकर, यह राशि सौ मिलियन डॉलर तक पहुंच सकती है। यह स्थिति अमेरिका के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है, जहां वह अपनी सुरक्षा और चुनाव प्रणाली को लेकर काफी सतर्क हो गया है। यह कदम इस बात का संकेत है कि अमेरिका अब अपने चुनावों की प्रक्रिया में संभावित खतरे को लेकर गंभीर है, और यह उसके लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बन गई है।

ईरान में सिर न ढककर बाहर निकलने पर महिलाओं को होती है जेल, बेहद सख्त हैं हिजाब की बंदिशें

तेहरान, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

ईरान दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां शरिया कानून के तहत ड्रेस कोड के बेहद सख्त नियम हैं। खासकर महिलाओं के लिए इन नियमों की सख्ती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सिर्फ सिर न ढककर बाहर निकलने के लिए सार्वजनिक रूप से कोड़े या कई साल की जेल तक हो सकती है। दो साल पहले हिजाब से संबंधित ये नियम पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बने, जब ईरान में हिजाब के खिलाफ महिलाओं ने क्रांति कर दी थी। अब एक बार फिर ईरान और हिजाब को लेकर उसकी सख्ती सुर्खियों में है। साथ ही सुर्खियों में है एक नाम अहौ दारयाई, जिसे ईरान के कट्टरपंथी शासन के खिलाफ इंकलाब की आवाज के रूप में देखा जा रहा है, ठीक वैसे ही जैसे दो साल पहले महसा अमीनी को देखा जा रहा था। कई महिलायें कर चुकी हैं हिजाब का विरोध ईरान में हिजाब को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है। एक दशक से अधिक समय से इसे लेकर प्रदर्शन होते रहे हैं जिनमें महिलाओं ने विशेष रूप से हिस्सा लिया है और अहम भूमिका निभाई है। अहौ दारियाई और महसा अमीनी के अलावा मसीह अलीनेजाद, निका शाकर्रामी और हदीस वो नाम हैं जिन्होंने हिजाब विरोधी आंदोलन को आगे बढ़ाया। साल 2022 में हिजाब के खिलाफ होने वाले प्रदर्शन एक बड़ी क्रांति में बदल गए। 13 सितंबर 2022 की दोपहर ईरान के कुर्दिश बहुल इलाके साकेज की रहने वाली महसा अपने छोटे भाई अस्कान से मिले तेहरान आई थी। तेहरान में मौरेलिटी पुलिस की नजरें उस पर पड़ गई। महसा फौरन तलब कर ली गई। उसे गश्त ए इरशाद (मॉरल पुलिस) ने गिरफ्तार कर अपने कस्टडी में ले लिया। महसा के भाई को बताया गया कि उसने हिजाब ढंग से नहीं पहन रखा था। उसका हिजाब पहनने का सलीका सरकारी स्टैंडर्ड के अनुसार नहीं था, और उसके कुछ बाल दिख रहे थे। महसा के भाई को बताया गया कि उसकी बहन को हार्ट अटैक आया है। महसा की गिरफ्तारी के दो घंटे बाद उसे कसरा हॉस्पिटल ले जाया गया। गिरफ्तारी के बाद महसा कोमा में चली गई और तीन दिन बाद पुलिस हिरासत में ही उसकी मौत हो गई। महिला ने किया आंदोलन का नेतृत्व महसा अमीनी की मौत की खबर बाहर आते ही प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और महिलाओं ने एंटी-हिजाब कैंपेन नाम की दीवार खड़ी कर दी।

आतंकी ओसामा के थे 24 बच्चे, किसी ने नहीं अपनाया पिता का रास्ता

वाशिंगटन। ओसामा बिन लादेन की मौत के सालों बाद अब सवाल उठता है कि लादेन के कितने बच्चे हैं और क्या उनमें से कोई अपने पिता के नक्शेकदम पर चल रहा है ओसामा बिन लादेन के पिता एक बड़े व्यापारी थे और उनके 55 बच्चे थे। ओसामा इनमें से एक था। उसने अपनी धार्मिकता को 16 साल की उम्र तक बनाए रखा और 17 साल की उम्र में शादी कर ली थी। इसके बाद उसने चार और शादियां कीं, जिससे उसके कुल 24 बच्चे हुए। 2011 में जब ओसामा मारा गया तो उसकी पत्नियों की उम्र 28 से 62 साल के बीच थी, जबकि बच्चों की उम्र 3 से 35 साल थी। ओसामा ने एबटाबाद में शरण लेने से पहले सूडान में रहकर अपने बच्चों की शिक्षा और विकास पर पूरा ध्यान दिया और उन्हें अच्छी शिक्षा दिलवाई। हालांकि उसने अपने बच्चों के लिए कठोर नियम बनाए थे, जिससे वे परेशान हो गए थे। ओसामा के बच्चों में से कई ने अपने पिता के रास्ते को नहीं अपनाया। ओसामा के सबसे बड़े बेटे ने घर छोड़ दिया और वापस नहीं लौटा। अमेरिका ने ओसामा के तीन बेटों को भी मार दिया। ओसामा की एक बेटी की मौत प्रसव के दौरान हो गई थी। ओसामा की तीन पत्नियां पाकिस्तान में एक साल बाद कैद कर दी गईं, जबकि एक पत्नी और उनके सात बच्चों को ईरान में हिरासत में रखा गया। ओसामा बिन लादेन के कई बच्चे अब भी रहस्यमय परिस्थितियों में हैं। हालांकि उनके बारे में जानकारी सीमित है, लेकिन यह साफ है कि सभी बच्चे अपने पिता आतंकवाद के रास्ते पर नहीं हैं। कुछ बच्चे अपने पिता की गतिविधियों से दूर रहकर सामान्य जीवन जी रहे हैं। ओसामा बिन लादेन के परिवार की कहानी एक जटिल और दुखद है। उसके बच्चे जो आतंकवाद की दुनिया में आ सकते थे लेकिन उन्होंने अलग-अलग रास्ते अपनाए हैं।

माइकल जैक्सन को सुपरस्टार बनाने वाले क्रिंसी जोन्स का निधन

लॉस एंजेलेस, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

माइकल जैक्सन को सुपरस्टार बनाने वाले प्रसिद्ध प्रोड्यूसर क्रिंसी जोन्स का निधन हो गया है। उन्होंने 91 साल की उम्र में अंतिम सांस ली, जिससे हॉलीवुड म्यूजिक इंडस्ट्री को एक बड़ा झटका लगा है। जोन्स और जैक्सन की दोस्ती एक मिसाल के रूप में देखी जाती थी, और उनके साथ मिलकर बनाए गए हिट एल्बम्स, जैसे थ्रीलर और बैड, भी दुनिया भर में लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। जोन्स के करीबी मित्र अर्नोल्ड रॉबिन्सन ने उनकी मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि क्रिंसी जोन्स का निधन रविवार रात को उनके घर पर हुआ। जोन्स के परिवार ने भी उनके निधन के बाद एक भावुक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया, रात भारी लेकिन टूटा हुआ दिल लेकर हमें अपने पिता और भाई क्रिंसी जोन्स के निधन की खबर साझा करनी पड़ी। यह हमारे परिवार के लिए एक अनकही और अपूरणीय क्षति है। हालांकि यह हमारे लिए बहुत दुखद है, हम उनके महान जीवन का जश्न मनाते हैं और जानते हैं कि उनका जैसा कोई दूसरा कभी नहीं होगा।

क्रिंसी जोन्स को उनके योगदान के लिए कुल 28 ग्रैमी अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया, जो म्यूजिक इंडस्ट्री में एक रिकॉर्ड है। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि उनके संगीत और उनके द्वारा किए गए कार्यों को किस तरह से सराहा गया। जहां एक सामान्य कलाकार के लिए अपने करियर में एक या दो ग्रैमी अवॉर्ड प्राप्त करना बड़ी बात होती है, वहीं जोन्स ने इस शानदार उपलब्धि को 28 बार हासिल किया। क्रिंसी जोन्स न केवल अपने काम के लिए मशहूर थे, बल्कि उनकी पर्सनल लाइफ भी सुर्खियों में रही। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, जोन्स ने 80 साल की उम्र में 22 महिलाओं के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे, जो उन्होंने एक इंटरव्यू में खुद स्वीकार किया था। इसके अलावा, कहा जाता है कि उनके पास अब भी 22 गर्लफ्रेंड्स हैं, जिनमें से कई उनकी उम्र से काफी छोटी हैं। इन रिश्तों को लेकर भी कई बार मीडिया में चर्चा होती रही है। क्रिंसी जोन्स का संगीत और उनका प्रभाव हमेशा याद किया जाएगा।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में मदरसा छात्रों की रैली से यातायात व्यवस्था ध्वस्त

ढाका, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सुबह मदरसा छात्रों की रैली से यातायात व्यवस्था ध्वस्त हो गई। ओलामा मशायेख बांग्लादेश के आह्वान पर आहूत इस रैली में विभिन्न जिलों के हजारों छात्र शामिल हुए। यह लोग सुहरावर्दी उद्यान में एकत्र हुए। यह रैली सुबह नौ बजे शुरू हुई। इस रैली की वजह से ढाका विश्वविद्यालय के आसपास यातायात अनियंत्रित हो गया। ढाका एलिवेटेड एक्सप्रेस-वे के निकास रैंप, मोगबाजार, फार्मगेट, नीलखेत, शाहबाग, कारवां बाजार, ककरैल और गुलिस्तान के पास लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। स्थानीय विद्यार्थियों के अनुसार, टीएससी क्षेत्र और राजू स्कल्प्चर के आसपास वह घंटों जाम में फंसे रहे। ढाका यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर सैफुद्दीन अहमद ने कहा विश्वविद्यालय प्रशासन स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश कर रहा है। बड़ी भीड़ को संभालना चुनौतीपूर्ण है। कल रात से परिसर के आसपास वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया गया था। रैली में हिस्सा लेने आए लोग नहीं माने।

सूडान : आरएसएफ और एसएएफ संघर्ष छिड़ने के बाद से 13 पत्रकारों की मौत

पोर्ट सूडान ,05 नवंबर। सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच 5 अप्रैल, 2023 को संघर्ष छिड़ने के बाद से कम से कम 13 पत्रकार मारे गए हैं। सूडानी पत्रकार सिंडिकेट ने यह जानकारी दी है। सिंडिकेट ने एक बयान में कहा, सूडान में युद्ध छिड़ने के बाद से, पत्रकारों के विरुद्ध उल्लंघन अभूतपूर्व तरीके से बढ़ गए हैं, दो महिलाओं सहित 13 पत्रकार मारे गए हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, सिंडिकेट ने कहा कि तीन महिलाओं सहित 11 अन्य पत्रकारों पर शारीरिक हमले किए गए और उन्हें चोटें भी आईं, इसके अलावा यौन उत्पीड़न का एक मामला भी सामने आया।

बयान के अनुसार, कुल 30 पत्रकार, जिनमें 10 महिलाएं हैं, गोलाबारी का शिकार हुए, जिसमें पत्रकारों के 15 रिश्तेदार मारे गए और उनके घरों को भारी नुकसान पहुंचा।

सिंडिकेट ने अपहरण और जबरन हिरासत के 60 मामलों का हवाला दिया, जिनमें नौ महिला पत्रकार भी शामिल थीं। इसके अलावा पत्रकारों के काम में बाधा डालने और उनकी आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने की छह शिकायतें भी शामिल थीं।

बयान के अनुसार, व्यक्तिगत धमकियों के 58 मामले दर्ज किए गए। इनमें 26 में पीड़ित महिला पत्रकार थीं।

शारीरिक हमले और संपत्ति की लूट के 27 मामले दर्ज किए गए, इनमें तीन में पीड़ित महिला पत्रकार थीं।

सिंडिकेट ने कहा, सूडानी पत्रकारों के सामने जो समस्याएं हैं, उसके लिए आंतरिक और बाह्य दोनों स्तर पर संबंधित प्राधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, ताकि हमलावरों को जवाबदेह ठहराया जा सके और उन पत्रकारों को जरूरी सुरक्षा प्रदान की जा सके, जो सच्चाई की रिपोर्ट करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

सिंडिकेट ने संघर्ष में शामिल दोनों पक्षों से उन अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करने की अपील की जो पत्रकारों को नागरिक के रूप में संरक्षण प्रदान करते हैं और उनके कामकाज के दौरान उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

सिंडिकेट ने संबंधित क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पक्षों से प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने, हमलावरों को जवाबदेह ठहराने के कोशिशों का समर्थन करने और सूडानी पत्रकारों को खतरों से बचाने की अपील की, ताकि वे दुनिया को सच्चाई बता सकें।

सूडान में चल रहे संघर्ष ने सैकड़ों पत्रकारों, पुरुषों और महिलाओं को सुरक्षा की तलाश में संघर्ष क्षेत्रों या देश से भागने पर मजबूर कर दिया है।

फरवरी से, खार्तूम के बड़े इलाकों में इंटरनेट और मोबाइल फोन सेवाएं बाधित हैं, जिससे उन क्षेत्रों में पत्रकारों का काम प्रभावित हो रहा है।

आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डाटा प्रोजेक्ट की ओर से 14 अक्टूबर को जारी की गई सिचुएशन रिपोर्ट के अनुसार, इस घातक संघर्ष के परिणामस्वरूप 24,850 से अधिक मौतें हुई हैं।

इंटरनेशनल माइग्रेशन ऑर्गेनाइजेशन की ओर से 29 अक्टूबर को जारी नवीनतम अनुमानों के अनुसार, संघर्ष ने सूडान के अंदर या बाहर 14 मिलियन से अधिक लोगों को विस्थापित किया है।

इजराइल के हमले से तबाह गाजा के मुद्दे पर हमास व फतह करीब आए

गाजा, 05 नवंबर (एजेंसियां)।

इजराइल के हमले से तबाह गाजा के मसले पर आतंकवादी संगठन हमास और फिलिस्तीन का राजनीतिक व सैन्य संगठन फतह करीब आए हैं। हमास ने मिस्र की राजधानी काहिरा में फतह के नेताओं के साथ गाजा से संबंधित मसलों के प्रबंधन के लिए एक समिति बनाने पर चर्चा की।

खबर में यह जानकारी दी गई। खबर के अनुसार, हमास नेता ओसामा हमदान ने एक वीडियो संबोधन में सोमवार में कहा, विभिन्न फिलिस्तीनी गुटों से चर्चा के बाद हमने मिस्र के आह्वान पर फतह के अपने भाइयों के साथ बैठक की। हमदान ने कहा, इस दौरान गाजा में युद्ध और फिलिस्तीनी आम सहमति के आधार पर एकीकृत राष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया गया।

हमास नेता हमदान ने कहा कि फिलिस्तीनी मामलों का प्रबंधन चाहे गाजा में हो या वेस्ट बैंक में, उसे राष्ट्रीय समझौते के माध्यम से निर्धारित किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि यह पहली बार है कि गाजा में युद्ध के बाद की व्यवस्था पर चर्चा के लिए हमास और फतह के बीच बैठक की आधिकारिक घोषणा की गई है। इससे पहले शनिवार को मिस्र के एक सुरक्षा अधिकारी ने कहा था कि फतह और हमास के प्रतिनिधि काहिरा में बातचीत कर रहे हैं।

फतह का मकसद

फतह, अरब फिलिस्तीनियों का राजनीतिक और सैन्य संगठन है। इसकी स्थापना 1950 के दशक के अंत में हुई। इसके माध्यम से यासिर अराफात और खलील अल-वजीर (अबू जिहाद) का उद्देश्य कम तीव्रता वाले गुरिल्ला युद्ध के माध्यम से इजरायल के नियंत्रण से फिलिस्तीन को छीनना था। बाद में अराफात व उनके साथी अब्बास जैसे लोग दूसरे संगठन में चले गए। शुरुआत में इस संगठन को जॉर्डन और लेबनान से सहयोग मिला। 1968 में यह संगठन फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन में मिल गया। फतह वेस्ट बैंक के 40 फीसदी हिस्से पर काबिज रहा है।

हमास का मकसद

आतंकवादी समूह हमास क्रूरता के लिए बदनाम है। यह संगठन इजराइल के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध और फिलिस्तीनी राज्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता दोहराता है। यह समूह इजराइल के साथ कई दौर के हिंसक संघर्ष में शामिल रहा है। हालिया संघर्ष 7 अक्टूबर, 2023 से शुरू हुआ।

हमास को करीब से देखने वाले मानते हैं हमास का दीर्घकालिक लक्ष्य फिलिस्तीन में अकेले राज करना है।

मलेशिया के खिलाफ मैत्री फुटबॉल मैच के लिए 26 संभावित खिलाड़ियों की भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली

भारतीय सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने मंगलवार को हैदराबाद के जीएमसी बालायोगी गाचीबोवली स्टेडियम में 18 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ खेले जाने वाले आगामी फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच के लिए 26 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की।

टीम 11 नवंबर को प्रशिक्षण शिविर के लिए हैदराबाद में एकत्रित होगी। अक्टूबर की शुरुआत में, ब्लू टाइगर्स ने एक दोस्ताना मैच में वियतनाम का सामना किया, जहाँ उन्होंने 1-1 से ड्रॉ के बाद खेल समाप्त किया। वियतनाम के खिलाफ भारत के लिए फारुख चौधरी एकमात्र स्कोरर थे। भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम अपने पिछले 11 मैचों में जीत हासिल करने में विफल रही है। भारत की आखिरी जीत 16 नवंबर, 2023 को फीफा विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत के खिलाफ हुई थी, जब उन्होंने अपने विरोधियों को 1-0 से हराया था।

भारत के मुख्य कोच मनोलो मार्केज़ ने टीम में तीन अनुभवी गोलकीपरों को शामिल किया है। संदेश झिंगन, अनवर अली और राहुल भेके को भी टीम में शामिल किया गया ताकि उनकी बैकलाइन मजबूत हो सके।

भारतीय टीम इस प्रकार है-

गोलकीपर: अमरिंदर सिंह, गुरप्रीत सिंह संधू, विशाल कैथ।

डिफेंडर: आकाश सांगवान, अनवर अली, आशीष राय, चिंगलेनसाना सिंह कोनशाम, हिंगथनमाविया राल्टे, मेहताब सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम, संदेश झिंगन।

मिडफील्डर: अनिरुद्ध थापा, ब्रैंडन फर्नांडिस, जेकसन सिंह थौनाओजम, जितिन एमएस, लालेंगमाविया राल्टे, लिस्टन कोलाको, सुरेश सिंह वांगजाम, विबिन मोहनन।

फॉरवर्ड: एडमंड लालरिंदिका, इरफान यदवाड, फारुख चौधरी, लालियानजुआला चांगटे, मनवीर सिंह, विक्रम प्रताप सिंह।

न्यूज ब्रीफ

मैनचेस्टर यूनाइटेड में जाने से पहले एमोरिम ने कहा- गार्डियोला दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कोच

लिस्बन। स्पोर्टिंग लिस्बन के कोच रूबेन एमोरिम, जो अगले सप्ताह मैनचेस्टर यूनाइटेड का कार्यभार संभालेंगे, ने सोमवार को मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला को विश्व का सर्वश्रेष्ठ कोच बताया। पुर्तगाली खिताब धारक मंगलवार को चैंपियंस लीग में मैनचेस्टर सिटी का सामना करेंगे, जो स्पोर्टिंग के प्रभारी एमोरिम के अंतिम मैच से पहले होगा। एमोरिम ने सोमवार को स्पोर्ट टीवी से कहा, मैनचेस्टर सिटी के पास दुनिया की सबसे अच्छी टीम और दुनिया का सबसे अच्छा कोच है। मैनचेस्टर सिटी ने 2022 में प्रतियोगिता के अंतिम 16 में स्पोर्टिंग को कुल मिलाकर 5-0 से हराया और एमोरिम ने कहा कि तब से एक कोच के रूप में सुधार के बावजूद, उनके और गार्डियोला के बीच अभी भी एक अंतर है। एमोरिम ने कहा, मुझे लगता है कि मैं अब एक बेहतर कोच हूं, दुर्भाग्य से मुझे लगता है कि पेप गार्डियोला भी एक बेहतर कोच बन गए हैं, इसलिए अंतर बना हुआ है। पेप गार्डियोला हम में से कई कोचों के साथ-साथ अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणास्रोत थे। सिटी ने लगातार चार सीज़न प्रीमियर लीग जीती है, रिकॉर्ड 20 बार के इंग्लिश चैंपियन मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आखिरी बार 2013 में इसे जीता था, जब मैनेजरियल महान एलेक्स फर्ग्यूसन शीर्ष पर थे। गार्डियोला ने 2023 में सिटी के साथ चैंपियंस लीग जीती और यूनाइटेड के प्रतिद्वंद्वियों को छह लीग जीत दिलाई। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने स्पोर्टिंग को 11 मिलियन यूरो (12 मिलियन डॉलर) का भुगतान किया ताकि यूरोपीय फुटबॉल में सबसे रोमांचक और उच्च श्रेणी के युवा कोचों में से एक को सुरक्षित किया जा सके।

भारत-दक्षिण अफ्रीका पहला टी20 मुकाबला 8 नवंबर को, सूर्यकुमार होंगे कप्तान

जोहांसबर्ग। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका दौरे पर गयी भारतीय क्रिकेट टीम अपना पहला टी20 मुकाबला 8 नवंबर को खेलेगी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 8 नवंबर से 4 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में भारतीय टीम के कोच वीवीएस लक्ष्मण होंगे। भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज का पहला मैच डरबन में खेला जाएगा इस सीरीज का पहला तीसरा और चौथा टी20 मैच शाम 8.30 बजे (भारतीय समय) से खेला जाएगा। वहीं. दूसरा टी20 मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा इस सीरीज का लाइव प्रसारण स्पोर्ट्स 18 नेटवर्क के चैनलों पर देखा जा सकता है। वहीं मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियो सिनेमा पर भी होगी सीरीज का पहला मैच 8 नवंबर को डरबन में खेला जाएगा जबकि अगले तीन मैच 10, 13 और 15 नवंबर को खेले जाएंगे, भारतीय टीम इस प्रकार है: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा, हार्दिक पंड्या, रमनदीप सिंह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजय कुमार, आवेश खान और यश दयाल।

श्रीकांत बोले, रोहित ले सकते हैं टेस्ट से संन्यास, विराट अभी खेलते रहेंगे

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर के श्रीकांत ने कहा है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा अगर ऑस्ट्रेलिया दौरे में विफल हुए तो वह टेस्ट को अलविदा कह देंगे पर एकदिवसीय खेलते रहेंगे। वहीं विराट कोहली अभी आगे भी टेस्ट और एकदिवसीय प्रारुप में खेलते रहेंगे। श्रीकांत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन पर नाराजगी जतायी है। उन्होंने टीम की कई कमजोरियों को बताया। श्रीकांत ने जहां वाशिंगटन सुंदर की प्रशंसा की, वहीं सीनियर खिलाड़ियों पर जमकर हमला बोला। उन्हें विशेष कर रोहित और विराट के खेल की आलोचना की। उन्होंने भारतीय कप्तान के आउट होने के तरीके पर चिंता जताई. श्रीकांत ने कहा कि रोहित ने जिस तरह से स्लिप पर कैच दिया और फिर पुल करते हुए आउट हुए, वह चिंताजनक है। श्रीकांत ने कहा कि टीम को अब बदलाव की जरुरत है। उन्होंने कहा कि भविष्य को देखते हुए युवा प्रतिभाओं को आगे लाना होगा। साथ ही कहा कि अगर भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो रोहित पर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का दबाव होगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे फिल साल्ट

लंदन

जोस बटलर की इंगिल्श टीम में वापसी के बावजूद फिल साल्ट वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में विकेटकीपिंग करेंगे।

सफेद गेंद के कप्तान बटलर ने अपने पिछले 108 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 106 में विकेटकीपिंग किया है, और केवल दो मैचों में क्षेत्ररक्षण किया है जो दिसंबर 2023 में इंग्लैंड के पिछले कैरेबियाई दौरे के दौरान त्रिनिदाद में हुए थे।

साल्ट ने तीसरे वनडे से पहले बारबाडोस में कहा, मैंने हाल ही में इंग्लैंड के लिए बहुत ज़्यादा कुछ नहीं किया है, लेकिन मुझे विकेटकीपिंग करना अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि मैं टीम को सबसे ज़्यादा योगदान दे सकता हूँ।

साल्ट ने इंग्लैंड के लिए सभी फ़ॉर्मेट में खेले गए 59 मैचों में से 13 में विकेटकीपिंग की है और उन्हें मौजूदा वनडे सीरीज़ में जॉर्डन कॉक्स से आगे विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी दी गई है, जो न्यूज़ीलैंड में होने वाली आगामी सीरीज़ में टेस्ट विकेटकीपर जेमी स्मिथ की जगह लेंगे।

बटलर पिछले कई महीनों से पिंडली में खिंचाव के कारण बाहर हैं। अगर वह सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने के लिए फिट होते, तो साल्ट विकेटकीपिंग करते, क्योंकि बटलर मैदान पर अलग-अलग पोजीशन से कप्तानी करने के लिए प्रयोग करने के लिए उत्सुक हैं।

बटलर रविवार को कैरेबियाई पहुंचे और सोमवार को केंसिंग्टन ओवल में ट्रेनिंग की। वह बुधवार को होने वाले निर्णायक वनडे के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं और शनिवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज से पहले कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे, जो जून में टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड की हार के बाद उनकी पहली उपस्थिति होगी।

एसेक्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज माइकल पेपर, जिन्हें मूल रूप से केवल वनडे टीम के लिए चुना गया था, को टी20 टीम में शामिल किया गया है और वे दौरे के बाकी समय के लिए ग्रुप के साथ रहेंगे।

इस बारे में कि क्या टीम में बनाए रखने का उनका

फैसला दीर्घकालिक है, साल्ट ने कहा, हमने आगे बढ़ने के बारे में कोई बातचीत नहीं की है। मैं इस समय ऐसा करके खुश हूं।

साल्ट ने पहले दो वनडे में 18 और 59 रन बनाए, जिसमें उनके अर्धशतक ने इंग्लैंड को दूसरे एदकिदनी मैच में 329 रन के लक्ष्य का पीछा करने में मदद की।

पहले मैच में इंग्लैंड के 209 रन पर आउट होने के बाद, कप्तान लियाम लिविंगस्टोन ने प्रदर्शन की आलोचना करते हुए कहा था कि टीम को अधिक समझदारी से बल्लेबाजी करने की जरूरत है।

सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ वनडे सीरीज़ साल्ट के लिए पिछले साल दिसंबर में कैरेबियाई दौरे के बाद 50 ओवर के क्रिकेट का पहला अनुभव था। इंग्लैंड की गर्मियों के दौरान वन-डे कप के साथ ही हंड्रेड भी खेला जा रहा है, इसलिए इंग्लैंड की नई व्हाइट-बॉल पीढ़ी के कई खिलाड़ियों को लिस्ट ए का बहुत कम अनुभव है।

साल्ट ने आवश्यक गति के साथ फिर से तालमेल बिठाने की कठिनाई के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस टीम में ऐसे कई खिलाड़ी हैं जिनके बारे में आप यह कह सकें कि %ओह, वे अभी बहुत बढ़िया काम कर रहे हैं%। यह इसकी सच्चाई है क्योंकि हमने 50 ओवरों का बहुत ज़्यादा क्रिकेट नहीं खेला है। मुझे घरेलू 50 ओवरों की प्रतियोगिता जैसी कोई चीज़ पसंद आएगी। मुझे उसमें खेलने का मौक़ा पसंद आएगा ताकि आप लय हासिल कर सकें और यह हमेशा रुक-रुक कर नहीं हो। लेकिन हमारे पास यही है। एक खिलाड़ी के तौर पर आपको खुद को ढालना होगा।

वालेंसिया में बाढ़ के बाद फुटबॉल बंद हो जाना चाहिए : रियल मैड्रिड कोच एंसेलोटी

मैड्रिड

रियल मैड्रिड ने चैंपियंस लीग में एसी मिलान के खिलाफ ताजा मुकाबले में जीत दर्ज की। बाढ़ के कारण वालेंसिया के खिलाफ उनका सप्ताहांत का मैच स्थगित हो गया था। वालेंसिया क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हालांकि कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को स्वीकार किया कि वह मंगलवार के मैच को भी स्थगित देखना चाहते हैं।

अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में, एंसेलोटी, जिन्होंने एसी मिलान को भी कोचिंग दी है, ने वालेंसिया बाढ़ के बारे में बात की और संकेत दिया कि वह मंगलवार के मैच को भी स्थगित करना पसंद करेंगे।

एंसेलोटी ने कहा, फुटबॉल एक उत्सव है, और जब सब कुछ ठीक हो, जब आपका परिवार ठीक हो और सब कुछ ठीक हो, तो आप जश्न मना सकते हैं और पार्टी कर सकते हैं। जब लोग ठीक नहीं हैं, तो आपको जश्न नहीं मनाना चाहिए।

एंसेलोटी ने कहा कि एक कहावत है, शो चलता रहना चाहिए हालांकि ऐसा नहीं है और फुटबॉल बंद हो जाना चाहिए।

रियल मैड्रिड को पिछले सप्ताह खेले गए कोपा डेल रे नॉकआउट प्रतियोगिता के पहले दौर से भी छूट दी गई है, इसका मतलब है कि यह कार्लो एंसेलोटी की टीम का 26 अक्टूबर को क्लासिको में एफसी बार्सिलोना से घरेलू मैदान पर 4-0 की हार के बाद पहला गेम होगा।

यह क्लब द्वारा बैलन डीओर के समारोह का बहिष्कार करने के बाद पहला मैच भी है, क्योंकि उसे पता चला था कि विनीसियस जूनियर को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार नहीं मिलने वाला है, बल्कि यह पुरस्कार मैनचेस्टर सिटी के रोड्रिगो हर्नांडेज़ को मिलने वाला है।

एंसेलोटी पिछले सप्ताह अपने खिलाड़ियों के साथ काम करने में सफल रहे हैं और वर्तमान में केवल लंबे समय से चोटिल डेविड अलाबा और दानी कार्वाजल ही उपलब्ध नहीं हैं।

उनकी टीम ने अब तक अपने तीन चैंपियंस लीग खेलों में से दो में जीत और एक में हार का सामना किया है, हालांकि उन्हें अपने पिछले यूरोपीय खेल में बोरूसिया डॉर्टमुंड के खिलाफ़ घरेलू मैदान पर एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था, जिसमें वे 2-0 से पीछे थे, लेकिन विनीसियस की हैट्रिक ने उन्हें 5-2 से जीत दिलाने में मदद की।

शाकिब अल हसन की गेंदबाजी पर उठे सवाल, संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए किया गया रिपोर्ट

नई दिल्ली

अपने करियर के अंतिम दौर में चल रहे बांग्लादेशी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन मुसीबतों में फंसते नजर आ रहे हैं और इस बार अपनी गेंदबाजी के कारण। काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए एकमात्र मैच के दौरान शाकिब की संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए अंपायरों द्वारा रिपोर्ट की गई है।

शाकिब को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा अपने गेंदबाजी एक्शन का विश्लेषण करवाने के लिए कहा गया था।

शाकिब ने सितंबर में टॉन्टन में समरसेट के खिलाफ एक रोमांचक चैंपियनशिप मुकाबले में सरे के लिए ने 63 से ज़्यादा ओवर फेंके और नौ विकेट चटकाए। अब पता चला है कि ऑन-फील्ड अंपायर स्टीव ओ%शॉघनेसी और डेविड मिल्न्स ने बाद में उनके गेंदबाजी एक्शन को संदिग्ध माना।

2010-11 में वॉर्सेस्टरशायर के साथ एक संक्षिप्त कार्यकाल के बाद शाकिब की यह प्रतियोगिता में पहली उपस्थिति थी, उन्होंने इंग्लैंड की ड्यूटी पर आठ खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के कारण कुछ समय के लिए सरे के लिए खेलने का फैसला किया था।

यह समझा जाता है कि शाकिब को खेलने से निलंबित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें अगले

कुछ हफ्तों के भीतर एक स्वीकृत स्थान पर आगे के परीक्षणों से गुजरना होगा। यह शाकिब के लिए एक बड़ा आश्चर्य है, जिनकी गेंदबाजी उनके 17 साल से अधिक के करियर के दौरान कभी भी जांच के दायरे में नहीं आई, जिसमें उन्होंने 447 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 712 विकेट लिए।

सोमवार को जब इस मामले पर बीसीबी के एक अधिकारी का ध्यान आकर्षित किया गया तो उन्होंने कहा, इस मामले (शाकिब के संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन) का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट या अन्य देशों में घरेलू क्रिकेट से कोई संबंध नहीं है। यह मामला ईसीबी के अधिकार क्षेत्र में है और आईसीसी या अन्य बोर्ड से संबंधित नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर शाकिब इंग्लैंड में घरेलू क्रिकेट खेलना चाहते हैं तो उन्हें टेस्ट खेलना होगा।

प्राइम टेबल टेनिस लीग के तीसरे सत्र की मेजबानी करेगा इंदौर

इंदौर

महाराष्ट्र में दो सत्रों की जबरदस्त सफलता के बाद, प्राइम टेबल टेनिस लीग (पीटीटी) का आयोजन मध्य प्रदेश मध्य टेबल टेनिस एसोसिएशन के सहयोग से इंदौर में किया जाएगा।

आगामी लीग 13 दिसंबर से 15 दिसंबर तक इंदौर के प्रतिष्ठित अभय प्रशाल क्लब में आयोजित की जाएगी। रविवार को आयोजित हालिया खिलाड़ी नीलामी में आठ टीमों क्लिपर्स, निंजा, सेंसेशन, स्पार्टन्स, थंडरबोल्ट, योद्धा, लायन वॉरियर और किंग पोंग ने बोली लगाई। नीलामी में 56 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों, 8 समर्पित कोचों और 8 कुशल प्रबंधकों की सूची प्रदर्शित की गई। प्रत्येक टीम ने सात खिलाड़ियों का चयन किया है, जिसमें 11 से 60 वर्ष की आयु के प्रतिभागी शामिल हैं, जिससे एक समावेशी और विविधतापूर्ण प्रतियोगिता सुनिश्चित होती है।

इस सीज़न के लिए सबसे प्रतिस्पर्धी रोस्टर बनाने के लिए

उत्सुक टीमों द्वारा विभिन्न श्रेणियों में हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को खरीदा गया। उल्लेखनीय खिलाड़ियों में रूकी बॉय अनुज सोनी शामिल हैं जो लॉयन वॉरियर में शामिल हुए, मार्की महिला अनुषा कुटुम्बले क्लिपर्स में शामिल हुईं, और मार्की पुरुष पंकज कुमार विश्वकर्मा भी क्लिपर्स में शामिल हुए। इसके अलावा, सेंसेशन ने हिमानी चतुर्वेदी को मार्की महिला खिलाड़ी के रूप में सुरक्षित किया, जिससे उनकी लाइनअप में मजबूती आई।

प्राइम टेबल टेनिस के सीईओ अभिषेक जैन ने पीटीटी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा, हम पहली बार मध्य प्रदेश में प्राइम टेबल टेनिस लीग लाने को लेकर रोमांचित हैं। खिलाड़ियों की नीलामी को लेकर उत्साह और देश भर से प्रतिभाओं की मजबूत लाइनअप भारत में टेबल टेनिस के लिए बढ़ते उत्साह को दर्शाती है। हम इंदौर में एक अविश्वसनीय सीज़न की उम्मीद करते हैं, जो हमें विश्वास है कि खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए एक यादगार अनुभव होगा।

इस सीज़न के ड्राफ्ट में शीर्ष छह स्टार खिलाड़ियों में शिवम सोलंकी, अनुषा कुटुम्बले, अद्विका अग्रवाल, परमी पंकज नागदेवे, वंश चौहान और मृदुल जोशी जैसे असाधारण प्रतिभाएं शामिल हैं।

डब्ल्यूटीए फाइनल्सः शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका सेमीफाइनल में पहुंची

नई दिल्ली

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने सोमवार को चौथी वरीयता प्राप्त इतालवी खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी को 6-3, 7-5 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही वह पर्पल राउंड-रॉबिन ग्रुप में अपराजित रहीं।

26 वर्षीय खिलाड़ी साल के अंत में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने के कगार पर है। बुधवार को अंतिम ग्रुप मैच में एलेना रयबाकिना पर जीत या अपनी प्रतिद्वंद्वी पोलैंड की इगा स्वियाटेक से हार, बेलारूसी खिलाड़ी के लिए साल के अंत में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर देगी।

सबालेंका की जीत और चीनी खिलाड़ी झेंग किनवेन की रयबाकिना पर पहले 7-6(4), 3-6, 6-1 की जीत ने सुनिश्चित किया कि शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बुधवार को अपने अंतिम परिणाम के बावजूद अपने समूह में पहले स्थान पर रहेगी, जिससे वह अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएंगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन और यू.एस. ओपन चैंपियन सबालेंका ने रियाद में सातवीं वरीयता प्राप्त झेंग के खिलाफ अपना पहला मैच भी जीता। चीनी खिलाड़ी और पाओलिनी, जिनका रिकॉर्ड 1-1 है, दोनों सेमीफाइनल के लिए दावेदारी में हैं और बुधवार को उनका आमना-सामना होगा।

स्वियाटेक एकमात्र खिलाड़ी हैं जो सबालेंका से आगे निकल सकती हैं। मंगलवार को कोको गॉफ से खेलने वाली 23 वर्षीय खिलाड़ी को अपना

खिताब बनाए रखना होगा और उम्मीद करनी होगी कि सबालेंका अपने शेष मैच हार जाएं, ताकि साल के अंत में नंबर एक स्थान हासिल कर सकें।

सबालेंका ने अपनी जीत के बाद कहा, मुझे खुद पर गर्व है। सिर्फ़ खुद पर नहीं, बल्कि मेरी टीम पर भी। हम कई चीज़ों पर काबू पाने में सफल रहे। इतना बढ़िया टेनिस दिखाने और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनना, टीम वर्क है। यह सिर्फ़ मैं ही नहीं कर सकती। कोई भी पर्दे के पीछे के काम को नहीं देखता। लेकिन वे मेरे लिए बहुत कुछ करते हैं। वे मेरे लिए जो कुछ भी करते हैं, उसके लिए मैं उनकी सराहना करती हूं। यह मेरे लिए इस कोर्ट पर जीतते रहने की प्रेरणा है। वे खिलाड़ी अब तक की सर्वश्रेष्ठ टीम कहलाने के हकदार हैं।

सबालेंका 2013-2014 में सेरेना विलियम्स के बाद से लगातार दो बार डब्ल्यूटीए फाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी के रूप में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी हैं।

22 वर्षीय झेंग ने 25 वर्षीय कजाख खिलाड़ी रयबाकिना के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत दर्ज की। उन्होंने सबालेंका से मिली हार से उबरते हुए 1972 के बाद से फाइनल्स में मैच जीतने वाली ली ना के बाद दूसरी चीनी खिलाड़ी बन गईं।

रियाद में फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण पहुंची रयबाकिना को दूसरी बार हार का सामना करना पड़ा।

झेंग ने कहा, मैं यह मैच जीतकर बहुत खुश हूं, क्योंकि मैंने उसे पहले कभी नहीं हराया था और वह इस समय टूर पर सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक है। भले ही दूसरे सेट में मेरे पास मौका था और मैंने उसे भुनाया नहीं, लेकिन मैं खुश हूं कि मैंने तीसरे सेट में वापसी की और अपना ध्यान केंद्रित रखा।

भारत आटा और भारत चावल की खुदरा बिक्री का दूसरा चरण लॉन्च किया गया

नई दिल्ली,05 नवंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को यहां भारत आटा और भारत चावल की खुदरा बिक्री के दूसरे चरण की शुरुआत की है। जोशी ने राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और केंद्रीय भंडार की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर केंद्रीय उपभोक्ता राज्य मंत्री बीएल वर्मा उपस्थिति थे।

अब उपभोक्ताओं को 30 रुपये भारत आटा और 34 रुपये प्रति किलो मिलेगा चावल

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दूसरे चरण के दौरान उपभोक्ताओं को रियायती कीमत पर 30 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर भारत आटा और 34 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर भारत चावल उपलब्ध कराया जाएगा। जोशी ने बताया कि दूसरे फेज के शुरुआती चरण में खुदरा बिक्री के लिए 3.69 लाख मीट्रिक टन गेहूं और 2.91 लाख मीट्रिक टन चावल उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल उपभोक्ताओं को रियायती कीमतों पर आवश्यक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की दिशा में भारत सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि है। कार्यक्रम के दौरान मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए जोशी ने कहा कि यह पहल उपभोक्ताओं को रियायती कीमतों पर आवश्यक खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि है।

उन्होंने कहा कि चावल, आटा और दाल जैसे बुनियादी खाद्य पदार्थों की भारत ब्रांड के तहत खुदरा बिक्री के माध्यम से प्रत्यक्ष हस्तक्षेप ने स्थिर मूल्य व्यवस्था बनाए रखने में मदद की है। जोशी ने कहा कि भारत आटा और भारत चावल की खुदरा बिक्री के पहले चरण के दौरान करीब 15.20 लाख मीट्रिक टन भारत आटा और 14.58 लाख मीट्रिक टन भारत चावल सामान्य उपभोक्ताओं को सब्सिडी दरों पर उपलब्ध कराया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अलग ईसाई देश...

लालदूहोमा के बयान से साफ है कि उन्हें ईसाई समुदाय का तीन अलग-अलग देशों में अलग-अलग देशों में रहना पसंद नहीं है और वह इन तीनों क्षेत्रों को एक करने के लिए एक रास्ता तलाशना चाहते हैं।इसी बयान में लालदूहोमा ने कहा, मैं चाहता हूं कि हम यह दृढ़ विश्वास और इच्छाशक्ति रखें कि एक दिन, ईश्वर की कृपा से, जिसने हमें एक देश बनाया है, उसी के नेतृत्व में हम एक देश बन कर उठेंगे और अपना लक्ष्य हासिल कर लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कोई एक देश सीमाओं के तौर पर बंटा भी हुआ हो सकता है। लालदूहोमा की इस बात से साफ है कि वह एक ऐसे देश की बात कर रहे हैं जिसमें यह तीनों जगह के लोग शामिल हों लेकिन एकदम अलग होगा और यह ईश्वर की कृपा से बनेगा। लालदूहोमा यह बयान तब दे रहे हैं जब वह स्वयं भारतीय गणराज्य के अंतर्गत एक संवैधानिक पद पर हैं और उन्होंने देश की एकता और अखंडता को लेकर शपथ ली है।

जिस तरह की बात लालदुहोमा कर रहे हैं, इसी से सम्बन्धित बात बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना कह चुकी हैं। शेख हसीना ने बांग्लादेश में तख्तापलट से पहले मई 2024 में शेख हसीना ने कहा था कि गोरी चमड़ी वाले देश बांग्लादेश और म्यांमार के एक हिस्से को तोड़ कर ईसाई देश बनाना चाहते हैं। उन्होंने तब भारत का नाम नहीं लिया था लेकिन साफ था कि यह देश भी उसी तर्ज पर बनता, जिसकी दुहाई लालदुहोमा ने दी है। लालदुहोमा का भी कहना है कि ईसाईयों को उत्तर पूर्व में एक होना होगा और ईश्वर ने चाहा तो उनका एक देश का सपना जरूर पूरा होगा। शेख हसीना ने यह भी कहा था कि अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देश उनके चुनाव और सरकार में इसलिए अड़ंगा लगा रहे हैं क्योंकि वह बंगाल की खाड़ी में एक बेस चाहते हैं। हसीना ने कहा था कि इस ईसाई मुल्क में चट्टोगाम भी शामिल होगा, जो खाड़ी का एक प्रमुख बंदरगाह है। उन्होंने कहा था कि एक गोरी चमड़ी वाले आदमी ने उनको यह सारे ऑफर दिए थे। इसी के कुछ दिनों के बाद शेख हसीना की सत्ता चली गई थी। उन्हें आनन फानन में अपना देश छोड़ कर निकलना पड़ा था। वर्तमान में वह भारत में शरण लेकर रह रही हैं। लेकिन उनके द्वारा जताई गई चिंता एक बार फिर मिजोरम के मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए बयान के रूप सामने आई है।भारत के उत्तर पूर्व में एक ईसाई देश बनाने की यह बात कोई नई नहीं है। शेख हसीना ने मई में इसको लेकर अपने नेताओं से भी चिंता जताई थी। स्वराज्य की एक रिपोर्ट के मुताबिक, शेख हसीना ने आवामी लीग के नेताओं से बताया था कि जोगम नाम का एक देश बनाने की साजिश चल रही है। शेख हसीना ने बताया था कि इस देश में म्यांमार के सागाइंग डिवीजन और चिन राज्य का बड़ा हिस्सा, भारत का मिजोरम और मणिपुर के कुकी बहुल इलाके और बांग्लादेश के चटगांव डिवीजन के बंदरबन जिले और आसपास के क्षेत्र शामिल होंगे।भारत के भीतर भी मिजोरम में सत्तारूढ़ जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम), विपक्षी मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) और साथ ही कांग्रेस पार्टी की राज्य इकाई मिजोरम स्थित जेडआरओ द्वारा की गई एकीकरण की मांग का समर्थन करती है, इसका मुख्य उद्देश्य तीनों देशों में सभी जो-आबादी वाले क्षेत्रों का एकीकरण करना है। बताया गया है कि चर्च और विशेष रूप से अमेरिका स्थित बैपटिस्ट चर्च इस जो-एकीकरण की मांग को बढ़ावा दे रहा है। इन चर्च के अमेरिका की सीआईए से घनिष्ठ संबंध होने की सूचना है।

मणिपुर में हिंसा में बड़ा रोल निभाने वाले कुकी लड़ाके भी धार्मिक आधार जो लोगों के साथ जुड़े हैं। कुकी वर्तमान में म्यांमार के भीतर बड़ा इलाका नियंत्रित करते हैं। मणिपुर में हिंसा फैलाने में म्यांमार से आने वाले घुसपैठियों का बड़ा हाथ रहा है। यह कुकी भी उस कुकी-चिन-जो समुदाय का हिस्सा हैं, जिसका एक वर्ग अलग ईसाई देश चाहता है। मिजोरम की लगभग 90 प्रतिशत जनसंख्या ईसाई है। मिशनरियों ने यहां लम्बे समय तक ईसाईयत का प्रचार किया जिससे राज्य की अधिकांश जनता ईसाई हो गई। मिजोरम के अलावा नागालैंड और मेघालय भी ईसाईयत की बहुलता वाले राज्य हैं। मिजो लोगों का फैलाव सीमाओं के पार भी है, ऐसे में इनके एकीकरण के साथ ही एक देश बनाने की बातें भी उठती रही हैं। मुख्यमंत्री लालदूहोमा का बयान यही संकेत देता है।

निजी सम्पत्ति...

क्योंकि वह भौतिक आवश्यकताओं की शर्त को पूरा करता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अनुच्छेद 39(बी) के अंतर्गत आने वाले संसाधन के बारे में जांच विवाद-विशिष्ट होनी चाहिए और संसाधन की प्रकृति, विशेषताओं, समुदाय की भलाई पर संसाधन के प्रभाव, संसाधन की कमी और निजी प्लेयर्स के हाथों में ऐसे संसाधन के केंद्रित होने के परिणामों जैसे कारकों की एक संपूर्ण सूची होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा विकसित सार्वजनिक ट्रस्ट सिद्धांत भी उन संसाधनों की पहचान करने में मदद कर सकता है, जो समुदाय के भौतिक संसाधन के दायरे में आते हैं।

फैसला पढ़ते हुए जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि उन्होंने कुछ मुद्दों पर सीजेआई के नेतृत्व वाले बहुमत से सहमति जताई थी और जस्टिस धूलिया के फैसले के जवाब में कुछ राय लिखी। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, निजी स्वामित्व वाले भौतिक संसाधनों का स्वामित्व और नियंत्रण वाले संसाधनों को सामुदायिक संसाधनों में किस तरह बदला जाए, जिससे आम लोगों की भलाई के लिए सर्वोत्तम तरीके से किया जा सके, यही मेरे फैसले का सार है। फैसले पर असहमति जताते हुए जस्टिस धूलिया ने कहा कि भौतिक संसाधनों को कैसे नियंत्रित एवं वितरित किया जाए, यह देखना संसद का विशेषाधिकार है। यहां उल्लेखनीय है कि 9 सदस्यीय संविधान पीठ ने 2 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

इस मामले में मुख्य याचिका मुंबई स्थित सम्पत्ति स्वामियों के संघ (पीओए) द्वारा 1992 में दाखिल की गई थी। पीओए ने महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) अधिनियम के अध्याय 8-ए का विरोध किया था। यह कानून सरकार को उन भवनों और जमीन, जिस पर वे निर्मित हैं, उसे अधिग्रहित करने का अधिकार देता है, यदि उसमें रहने वाले 70 प्रतिशत लोग जीर्णोद्धार के लिए ऐसा अनुरोध करते हैं। अध्याय 8-ए में सरकार को संबंधित परिसर के लिए मासिक किराए के सौ गुना के बराबर दर पर भुगतान की आवश्यकता होती है। अधिनियम की धारा 1-ए में कहा गया है कि इसे संविधान के अनुच्छेद 39(बी) को लागू करने के लिए बनाया गया है। अधिनियम की धारा 1-ए को 1986 के संशोधन के माध्यम से शामिल किया गया है। इसमें पूरा संदर्भ संविधान के अनुच्छेद 39(बी) की व्याख्या से संबंधित था।

कर्नाटक राज्य बनाम रंगनाथ रेड्डी एवं अन्य (1978) में दो निर्णय दिए गए थे। न्यायमूर्ति कृष्ण अय्यर द्वारा दिए गए निर्णय में कहा गया था कि समुदाय के भौतिक संसाधनों में सभी संसाधन शामिल हैं - प्राकृतिक और मानव निर्मित, सार्वजनिक और निजी स्वामित्व वाले। न्यायमूर्ति ऊंटवालिया द्वारा दिए गए दूसरे निर्णय में अनुच्छेद 39(बी) के संबंध में कोई राय व्यक्त करना आवश्यक नहीं समझा गया। हालांकि, निर्णय में कहा गया कि अधिकांश जज न्यायमूर्ति अय्यर द्वारा अनुच्छेद 39(बी) के संबंध में लिए गए दृष्टिकोण से सहमत नहीं हैं। न्यायमूर्ति अय्यर द्वारा लिए गए दृष्टिकोण की पुष्टि संजीव कोक मैन्युफैक्चरिंग बनाम भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (1982) के मामले में संविधान पीठ ने की थी। मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड बनाम भारत संघ के मामले में एक निर्णय द्वारा भी इसकी पुष्टि की गई थी।

वर्तमान मामले में सात न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि अनुच्छेद 39(बी) की इस व्याख्या पर इसे नौ जजों की पीठ के पास पुनर्विचार किए भेज दिया। पीठ ने कहा- हमें इस व्यापक दृष्टिकोण को साझा करने में कुछ कठिनाई है कि अनुच्छेद 39(बी) के तहत समुदाय के भौतिक संसाधन निजी स्वामित्व वाली चीज़ों को कवर करते हैं। तदनुसार, मामले को 2002 में नौ न्यायाधीशों की पीठ को भेजा गया था।अपीलकर्ताओं का तर्क यह था कि अनुच्छेद 39(बी) के तहत भौतिक संसाधन शब्द की व्याख्या किसी भी ऐसे संसाधन के रूप में की जानी चाहिए जो समुदाय की व्यापक भलाई के लिए वस्तुओं या सेवाओं के माध्यम से धन पैदा करने में सक्षम हो। यदि कानून का उद्देश्य भौतिक संसाधनों के अर्थ में निजी संसाधनों को शामिल करना था तो मसौदा तैयार करने वाले ने भविष्य में किसी भी संभावित गलत व्याख्या से बचने के लिए ऐसा किया होता।

वहीं, भारत सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि अनुच्छेद 39(बी) की व्याख्या निरंतर विस्तारित हो रहे संवैधानिक सिद्धांतों के दृष्टिकोण से होनी चाहिए, न कि किसी विचारधारा से। संसाधन को समझने के संदर्भ में केंद्र सरकार ने आग्रह किया कि यह समुदाय की गतिशील क्रिया है, जो भौतिक संसाधन के अर्थ को आकार देती हैं। केंद्र ने कहा कि एक समुदाय में अलग-अलग व्यक्तियों के बीच अलग-अलग अंतःक्रियाएं और व्यापारिक लेन-देन होते हैं। यह एक समुदाय की कुल सम्पत्ति का योग बनाता है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपने आर्थिक अंतःक्रियाओं के माध्यम से योगदान देता है। इस प्रकार अनुच्छेद 39बी के तहत संसाधन का अर्थ एक सामान्य आर्थिक आधार है।

इससे संबंधित याचिकाएं सबसे पहले 1992 में आई थीं। इसके बाद साल 2002 में इसे नौ जजों की पीठ के पास भेज दिया गया था। लगभग 22 साल बाद इस पर फैसला आया है। इसमें तय किया जाने वाला मुख्य प्रश्न यह है कि क्या अनुच्छेद 39(बी) (राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में से एक) में कही गई बातों को लेकर है। राज्य के नीति निर्देश सिद्धांतों से जुड़ी संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) में कहा गया है कि सरकार को सामुदायिक संसाधनों को सामान्य हित यानी सार्वजनिक हित के लिए निष्पक्ष रूप से साझा करने के लिए नीतियां बनानी चाहिए। इसमें इस पर सवाल था कि समुदाय के भौतिक संसाधन में निजी स्वामित्व वाले संसाधन शामिल हैं और क्या सरकार किसी भी निजी सम्पत्ति को सार्वजनिक हित के नाम पर ले सकती है? अनुच्छेद 39(बी) में इस प्रकार लिखा है: राज्य, विशेष रूप से, अपनी नीति को इस प्रकार निर्देशित करेगा कि समुदाय के भौतिक संसाधनों का स्वामित्व और नियंत्रण इस प्रकार वितरित किया जाए कि यह सामान्य भलाई के लिए सर्वोत्तम हो।इससे पहले इस मामले में पीठ ने 1 मई 2024 को सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। पिछली सुनवाई में, शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की थी कि किसी व्यक्ति की हर प्राइवेट प्रॉपर्टी को समुदाय के भौतिक संसाधन के हिस्से के रूप में मानना दूर की बात होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इससे निवेशक भी डर जाएंगे। अदालत की यह टिप्पणी तब आई जब वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने दलील दी कि विभिन्न संविधान पीठों द्वारा दिए गए 16 फैसलों में लगातार मैटेरियल रिसोर्स की व्याख्या प्राइवेट प्रॉपर्टी और प्राइवेट रिसोर्स को शामिल करने के लिए की गई है।

जजों पर...

डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरे एक नितांत निजी कार्यक्रम के लिए मेरे घर आए, यह कोई सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं था। मुझे लगता है कि आप जानते हैं इसमें कुछ भी गलत नहीं था, इसका सीधा सा कारण यह है कि ये न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच, यहां तक कि सामाजिक स्तर पर भी सामान्य मीटिंग हैं।

एक रहिए...

अपील करते हुए कहा कि भाजपा लाओ और एक रहो और नेक रहो। देश का इतिहास इसका गवाह है, जब भी हमें जाति, क्षेत्र या भाषा के नाम पर बांटा गया है, हमें बेरहमी से काटा भी गया है। हम यह दोहराते हैं, जाति के नाम पर मत बांटो। जो लोग हमें बांट रहे हैं, वे देश के साथ गद्दारी कर रहे हैं। उनके लिए देश उनके एजेंडे का हिस्सा नहीं है, वे वो सब कुछ करेंगे जो भारत के खिलाफ है। यह बंटने का समय नहीं है। यह पीएम मोदी की मानसिकता के अनुसार काम करने का समय है।

झारखंड के कोडरमा में आयोजित एक अन्य रैली में योगी आदित्यनाथ ने लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा, देश की सुरक्षा, रोजगार, स्वाभिमान, महिला सशक्तिकरण की गारंटी है। भाजपा विकास और विरासत के बीच समन्वय की गारंटी है। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में अयोध्या में दीपोत्सव हो रहा है। 500 वर्षों के बाद ऐसा हो रहा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये चुनाव उन लोगों को जवाब देने का मौका है, जिन्होंने राज्य के लोगों को धोखा दिया। देश के लोगों ने कांग्रेस के शासन का मौका दिया था, लेकिन उन्होंने कोई योजना ईमानदारी से नहीं चलाई। प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया। कानून व्यवस्था के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि माफिया का इलाज भाजपा ही कर सकती है। उत्तर प्रदेश में पहले माफिया गुंडों का डर था, लेकिन जब से राज्य में बुलडोजर घूमना शुरू हुआ है, तब से हर अपराधी संत बन गया है या फिर उसका सफाया कर दिया गया।

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने झारखंड विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान राज्य की हेमंत सोरेन सरकार के एक पूर्व मंत्री की तुलना मुगल शासक औरंगजेब से की है। झारखंड के कोडरमा इलाके में मंगलवार को आयोजित चुनावी रैली में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक आलमगीर आलम औरंगजेब था जिसने हमारे देश को लूटा था और मंदिरों को तोड़ा था और एक झारखंड की सरकार में मंत्री आलमगीर आलम थे जिसने यहां के गरीबों को लूटा है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आलमगीर आलम और उसके रिश्तेदारों के घर से बड़ी मात्रा में नोटों की गड्डियां मिली थी। झारखंड के विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। पहले चरण का मतदान 13 और दूसरे चरण का मतदान 20 नवंबर को होना है। राज्य में विधानसभा की 81 सीटें हैं और इन सभी सीटों पर चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास और सुशासन के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी है और इसीलिए हरियाणा की जनता ने वहां फिर से भाजपा की सरकार बनाई है। बताना होगा कि भाजपा ने हरियाणा में अकेले दम पर बहुमत हासिल किया है।

राजनाथ सिंह ने ...

दिवाली का त्यौहार अभी-अभी समाप्त हुआ है। झामुमो, कांग्रेस और राजद अब फुस्स दिवाली पटाखे हैं। भाजपा एक शक्तिशाली रॉकेट है जो अकेले ही झारखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

राजनाथ सिंह ने लोगों से मौजूदा सरकार को हटाने की अपील करते हुए उन्होंने कहा, भाजपा को सत्ता में आने दीजिए, झारखंड विकसित राज्यों की कतार में आ जाएगा। उन्होंने कहा, हम झारखंड में न केवल सरकार बदलेंगे, बल्कि व्यवस्था भी बदलेंगे। 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा के लिए 13 और 20 नवंबर को मतदान होगा। मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

सरकारी नौकरियों में...

इस बदलाव से योग्य उम्मीदवारों को अधिक अवसर मिलेंगे। मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में स्टाफ की कमी को दूर किया जा सकेगा। इसके अलावा विभागों में भर्ती को लेकर पीएससी पदों की जानकारी मुख्यमंत्री ने मांगी है। 12 नवंबर को कालिदास सम्मान समारोह उज्जैन में होगा, जिसमें उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शिरकत करेंगे।

मध्य प्रदेश के कई जिलों में खाद का संकट होने की खबरें आ रही है। इस संकट को दूर करने और किसानों को आसानी से खाद उपलब्ध कराने के लिए राज्य में 286 नकद उर्वरक विक्रय केंद्र खोले जा रहे हैं। इनमें से 141 केंद्रों का संचालन विपणन समितियां करेंगी। इसके साथ ही 254 नए केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे। सतपुड़ा ताप विद्युत गृह में विस्तार करते हुए 660 मेगावॉट की नई थर्मल पावर इकाई लगाने का फैसला किया गया है। इस समय संचालित की जा रही 205 मेगावाट और 210 मेगावाट की दो-दो इकाइयों को डीकमीशन किया जाएगा और एक नया प्लांट स्थापित किया जाएगा। इससे बिजली उत्पादन में वृद्धि होगी।

राज्य में रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाओं को डिजिटाइज करने का निर्णय लिया गया है। इन समितियों को कम्प्यूटरीकृत करके पैक समितियों के साथ जोड़ा जाएगा। इससे सूचनाओं का आदान-प्रदान सुगम होगा। इस आईटी परियोजना पर 3.68 करोड़ रुपए का खर्च आएगा, जिसमें से 60 फीसदी केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित होगा। कैबिनेट की बैठक से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के प्रयास के रूप में राज्य शासन द्वारा गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। अपनी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता को प्रकट करते इस नवाचार की सभी ओर सराहना हुई है। गोवंश के प्रति प्रेम को प्रदर्शित करने वाले इस पर्व से प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को प्रोत्साहन प्रदान करने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि रीवा में हुई रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव उत्साहवर्धक रही है। उद्योगपतियों और निवेशको ने प्रदेश में गतिविधियों के संचालन में रुचि प्रदर्शित की है। रीवा में 31हजार करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। लगभग 28 हजार रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अगली रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव सात दिसंबर को नर्मदापुरम में होगी।

हमें योगी...

गृह मंत्री की खुली आलोचना के बाद मतभेद की अटकलें लग रही थीं, लेकिन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की कैबिनेट के एक अन्य वरिष्ठ मंत्री नारायण ने कहा कि उपमुख्यमंत्री के तौर पर पवन कल्याण को गलतियां बताने और मंत्रियों को सही राह पर लाने का अधिकार है।पवन कल्याण ने कनाडा में हिंदू मंदिर पर हुए हमले पर भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उपमुख्यमंत्री ने कहा, कनाडा में एक हिंदू मंदिर और हिंदुओं पर हमला मन पर आघात करता है, जिससे पीड़ा और चिंता दोनों पैदा हो रही हैं। मुझे अपने हिंदू भाइयों और बहनों को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और हाल ही में बांग्लादेश जैसी जगहों पर उत्पीड़न, हिंसा और अकल्पनीय पीड़ा सहते हुए देखकर बहुत दुख होता है। हिंदू एक वैश्विक अल्पसंख्यक हैं और इस तरह उन पर कम ध्यान दिया जाता है, कम एकजुटता होती है और उन्हें आसानी से निशाना बनाया जाता है। उनके खिलाफ नफरत की हर कार्रवाई, दुर्व्यवहार की हर घटना उन सभी के लिए एक झटका है जो मानवता और शांति को महत्व देते हैं।

उन्होंने कहा, मेरी आशा है कि कनाडाई सरकार वहां के हिंदू समुदाय के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए तत्काल जरूरी कदम उठाएगी। लेकिन यह एक अलग घटना से कहीं ज्यादा है। विभिन्न देशों में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और घृणा की घटनाएं जारी हैं, फिर भी ग्लोबल नेताओं, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और तथाकथित शांतिप्रिय गैर सरकारी संगठनों की चुप्पी उनका समर्थन कर रहा है। आज नाराजगी की आवाज सुनाई दे रही हैं? हिंदुओं के लिए एकजुटता कहां है? इस अन्याय का सामना करने के लिए हम अकेले क्यों हैं? उन्होंने यह भी कहा कि ये केवल करुणा का नहीं बल्कि, एक्शन का आह्वान है। दुनिया को हिंदुओं की पीड़ा को उसी तत्परता और प्रतिबद्धता के साथ स्वीकार करने और उसका समाधान करने का आह्वान करना चाहिए जो यह दूसरों को प्रदान करता है। मानवीयता के खिलाफ चयनात्मक करुणा का रवैया बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। आइए हम कहीं भी, किसी भी समुदाय के उत्पीड़न के खिलाफ एक संकल्प के साथ एकजुट हों।

सुशांत सिंह...

अभिनेत्री ने यह भी कहा, सुशांत सिंह राजपूत, जिया खान और अन्य के लिए न्याय की जरूरत है। उन्होंने पूछा, रवींद्र पाटिल के बारे में क्या ख्याल है? गूगल पर देखें कि उनके साथ क्या हुआ था।

उत्तर प्रदेश मदरसा...

प्रधान न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा कि हम उत्तर प्रदेश मदरसा कानून की वैधता बरकरार रखते हैं। एक बात यह भी है कि यदि राज्य के पास विधायी शक्ति नहीं है, केवल तभी किसी कानून को खारिज किया जा सकता है। यह फैसला उत्तर प्रदेश के मदरसों के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी राहत है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उच्च न्यायालय ने इन मदरसों को बंद करने और वहां पढ़ रहे विद्यार्थियों को राज्य के अन्य विद्यालयों में दाखिला देने का आदेश दिया था।दरअसल, उत्तर प्रदेश मदरसा कानून को असंवैधानिक बताने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को फैसला सुनाया। कोर्ट ने इस कानून को पूरी तरह से वैध करार दिया है। कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए कानून को मान्यता दे दी है। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 22 अक्टूबर को हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 22 मार्च के अपने फैसले में कानून को संविधान के खिलाफ और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ बताया था। हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से मदरसा में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को नियमित स्कूलों में दाखिला देने का निर्देश दिया था। मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख से अधिक छात्रों को राहत देते हुए मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने 5 अप्रैल को हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसमें उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को रद्द कर दिया गया था। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा था कि मदरसों का नियमित करना राष्ट्रहित में है।सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर लखनऊ ईदगाह इमाम और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य मौलाना खालिद रशीद फिरंगी ने कहा कि इस फैसले से मदरसे से जुड़े लोगों में खुशी की लहर है। यूपी मदरसा अधिनियम का मसौदा यूपी सरकार ने ही बनाया था। सरकार द्वारा बनाया गया अधिनियम असंवैधानिक कैसे हो सकता है? हमने पहले भी कहा है कि हम मदरसों में इस्लामी शिक्षा के अलावा आधुनिक शिक्षा भी देते हैं।

मुडा घोटाले में ...

ईडी इस मामले में धन शोधन के कोण से जांच कर रही है। मुडा घोटाले में सीएम सिद्धारमैया की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। अब कर्नाटक उच्च न्यायालय ने भी सीएम को नोटिस जारी किया है। दरअसल कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर रिट याचिका पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और अन्य को नोटिस जारी किया है। याचिका में मुडा घोटाले की जांच सीबीआई को सौंपने का निर्देश देने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती बी एम, उनके रिश्तेदार मल्लिकार्जुन स्वामी, भारत संघ, राज्य सरकार, सीबीआई और लोकायुक्त को भी नोटिस जारी किया। उन्होंने लोकायुक्त को मामले में अब तक की गई जांच को रिकॉर्ड में पेश करने का निर्देश दिया। अदालत इस मामले पर अगली सुनवाई 26 नवंबर को करेगी।मुडा (मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी) घोटाला करीब 3.2 एकड़ जमीन के घोटाले से जुड़ा है। इस जमीन के एवज में मुडा ने सीएम सिद्धारमैया की पत्नी को प्लॉट आवंटित किए थे। आरोप है कि इन प्लॉट के आवंटन में कथित अनियमितता बरती गई। दरअसल मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी ने साल 2010 में 3.2 एकड़ जमीन उपहार स्वरूप दी थी। बाद में यह जमीन मुडा द्वारा किए गए जमीन अधिग्रहण के दायरे में आ गई। जमीन अधिग्रहण के बदले पार्वती ने मुआवजे की मांग की तो मुडा ने उन्हें 14 प्लॉट आवंटित कर दिए। आरोप है कि ये प्लॉट मूल भूमि की कीमत से काफी ज्यादा कीमत के थे। विपक्षी दलों का आरोप है कि यह कथित घोटाला तीन से चार हजार करोड़ का हो सकता है।

छठ पूजा पर ग्रह-गोचर का बन रहा शुभ संयोग

6 नवंबर को खरना, 7 नवंबर को संध्या अर्घ्य और 8 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य

छठ महापर्व की नहाय-खाय के साथ शुरुआत हो चुकी है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व के पहले दिन नहाय-खाय, दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन संध्या अर्घ्य और चौथे दिन उषा अर्घ्य देते हुए समापन होता है। छठ महापर्व सूर्य उपासना का सबसे बड़ा त्योहार होता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि लोक आस्था का महापर्व छठ पर्व नहाय खाय के साथ शुरू हो रहा है। इसमें छठ मैया की पूजा के साथ भगवान भास्कर की उपासना की जाती है। महिलाएं बच्चों के स्वास्थ्य, सफलता और दीर्घायु के लिए 36 घंटे तक कठिन उपवास करती हैं। यहां भी पूर्वांचल के लोग बड़े उत्साह से यह पर्व मनाते हैं। यह पर्व पांच से आठ नवंबर तक चलेगा। छठ पूजा में पानी में खड़े होकर स्नान, उपवास, और सूर्य को अर्घ्य देना शामिल है। प्रकृति का छठे अंश होने के कारण इस देवी का नाम षष्ठी देवी रखा गया। यह देवी बालकों की रक्षा और आयु प्रदान करती हैं। स्कंद पुराण में इन्हें ही देवी कात्यायनी कहा गया है। षष्ठी तिथि शिशुओं के संरक्षण व संवर्धन की देवी हैं।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि छठ व्रती सात नवंबर को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगी। इस दिन षष्ठी तिथि को छठी मैया का पूजन विधि-विधान के साथ होगा। सात नवंबर को धृति व रवियोग का संयोग बना रहेगा। व्रती जल में खड़े होकर पवित्रता के साथ फल, मिष्ठान, नारियल, पान-सुपारी, फूल, अरिपन से भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर परिवार की कुशलता के लिए प्रार्थना करेंगी। शुक्रवार आठ नवंबर को कार्तिक शुक्ल सप्तमी तिथि को सर्वार्थ सिद्धि योग व रवि योग में व्रती उदीयमान सूर्य उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय पर्व को संपन्न करेंगी।

प्रत्येक वर्ष लोक आस्था का महापर्व छठ मनाया जाता है। छठ के पर्व को आस्था का महापर्व माना गया है। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर छठी मैया की पूजा की जाती है। मान्यता है कि छठ पूजा करने वाले भक्तों को सुख-समृद्धि, धन, वैभव, यश और मान-सम्मान की प्राप्ति होती है। कहते हैं जो महिलाएं यह व्रत रखती हैं उनकी संतानों को दीर्घायु और सुख समृद्धि प्राप्त होती है। इसके साथ यह व्रत करने से निरोगी जीवन का आशीर्वाद भी मिलता है। छठ पर्व भारत के कुछ कठिन पर्वों में से एक है जो 4 दिनों तक चलता है। इस पर्व में 36 घंटे निर्जला व्रत रख सूर्य देव और छठी मैया की पूजा की जाती है और उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। यह व्रत मनोकामना पूर्ति के लिए भी किया जाता है। महिलाओं के साथ पुरुष भी यह व्रत करते हैं। कार्तिक माह की चतुर्थी तिथि पर नहाय-खाय होता है, इसके बाद दूसरे दिन खरना और तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। चौथे दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाता है।

नहाय खाय से हो जाती है, छठ पूजा की शुरुआत

कार्तिक शुक्ल पक्ष कि चतुर्थी तिथि को छठ महापर्व कि पहली परंपरा का निर्वाह किया जाता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को नहाए-खाए के रूप में मनाया जाता है। इस परंपरा के अनुसार सबसे पहले घर की सफाई कर उसे शुद्ध किया जाता है। इसके पश्चात छठव्रती स्नान कर शुद्ध शाकाहारी भोजन ग्रहण कर व्रत की शुरुआत करते हैं। घर के अन्य सभी सदस्य व्रती सदस्यों के भोजन करने के बाद ही भोजन ग्रहण करते हैं। नियम के अनुसार, इस दिन भात, लौकी की सब्जी और दाल ग्रहण किया जाता है और खाने में सिर्फ सेंधा नमक का इस्तेमाल किया जाता है। इस दिन व्रत करने वाली महिलाएं और पुरुष एक समय का भोजन करके अपने मन को शुद्ध करते हैं। इस दिन से घर में शुद्धता का बहुत ध्यान रखा जाता है, और लहसुन-प्याज़ बनाने की मनाही हो जाती है।

6 नवंबर : खरना- दूसरे दिन रखते हैं, पूरे दिन का उपवास

छठ पूजा में दूसरे दिन को खरना के नाम से जाना जाता है। इस दिन व्रती पूरे दिन का उपवास रखती हैं। खरना का मतलब होता है, शुद्धिकरण। खरना के दिन शाम होने पर गुड़ की खीर का प्रसाद बना कर व्रती महिलाएं पूजा करने के बाद अपने दिन भर का उपवास खोलती हैं। फिर इस प्रसाद को सभी में बाँट दिया जाता है। इस प्रसाद को ग्रहण करने के बाद व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाता है। इस दिन प्रसाद बनाने के लिए नए मिट्टी के चूल्हे और आम की लकड़ी का प्रयोग करना शुभ माना जाता है।

7 नवंबर : संध्या अर्घ्य में करते है, सूर्य की उपासना

तीसरे दिन शाम के समय डूबते हुए सूर्य देव को अर्घ्य दिया जाता है, जिसकी वजह से इसे संध्या अर्घ्य कहा जाता है। इस दिन व्रती महिलाएं भोर में सूर्य निकलने से पहले रात को रखा मिश्री-पानी पीती हैं। उसके बाद अगले दिन अंतिम अर्घ्य देने के बाद ही पानी पीना होता है। संध्या अर्घ्य के दिन विशेष प्रकार का पकवान ठेकुवा और मौसमी फल सूर्य देव को चढ़ाए जाते हैं, और उन्हें दूध और जल से अर्घ्य दिया जाता है।

8 नवंबर : उगते सूर्य के अर्घ्य के साथ संपन्न होती है छठ पूजा

चौथे दिन उगते हुए सूर्य को अंतिम अर्घ्य दिया जाता है। व्रत रखने वाली महिलाएं और पुरुष छठी मईया और सूर्य देव से अपने संतान और पूरे परिवार की सुख-शांति और उन पर अपनी कृपा बनाये रखने की प्रार्थना करती हैं। इसके बाद व्रती घर के देवी-देवता की पूजा करते हैं, और फिर प्रसाद को खाकर व्रत का समापन करते हैं।

पौराणिक कथा

छठ पर्व पर छठी माता की पूजा की जाती है, जिसका उल्लेख ब्रह्मवैवर्त पुराण में भी मिलता है। एक कथा के अनुसार प्रथम मनु स्वायम्भुव के पुत्र राजा प्रियव्रत को कोई संतान नहीं थी। इस वजह से वे दुखी रहते थे। महर्षि कश्यप ने राजा से पुत्र प्राप्ति के लिए यज्ञ करने को कहा। महर्षि की आज्ञा अनुसार राजा ने यज्ञ कराया। इसके बाद महारानी मालिनी ने एक पुत्र को जन्म दिया लेकिन दुर्भाग्य से वह शिशु मृत पैदा हुआ। इस बात से राजा और अन्य परिजन बेहद दुखी थे। तभी आकाश से एक विमान उतरा जिसमें माता षष्ठी विराजमान थीं। जब राजा ने उनसे प्रार्थना की, तब उन्होंने अपना परिचय देते हुए कहा कि- मैं ब्रह्मा की मानस पुत्री षष्ठी देवी हूं। मैं विश्व के सभी बालकों की रक्षा करती हूं और निसंतानों को संतान प्राप्ति का वरदान देती हूं। इसके बाद देवी ने मृत शिशु को आशीष देते हुए हाथ लगाया, जिससे वह जीवित हो गया। देवी की इस कृपा से राजा बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने षष्ठी देवी की आराधना की। ऐसी मान्यता है कि इसके बाद ही धीरे-धीरे हर ओर इस पूजा का प्रसार हो गया।

धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

छठ पूजा धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का लोकपर्व है। यही एक मात्र ऐसा त्यौहार है जिसमें सूर्य देव का पूजन कर उन्हें अर्घ्य दिया जाता है। हिन्दू धर्म में सूर्य की उपासना का विशेष महत्व है। वे ही एक ऐसे देवता हैं जिन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जाता है। वेदों में सूर्य देव को जगत की आत्मा कहा जाता है। सूर्य के प्रकाश में कई रोगों को नष्ट करने की क्षमता पाई जाती है। सूर्य के शुभ प्रभाव से व्यक्ति को आरोग्य, तेज और आत्मविश्वास की प्राप्ति होती है। वैदिक ज्योतिष में सूर्य को आत्मा, पिता, पूर्वज, मान-सम्मान और उच्च सरकारी सेवा का कारक कहा गया है। छठ पूजा पर सूर्य देव और छठी माता के पूजन से व्यक्ति को संतान, सुख और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। सांस्कृतिक रूप से छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता है इस पर्व की सादगी, पवित्रता और प्रकृति के प्रति प्रेम।

खगोलीय और ज्योतिषीय महत्व

वैज्ञानिक और ज्योतिषीय दृष्टि से भी छठ पर्व का बड़ा महत्व है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि एक विशेष खगोलीय अवसर, जिस समय सूर्य धरती के दक्षिणी गोलार्ध में स्थित रहता है। इस दौरान सूर्य की पराबैंगनी किरणें पृथ्वी पर सामान्य से अधिक मात्रा में एकत्रित हो जाती है। इन हानिकारक किरणों का सीधा असर लोगों की आंख, पेट व त्वचा पर पड़ता है। छठ पर्व पर सूर्य देव की उपासना व अर्घ्य देने से पराबैंगनी किरणें मनुष्य को हानि न पहुंचाएं, इस वजह से सूर्य पूजा का महत्व बढ़ जाता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

समृद्धि देने वाला व्रत हैं लाभ पंचमी

कारोबार में लाभ की कामना के लिए लाभ पंचमी पर करते हैं गणेश पूजन

हिंदू धर्म में लाभ पंचमी की खास महत्व दिया गया है। इसे सौभाग्य पंचमी के नाम से भी जानते हैं। इस दिन मां पार्वत और भगवान शिव की पूजा की जाती है। लाभ पंचमी कार्तिक शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है। इस साल लाभ पंचमी बुधवार 6 नवंबर को मनाई जाएगी। लाभ पंचमी को सौभाग्य पंचमी के रूप में भी मनाया जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर-जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी को सौभाग्य पंचमी कहते हैं। ये तिथि सुख और समृद्धि बढ़ाती है। इस दिन शिवजी की पूजा से मनोकामनाएं पूरी होती हैं और परिवार में सुख-शांति आती है। गणेशजी की पूजा से सभी परेशानियों का नाश होता है। काराबोर में समृद्धि और प्रगति होती है। इससे सुख-शांति और खुशहाल जीवन की इच्छाओं को पूरा करने के मौके मिलते हैं। सौभाग्य पंचमी शुभ और लाभ की कामना के साथ भगवान गणेश को याद किया जाता है। इसे इच्छाओं की पूर्ति का पर्व भी कहते हैं। कुछ जगहों पर दीपावली से नववर्ष की शुरुआत हो जाती है और सौभाग्य पंचमी पर व्यापार एवं कारोबार में तरक्की और विस्तार के लिए इस इस दिन को बहुत ही शुभ माना जाता है।

मांगलिक कामों की खरीदारी करने की परंपरा

लाभ पंचमी पर व्यापारी नए काम शुरू करते हैं। घरों में आकर्षक रोशनी के साथ देर रात तक आतिशबाजी भी करते हैं। लाभ पंचमी पर अबूझ मुहूर्त होने से बाजार में खरीदारी भी होती है। इस मौके पर शादी और अन्य मांगलिक कामों की खरीदारी करने की परंपरा भी है। सौभाग्य पंचमी जीवन में सुख और सौभाग्य की वृद्धि करती है। सौभाग्य पंचमी पर भगवान श्री गणेश की विशेष पूजा की जाती है। जिससे शुभ फलों की प्राप्ति होती है। कार्यक्षेत्र, नौकरी और कारोबार में उन्नति होती है और समृद्धि मिलती है। इस दिन गणेशजी के साथ भगवान शिव का स्मरण करना शुभ फलदायी होता है। सुख-सौभाग्य और मंगल कामना को लेकर किया जाने वाला सौभाग्य पंचमी का व्रत सभी इच्छाएं पूरी करता है। इस दिन भगवान के दर्शन और पूजा करने के साथ व्रत भी किया जाता है और कथा सुनी जाती है।

लाभ पंचमी तिथि और शुभ मुहूत

लाभ पंचम तिथि : बुधवार, 6 नवंबर 2024

पंचमी तिथि प्रारंभ: 06 नवंबर 2024 को रात्रि 12:16 बजे से

पंचमी तिथि समाप्त: 07 नवंबर, 2024 को सुबह 12:41 बजे

लाभ पंचम मुहूर्त: प्रात: 06:12 बजे से प्रात: 10:08 बजे तक

पूजा विधि

सौभाग्य पंचमी पर सुबह जल्दी नहाने के बाद से सूर्य को जल चढ़ाना चाहिए। इसके बाद शुभ मुहूर्त में भगवान शिव हनुमान जी और गणेश की मूर्तियों की पूजा करें। हो सके तो सुपारी पर मौली लपेटकर चावल के अष्टदल पर श्री गणेश जी के रूप में विराजित करना चाहिए।

चंदन, सिंदूर, अक्षत, फूल, दूर्वा से भगवान गणेश जी की पूजा करनी चाहिए। इसके बाद भगवान शिव को भस्म, बिल्व पत्र, धतूरा, सफेद वस्त्र अर्पित कर पूजन करना चाहिए। गणेशजी को मोदक व शिवजी को अन्य सफेद पकवान का भोग लगाना चाहिए।

लाभ पंचमी का महत्व

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार लाभ पंचमी का दिन किसी भी नए कार्य की शुरुआत के लिए शुभ होता है।

हिंदू धर्म की मान्यता के अनुसार इस दिन कोई भी नया बिजनेस शुरू किया जा सकता है। लाभ पंचमी का त्योहार गुजरात मे बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मान्यतानुसार इस दिन बिजनेसमैन नया बहीखाता शुरू करते हैं। साथ ही बहीखाता पर रोली-चंदन से शुभ-लाभ लिखते हैं।

महाकुंभ क्यों मनाया जाता है?

जाने इसका इतिहास और धार्मिक महत्व

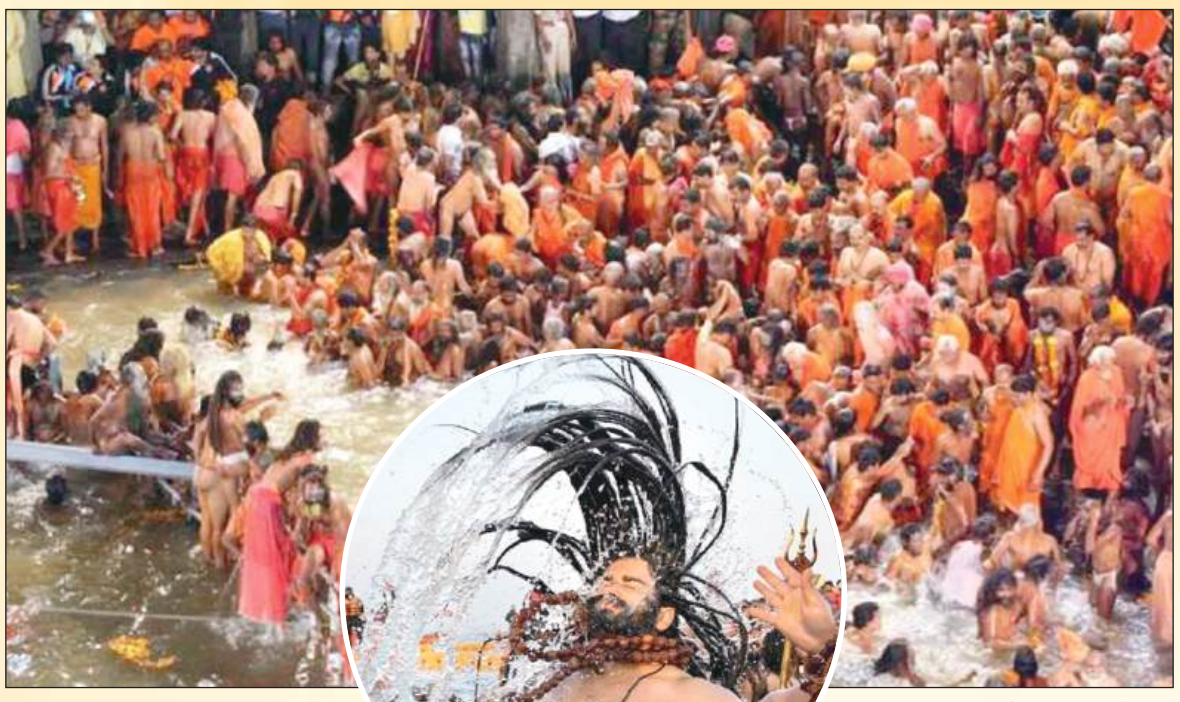

महाकुंभ का आयोजन हर 12 सालों में चार पवित्र तीर्थ स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में क्रमवार रूप से होता है। हर साल महा कुंभ मेले में लाखों श्रद्धालु और संत-महात्मा गंगा, यमुना और सरस्वती जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने के लिए एकत्रित होते हैं। मान्यता है कि इस पुण्य स्नान से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है और पिछले जन्मों के पापों से मुक्ति मिलती है। महा कुंभ के दौरान पवित्र नदियों में स्नान करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। माना जाता है कि इस स्नान से जन्म-जन्मांतर के पाप समाप्त होते हैं और मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है। इसके अलावा, यह पर्व धार्मिक सहिष्णुता, समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने का एक सशक्त माध्यम है।

हिन्दू धर्म में महाकुंभ को अत्यधिक महत्व दिया जाता है, ये भारत का सबसे प्राचीन और धार्मिक मेला है। महाकुंभ का आधार हिंदू धर्म की समुद्र मंथन कथा से जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि देवताओं और असुरों द्वारा अमृत कलश के लिए किए गए मंथन में अमृत की कुछ बूंदें पृथ्वी के चार स्थानों - प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन, और नासिक में गिरी थीं। इस पौराणिक कथा के आधार पर इन स्थानों पर महाकुंभ का आयोजन किया जाता है।

महाकुंभ मेला धर्म, आस्था और मोक्ष की प्राप्ति के उद्देश्य से मनाया जाता है। यह मान्यता है कि महाकुंभ में स्नान करने से व्यक्ति के पिछले जन्मों के पाप समाप्त हो जाते हैं और उसे पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति मिलती है। इसके साथ ही महाकुंभ के दौरान अनेक संत, महात्मा, और साधु एकत्रित होते हैं जिनसे श्रद्धालु धर्म, ज्ञान और आध्यात्मिकता का मार्गदर्शन प्राप्त कर सकते हैं। महाकुंभ का यह आयोजन न केवल भारत में बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अद्वितीय है और इसे देखने और अनुभव करने के लिए दुनियाभर से पर्यटक और शोधकर्ता आते हैं। यह मेला धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है और सदियों से इसकी परंपरा चली आ रही है।

तमन्ना भाटिया की नई फिल्म सिकंदर का मुकद्दर का ऐलान

स्त्री 2 में अपने डांस नंबर से दर्शकों के बीच सुर्खियां बटोरने वाली तमन्ना भाटिया जल्द ही अपनी अगली फिल्म सिकंदर का मुकद्दर में नजर आएंगी। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन क्राइम ड्रामा होने वाली है, जिसमें अभिनेत्री जिम्मी शेरगिल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। फिल्म में अविनाश तिवारी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा इस साल फरवरी में की गई थी।

अब, फिल्म की रिलीज से पहले, नेटफ्लिक्स ने फैंस को सिकंदर का मुकद्दर के बिहाइंड द सीन की झलक दिखाई है।सिकंदर का मुकद्दर का यह पहला वीडियो फैंस को कलाकारों के दिए गए दमदार अभिनय की झलक देता है, जिससे दर्शकों का सस्पेंस सातवें आसमान पर पहुंच गया है। टीजर को शेयर करते हुए, निर्माताओं ने लिखा, 60 करोड़ के हीरे चोरी। एक लंबी तलाश। और एक इंस्पेक्टर जो नहीं मानेगा हार। सिकंदर का मुकद्दर, जल्द ही आ रहा है। टीजर में तमन्ना बे हद अलग और दमदार अवतार में नजर आई हैं। मेकर्स की मानें तो फिल्म में अभिनेत्री का किरदार काफी यूनिक होने वाला है। यही नहीं, फिल्म में कई सारे ट्विस्ट भी देखने को मिलेंगे।सिकंदर का मुकद्दर की पहली झलक ने नेटिजंस को काफी प्रभावित कर दिया। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, यह टीजर बहुत ही बढिया लग रहा है। दूसरे ने यूजर ने लिखा, नीरज पांडे और जिमी शेरगिल हैं मजा तो आएगा गुरु। तीसरे यूजर ने लिखा था, स्त्री 2 के बाद तमन्ना का फैन बन गया हूं, अब उनकी इस फिल्म में देखने का बेसब्री से इंतजार है।बता दें कि नीरज पांडे ने 2008 में फिल्म ए वेडनेसडे से निर्देशन में कदम रखा था। नसीरुद्दीन शाह और अनुपम खेर की इस फिल्म ने कई पुरस्कार जीते। उन्होंने स्पेशल 26, बेबी, एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी जैसी कई फिल्मों का निर्देशन भी किया है। हालांकि, उनकी पिछली फिल्म औरों में कहां दम था फ्लॉप रही थी।

इमरान हाशमी के बेटे को देख लोग बोले कार्बन कॉपी

पर्सनैलिटी में पापा को टक्कर देता है जूनियर हाशमी

इमरान हाशमी फिल्म इंडस्ट्री में इकलौते ऐसे एक्टर हैं जिन्हें सीरियल किसर का टैग मिला था। ना उनसे पहले कोई ऐसा था और ना ही लगता है कि कोई आगे इमरान हाशमी के इस टैग के करीब भी पहुंच पाएगा। आप सोच रहे होंगे कि आज हम इमरान हाशमी की बात क्यों कर रहे हैं। दरअस आज हम आपको उनके बेटे से मिलवाने वाले हैं। इमरान के बेटे अयान काफी बड़े हो चुके हैं। लाइम लाइट से दूर ही रहने वाले अयान जब पैपराजी की नजरों में आए तो फिर वीडियो ना बने ऐसा कैसे हो सकता था।

पापा की कार्बन कॉपी हैं इमरान

दरअसल इमरान हाशमी अपनी फैमिली के साथ बांद्रा में कहीं डिनर के लिए निकले। वहां से एग्जिट करते हुए पैपराजी की नजर उनपर पड़ी। अयान आगे आगे चल रहे थे और इमरान पीछे थे। खास बात देखिए कि पापा बेटे ने ट्विनिंग की हुई थी। दोनों ही ब्लैक टीशर्ट में नजर आए। सोशल मीडिया पर ये वीडियो आया तो लोगों ने इमरान के बेटे की खूब तारीफ की।

वर्कफ्रंट पर क्या है सीन?

काम के मामले में अगर बात करें तो इमरान हाशमी इस वक्त एक दो नहीं बल्कि पांच फिल्मों से जुड़े हैं। उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स की बात करें तो इनमें ग्राउंड जीरो, दे कॉल हिम ओजी, शूटआउट एट बायकुला, गोदाचारी 2, कैप्टन नवाब शामिल हैं। ये सभी फिल्में इस वक्त प्रोडक्शन स्टेज में हैं। इससे पहले इमरान टाइगर-3 में नजर आए थे। टाइगर में नेगेटिव रोल में नजर आए इमरान हाशमी के इस कमबैक को फैन्स ने काफी पसंद किया था। अब उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर खासी एक्साइटमेंट है।

विश्वक सेन की मैकेनिक रॉकी का एक्शन से भरपूर ट्रेलर रिलीज़

मैकेनिक रॉकी का ट्रेलर रिलीज़ हुआ। विश्वक सेन की मैकेनिक रॉकी का ट्रेलर एक्शन से भरपूर है।विश्वक सेन की आगामी एक्शन थ्रिलर, मैकेनिक रॉकी, 22 नवंबर को रिलीज़ के लिए तैयार है, और इसका पहला ट्रेलर अभी-अभी रिलीज़ हुआ है, जिससे दर्शकों में और भी ज़्यादा देखने की चाहत पैदा हो गई है।ट्रेलर, जिसका शीर्षक ट्रेलर 1.0 है, में विश्वक सेन को एक नए अवतार में दिखाया गया है, जिसमें वह एक रहस्यमय अतीत और कौशल के भंडार वाले मैकेनिक की भूमिका निभा रहे हैं। एक्शन सीक्वेंस तीव्र और अच्छी तरह से कोरियोग्राफ किए गए हैं, जो दर्शकों के लिए एक रोमांचक सवारी का संकेत देते हैं।फिल्म में मीनाक्षी चौधरी और श्रद्धा श्रीनाथ के साथ विश्वक सेन की प्रमुख भूमिकाएँ निभाने वाली एक मजबूत महिला उपस्थिति भी है। ट्रेलर में पात्रों के बीच जटिल रिश्तों और पेचीदा गतिशीलता का संकेत दिया गया है, जो कहानी में एक और रहस्य जोड़ता है।समीक्षकों द्वारा प्रशंसित गामी और एक्शन से भरपूर गैंग्स ऑफ़ गोदावरी के बाद मैकेनिक रॉकी 2024 में विश्वक सेन की तीसरी फ़िल्म रिलीज़ है। गामी की सफलता ने मैकेनिक रॉकी के लिए उच्च उम्मीदें लगाई हैं, और ट्रेलर ने निश्चित रूप से दर्शकों के बीच चर्चा पैदा की है।विश्वक सेन अपनी बहुमुखी प्रतिभा और विविध भूमिकाएँ निभाने की इच्छा के लिए जाने जाते हैं। उनकी आने वाली परियोजनाओं की सूची उनकी प्रतिभा और रेंज को और अधिक प्रदर्शित करने का वादा करती है। वह वर्तमान में राम नारायण द्वारा निर्देशित लैला पर काम कर रहे हैं, जिसमें वह एक अन-ोखी महिला किरदार में नजर आएंगे, साथ ही श्रीधर गंटा द्वारा निर्देशित एक एक्शन फ़िल्म और ब्लॉकबस्टर जाथी रत्नालु के लिए जाने जाने वाले अनुदीप केवी के निर्देशन में एक फ़िल्म भी कर रहे हैं।अपने व्यस्त शेड्यूल के अलावा, विश्वक सेन अपनी सफल फ़िल्मों के सीक्वल बनाने की भी तैयारी कर रहे हैं। उनकी 2018 की हिट फ़िल्म ई नगरानीकी एमैनडी का सीक्वल पाइपलाइन में है, जिसका भविष्य निर्देशक तरुण भास्कर की उपलब्धता पर निर्भर करेगा। उनके 2019 के निर्देशन में बनी फ़िल्म फ़लकनुमा दास और उनकी नवीनतम एक्शन फ़िल्म दास का धम्की के सीक्वल की भी योजना है।फ़िल्मों और सीक्वल की एक रोमांचक लाइनअप के साथ, विश्वक सेन खुद को तेलुगु फ़िल्म उद्योग में एक ताकत साबित कर रहे हैं। मैकेनिक रॉकी की रिलीज़ उनके करियर में एक और मील का पत्थर साबित होने का वादा करती है, जिसका ट्रेलर दर्शकों के लिए एक एड्रेनालाईन-पंपिंग सिनेमाई अनुभव का संकेत देता है।

शाहरुख खान की इस एक्ट्रेस को डंकी के लिए नहीं मिली मनमाफिक फीस

तापसी पन्नू फिल्म इंडस्ट्री की मल्टी टैलेंटेड एक्ट्रेसेज में से एक हैं। उन्होंने अपनी एक्टिंग और परफॉर्मेंसेज के जरिए अपनी एक अलग पहचान बनाई है। खैर हाल ही में उन्होंने फिल्म डंकी के लिए अपनी फीस के बारे में एक चौंकाने वाला खुलासा किया। इस फिल्म में उन्होंने शाहरुख खान के साथ काम किया था। इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में तापसी ने बताया कि उन्हें फिल्म के लिए उतनी फीस नहीं दी गई। यह फिल्म 2023 में रिलीज हुई और इसे राजकुमार हिरानी ने डायरेक्ट किया था।

स्क्रीन को दिए एक इंटरव्यू में तापसी ने कहा, मजेदार बात यह है कि लोगों को लगता है कि मैं जुड़वा या डंकी जैसी फिल्में पैसों के लिए करती हूं कि मुझे बहुत ज्यादा पैसे मिलते हैं। लेकिन नहीं यह इसके उलट है। मुझे उन फिल्मों के लिए ज्यादा पैसे मिलते हैं जिनमें मैं लीड रोल में होती हूं जैसे हसीन दिलरुबा। दूसरी फिल्में मुझे ज्यादा पैसे नहीं देती हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि वे मुझे उस तरह की फिल्म में लेकर उन पर एहसान कर रहे हैं। उन्हें लगता है, 'पहले से ही एक बड़ा हीरो है, हमें इसके लिए किसी और की क्या जरूरत है?' मैं इस तरह की विचारधारा से रोज लड़ती हूं।

उन्होंने यह भी कहा कि हीरो तय करते हैं कि हीरोइन कौन होगी। तापसी ने कहा, अब तो दर्शक भी जानते हैं कि हीरो ही तय करते हैं कि उनकी ज्यादातर फिल्मों में हीरोइन कौन होगी, जब तक कि आपके पास एक बहुत बड़ा, सुपर सफल डायरेक्टर ना हो जिसका अपना ऑडियंस सेक्शन हो। ऐसे में डायरेक्टर कोई भी फैसला ले ही लेगा।

डंकी ने भारतीय बॉक्स ऑफ़िस पर 300 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की। भले ही फिल्म को सभी से पॉजिटिव रिव्यू मिला हो लेकिन न्यूज18 शोशा के साथ एक इंटरव्यू में राजकुमार हिरानी ने कहा कि शाहरुख को यकीन था कि भले ही कॉमेडी-ड्रामा दिल जीत ले लेकिन यह जवान और पठान जैसी एक्शन फिल्मों की तरह कमाई नहीं कर पाएगी।

बोलीं- उन्हें लगा मुझ पर एहसान कर रहे

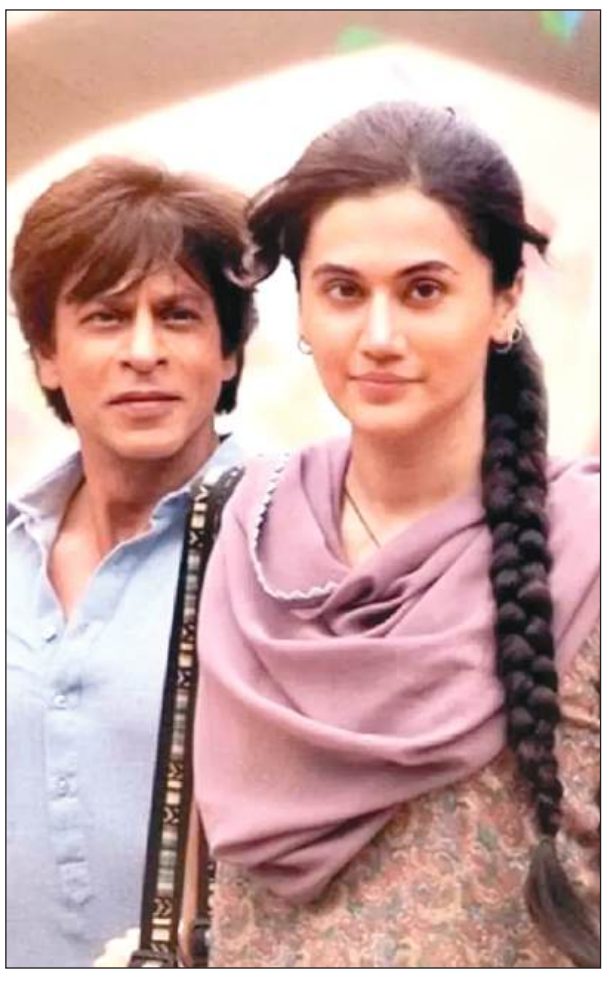

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी तभी सारे काम पूरे होंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। आमदनी बढ़ेगी। काम के सिलसिले में अपने चतुराई का प्रयोग करना सराहनीय कदम होगा। व्यवसायिक की दिक्कतों से आप कुछ चिंतित हो सकते हैं।वैवाहिक जीवन के लिए समय अच्छा रहेगा। युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में जुटेंगे। आर्थिक हालात ठीक रहेगी। संतान पक्ष को सफलता मिलेगी। नई योजना बनेगी। दाम्पत्य जीवन ठीक रहेगा। आज निवेश करने से लाभ ज्यादा बनेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन दिक्कतें जरूर बन सकती हैं। आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। धीरज के साथ सभी जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करें। तनाव पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी की सलाह नजरअंदाज ना करें। वाहन चलाते समय लापरवाही न बरतें। किसी से अनबन हो सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। कारोबार में लाभ होने की संभावना है। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। सेहत ठीक रहेगी। किसी काम का पूरा करने में अनुभवी लोगों की सलाह आपके लिए लाभकारी होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। धन लाभ का अवसर मिलेगा। आज युवाओं की बेरोजगारी दूर हो सकती है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ड,छ,के,को,ह

आज बगैर पूछे किसी को मशवरा नही देना। कुछ नए काम को शुरू कर सकते हैं। शासकीय कार्य पूरे होंगे। विद्यार्थियों का आज पढ़ाई में मन नहीं लगेगा।बिना सोचे समझे कोई काम न करें। नियोजन की स्थिति ठीक नहीं है। कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। रिश्तेदारों से आपको सहयोग मिलेगा। सामाजिक कार्य में हिस्सा लेंगे। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी। सेहत को लेकर लापरवाही न करें। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। दूसरों की सहायता मिलेगी। विरोधियों के चलते आपके कुछ काम प्रभावित होंगे। पारिवारिक जिम्मेदारी पूरी करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप शादी उम्र के योग्य है तो रिश्ता हो सकता है। नया काम शुरू कर सकते हैं। मानसिक रूप से मजबूत रहेंगे। रिश्तेदारों से कोई अच्छी खबर आ सकती है। नए प्रोजेक्ट से लाभ होगा। मित्रों के साथ पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। छात्रों की दिक्कतें दूर होंगी। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति से मुलाकात का मौका मिलेगा। जीवनसाथी को घुमाने ले जा सकते हैं। आज का दिन बेहद सुखद रहेगा। आज अपने खर्च पर नियंत्रण रखें। आज आप नौकरी बदलने का मन कर रहे हैं तो बढ़िया समय है कोशिश सफल होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज लक्ष्मी जी को रक्त पुष्प अर्पित करें कर्ज मुक्त होंगे। धन लाभ होगा। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार के सिलसिले में ज्यादातर किए गए प्रयास सफल रहेंगे। जीवनसाथी के साथ मतभेद हो सकते हैं। कारोबारी यात्रा सफल रहेगी। आपकी सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। आज आप खुश रहेंगे। किसी से मुलाकात होगी। मित्रों साथ इंजाय कर सकते हैं। जोखिम से जुड़े कार्यों को टालें। खानपान को नियंत्रित रखना होगा। तनाव दूर होने की संभावना है। भोजन सुपाच्य करें सेहत ठीक रहेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज ईष्टदेव का मंत्र स्मरण जप करें किस्मत का साथ मिलेगा। कारोबार को लेकर नई योजना बनाने के लिए आज का दिन अच्छा है। दिनभर कार्य की व्यस्तता के चलते तनाव हो सकता है। युवाओं के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। शादीशुदा लोगों को घूमने जाने का अवसर मिलेगा। गैरजरूरी खर्च पर नियंत्रण रख पाएंगे। खर्च में कमी आएगी। लव कपल के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। ऑफिस का माहौल सकारात्मक रहेगा। बुजुर्गों के अनुभव का लाभ मिलेगा। कार्यस्थल पर नए मौके मिलेंगे। छात्र नये कोर्स पर ध्यान लगाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज धन का निवेश करें कारोबार में प्रगति होगी। दोस्तों और रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। ऑफिस में आपका काम की सराहना होगी। छात्रों को फायदा होगा। आज धन लाभ होने की संभावना है। आपके शत्रु शांत रहेंगे। परिवार के सदस्यों से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। आज आप अपनी मेहनत से अपनी हर दिक्कत को आसान कर लेंगे। वाहन चलाते समय सतर्क रहें। धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य के कारण सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होगी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप को सकारात्मक रहने की जरुरत है आप सरकारी नौकरी मे है तो दिक्कतें आएगी फिर भी आप में जोश देखने को मिलेगा। आपकी कार्यक्षेत्र में सराहना होगी। दिन की शुरुआत सामान्य होगी। व्यवसाय में उतार चढ़ाव बना रहेगा। संतान पक्ष को लेकर कुछ दिक्कत हो सकती है। जीवनसाथी के साथ मधुर संबंध रहेंगे। कई लोगों से मुलाकात होगी। रिश्तेदारों एवं मित्रों पर धन खर्च होगा। आज किसी की बातों मे आकर नया काम शुरू न करें। छात्रों के लिए दिन सफल रहेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन मे उत्साह और उल्लास रहेगा आप बेहद खुश रहेंगे। आपका भाग्य प्रबल रहेगा। कार्य क्षेत्र में शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आज आप खूब आनंद उठाएंगे, लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें। आप गलतफहमी के शिकार हो सकते हैं। तनाव न लें। छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा हैं। परीक्षा में कामयाबी मिल सकती है। परिवार के किसी सदस्य की मदद करेंगे। धार्मिक कार्यों में रूचि बढ़ेगी। अपने को शान्त रखें क्रोध पर नियंत्रण रखना आप की तरक्की के रास्ते खोलेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज कुछ तनाव रहेगा परिस्थियां आपके अनुकूल नही होगी इसलिए परेशानियों का सामना करना पड सकता हैं। सेहत को लेकर सावधान रहने की जरूरत है। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किस्मत का साथ मिलेगा। माता–पिता की सेवा करना शुभ फल देगा। खानपान पर नियंत्रण रखें। मित्रों की मदद से आपके कई काम पूरे होंगे। जीवनसाथी की सेहत को लेकर चिंतित रह सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताएं। मन में नकारात्मक विचार न आने दे। ईश्वर की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज स्वभाव मे तेजी होगी क्रोध हावी रहेगा चिड़चिड़ापन बनेगा जिसके कारण किसी से आपका विवाद हो सकता है। काफी दिनों के बाद किसी परिचित व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है। आज का दिन आपकी सेहत के लिहाज से काफी अच्छा है। कारोबार के सिलसिले में आज यात्रा कर सकते हैं। रिश्तेदारों से सुखद सूचना मिल सकती है। धन लाभ होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। आज आपको किस्मत का साथ मिलेगा। परिवार को पूरा समय दें सब कुछ अनुकूल होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज व्यापार मे लेनदेन मे निवेश के हिसाब से दिन बहतर हैं व्यवसाय में आज उम्मीद से अधिक लाभ होगा। बातचीत करने के दौरान सावधान रहें। आपको शुभ फलों की प्राप्ति होगी। आलस्य ज्यादा रहेगा। आज शासकीय कार्य पूरे कर पाएंगे। युवाओं को नए मौके मिलेंगे। ऋण से मुक्ति मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में आशाजनक परिणाम नहीं मिलेंगे। आप दूसरों की देखभाल में आपका समय बीतेगा। संतान पक्ष से आपको खुशखबरी मिलेगी। रिश्ते की सूचना मिलेगी। दफ्तर में किसी सहयोगी से अनबन की आशंका है। कन्या को खीर का भोग रखे।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 06 नवंबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक, शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 12:43 तक
नक्षत्र : मूल प्रातः 11:00 तक
योग : सुकर्मा प्रातः 10:50 तक
करण : बव दोपहर 12:34 तक
चन्द्र राशि : धनु
सूर्योदय : 06:16, सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सौभाग्य–लाभ–पांडव पंचमी, गण्डमूल प्रातः 11:00 तक , विशाखा में रवि प्रातः 08:46 से

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

एकल पट्टा प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट का फैसला

पूर्व मंत्री शांति धारीवाल पर चल सकता है मुकदमा

जयपुर,05 नवंबर (एजेंसियां)। सोमवार को सुप्रीम ने राजस्थान को लेकर एक बड़ा फैसला दिया, जिसके अंतर्गत चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में पूर्व कैबिनेट मंत्री शांति धारीवाल और तत्कालीन जेडीए अफसरों के खिलाफ राज्य सरकार मुकदमा चला सकेगी। सुप्रीम कोर्ट जज सूर्यकांत और उज्ज्वल भूयान की अगुवाई में राजस्थान उच्च न्यायालय के उन पूर्व आदेशों को रद्द कर दिया गया, जिनमें पूर्व मंत्री शांति धारीवाल और जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई को समाप्त कर दिया गया था।

गौरतलब है कि इस चर्चित एकल पट्टा मामले में कीमती भूमि के एकल पट्टे के आवंटन में कथित भ्रष्टाचार और अन्य अनियमितताओं का आरोप था। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार के लिए एक बड़ी राहत साबित हुआ है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने न केवल उच्च न्यायालय के पहले के फैसलों को निरस्त कर दिया, बल्कि राजस्थान उच्च न्यायालय को इस मामले की पुन: संपूर्ण समीक्षा करने का निर्देश भी दिया। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से आग्रह किया कि इस मामले में सभी तथ्यों, साक्ष्यों और दावों की ताजा समीक्षा सुनिश्चित की जाए, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता को मजबूत किया जा सके। राज्य सरकार की तरफ से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने इस केस में पैरवी की थी। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को नए सिरे कार्रवाई करने में राजस्थान उच्च न्यायालय की पूरी सहायता करने के भी निर्देश दिए हैं।

दिलजीत के शो में चोरों की चांदी

32 मोबाइल फोन ले उड़े बदमाश, फैन्स ने दोसांझ से मांगी मदद

जयपुर,05 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर में रविवार को हुए पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ के म्यूजिकल कॉन्सर्ट में चोरों की जमकर चांदी हो गई। चोर इस कॉन्सर्ट से एक–दो नहीं पूरे 32 मोबाइल फोन चुरा ले गए। सांगानेर थाने में एक ही दिन में 32 मोबाइल फोन चोरी की एफआईआर लिखी गई है।

दिलजीत दोसांझ के शो में पुलिस और बाउंसर्स की कड़ी सुरक्षा की पोल खुलती नजर आ रही है। मोबाइल चोर गिरोह ने शो से एक–दो नहीं बल्कि 32 से ज्यादा मोबाइल फोन चोरी कर लिए। जब शो खत्म हुआ तो मोबाइल फोन चोरी को लेकर आयोजन स्थल पर हड़कंप मच गया।

जिन लोगों के फोन चोरी हो गए हैं, उन्होंने पुलिस में तो रिपोर्ट लिखाई ही है, साथ ही अब वो दिलजीत से भी मदद मांग रहे हैं कि वे उनके चोरी हो गए मोबाइल वापस दिलाने में उनकी मदद करें। दिलजीत के कुछ प्रशंसकों ने वीडियो बनाकर उनसे मदद की गुहार लगाई है। गौरतलब है कि रविवार को जयपुर के सीतापुरा में जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में दिलजीत दोसांझ के प्रोग्राम के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे थे। प्रोग्राम के दो दिन बाद जयपुर पुलिस ने जानकारी दी है कि वहां कई लोगों के मोबाइल फोन चोरी हो गए और उन्होंने थाने में मामला दर्ज करवाया है। जयपुर के सांगानेर थाने के थानाधिकारी नंदलाल ने बताया कि कार्यक्रम के बाद रविवार रात को थाने में भारी भीड़ लग गई। उस रात और इसके अगले दिन बहुत से लोगों ने मोबाइल फोन चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। थानाधिकारी ने कहा कि जयपुर में गायक दोसांझ के संगीत कार्यक्रम के दौरान मोबाइल चोरी होने संबंधी 32 प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अभी इन मोबाइल फोन को ट्रेक करने की कोशिश कर रही है, जिससे चोरों को पकड़ा जा सके।

खींवसर सीट पर मैदान के बाहर वालों में चल रहा असल मुकाबला

नगौर/खींवसर,05 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी राजस्थान में आने वाली खींवसर विधानसभा सीट उन नेताओं की रणभूमि बनी हुई है, जो चुनाव तो नहीं लड़ रहे, लेकिन मैदान में असल मुकाबला उन्हीं का है। यहां आएलपी से कनिका बेनीवाल, बीजेपी से रेवत राम डांगा और कांग्रेस डॉ. रतन चौधरी यहां चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला आरएलपी सांसद हनुमान बेनीवाल, बीजेपी नेता ज्योति मिर्धा के बीच लड़ा जा रहा है।हनुमान बेनीवाल के सांसद बनने के बाद खींवसर विधानसभा सीट उपचुनावों के लिए खाली हुई, जिस पर उन्होंने अपनी पत्नी

कनिका को प्रत्याशी बनाकर उतार दिया। वहीं, ज्योति मिर्धा ने यहां रेवत राम के समर्थन में पूरा जोर लगा दिया है। दोनों नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। हनुमान को भी ज्योति की तरह ही नागौर की सियासत विरासत में मिली है। हनुमान के पिता रामदेव चौधरी किसी जमाने में नाथूराम मिर्धा के सबसे खास माने जाते थे। हनुमान के लिए खींवसर की सीट अस्तित्व की लड़ाई है। ये सीट हारे तो राजस्थान विधानसभा से आरएलपी का प्रतिनिधित्व खत्म हो जाएगा। वहीं, ज्योति मिर्धा के रेवत राम डांगा के जरिए हनुमान से अपना हिसाब बराबर करना चाहती हैं। हनुमान और ज्योति मिर्धा दोनों को नागौर की राजनीति विरासत में मिली है। हनुमान के पिता रामदेव चौधरी और ज्योति के दादा नाथूराम मिर्धा के सबसे करीबी माने जाते थे। खींवसर सीट 2008 में अस्तित्व में आई। इससे पहले यह मूंडवा सीट थी जिस पर आपातकाल के बाद 1977 में पहला विधानसभा चुनाव हुआ और हनुमान के पिता रामदेव चौधरी ने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीता।

अफवाह साबित हुई ऐरोहेड की मौत की खबर

सवाई माधोपुर,05 नवंबर (एजेंसियां)। बीते दो–तीन दिनों से रणथंभौर टाइगर रिजर्व की प्रसिद्ध बाघिन ऐरोहेड की मौत की खबरें सामने आ रही थीं लेकिन आज वन विभाग की टीम को बाघिन और उसके तीनों शावक रणथंभौर में सकुशल विचरण करते नजर आए, जिसके बाद वन विभाग ने ऐरोहेड की मौत को लेकर चल रही अफवाहों का खंडन करते हुए कहा है कि टाइग्रेस ऐरोहेड जिंदा है। जानकारी के मुताबिक आज वन विभाग की टीम सुबह रणथंभौर के जंगल में गश्त कर रही थी। इसी दौरान वनकर्मियों को बाघिन टी–84 ऐरोहेड नजर आई। बाघिन के साथ उसके तीनों शावक भी दिखाई दिए। इस दौरान वन्यकर्मियों ने बाघिन एवं उसके शावकों का वीडियो बनाया और उच्च अधिकारियों को भेजा। वन विभाग द्वारा बाघिन एवं उसके शावकों के वीडियो रिलीज कर बाघिन की मौत की अफवाह का खंडन किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक बाघिन टी 84 ऐरोहेड व उसके तीनों शावक सकुशल और स्वस्थ हैं। गौरतलब है कि एक–दो दिन पहले अचानक बाघिन ऐरोहेड की मौत की खबरें आने लगी थीं।इसके बाद अब बाघिन ऐरोहेड का वीडियो सामने आया है, जिसमें बाघिन अपने शावकों के साथ रणथंभौर के जंगलों में विचरण करती नजर आ रही है। वीडियो सामने आने के बाद बाघिन ऐरोहेड की मौत की अफवाहों पर विराम लग गया है।

नीतीश अग्रवाल ने भिवानी पुलिस अधीक्षक के तौर पर संभाला कार्यभार

झज्जर में पुलिस उपायुक्त बने दीपक

भिवानी/झज्जर,05 नवंबर (एजेंसियां)। जिला गुरुग्राम से स्थानांतरित होकर आए एसपी नीतीश अग्रवाल ने सोमवार को जिला भिवानी में पुलिस अधीक्षक पद पर कार्यभार संभाल लिया। एसपी नीतीश अग्रवाल ने कार्यभार संभालते ही डीएसपी व अधिकारियों के साथ विचार–विमर्श किया। उन्होंने जिले की सुरक्षा संबंधी जानकारी लेकर क्राइम कंट्रोल करने के लिए कड़े दिशा निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक भिवानी नीतीश अग्रवाल ने कहा कि जिले को नशा मुक्त व अपराध मुक्त करने के लिये भरसक प्रयास किया जाएगा। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए गम्भीरत से कार्य किया जाएगा और अधिक से अधिक आम नागरिकों को साइबर अपराधों के दुष्परिणामों के बारे में जागरुक किया जाएगा । युवाओं को नशे के प्रति जागरुक करने के लिए निरन्तर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि नए सिरे से सुरक्षा के विशेष प्रबंध किए जाएं और सुरक्षा मामले में किसी प्रकार की कोई कोताही न बरती जाए।

उन्होंने कहा कि जिले में यातायात व्यवस्था को सुचारू करने और शहर को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाने को लेकर विशेष प्रबंध किए जाएंगे। इसके साथ ही डीएसपी व अन्य अधिकारियों को भी सभी एसएचओ व चौकी इंचार्ज से सुरक्षा प्रबंधों का ब्यौरा लेने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की फरियादों को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई कर उन्हें शीघ्र अति शीघ्र न्याय दिलवाया जाएगा।

कुरुक्षेत्र के ताऊ देवीलाल पार्क से किसानों का मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच, ज्ञापन सौंपने की तैयारी

कुरुक्षेत्र,05 नवंबर (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र के पिपली में ताऊ देवीलाल पार्क में जुटे किसानों ने अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच किया। किसानों का कहना है कि वे अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर सरकार तक अपनी बात पहुंचाना चाहते हैं। फिलहाल किसान नेताओं ने घोषणा की है कि मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचकर वे एक ज्ञापन सौंपेंगे।

पंचायत में शामिल किसानों का मुख्य मुद्दा फसल अवशेष जलाने के मामलों में दर्ज की गई कार्रवाई है, जिससे किसानों पर रिकॉर्ड में 'रेड एंट्री' हो रही है, और इससे उन्हें आगामी दो वर्षों तक फसल बेचने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है।

आज विभिन्न मांगों को लेकर प्रदेशभर के किसान एकत्र हुए थे। पंचायत के दौरान किसान नेताओं ने अपनी प्रमुख मांगों को सामने रखते हुए, आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की। किसानों का कहना है कि यदि उनकी मांगे पूरी नहीं हुईं, तो वे मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की योजना बना सकते हैं।

पंचायत में किसान नेताओं रतन मान और सुरेश कोथ सहित सैकड़ों किसान पहुंचे हैं। किसानों की मांगों में मुख्य रूप से फसल अवशेष जलाने को लेकर उन पर दर्ज किए गए मामलों और 'रेड एंट्री' का मुद्दा है। किसानों का आरोप है कि फसल अवशेष जलाने के आरोप में उनके खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं, जिससे उनके रिकॉर्ड पर 'रेड एंट्री' की जा रही है। इसका परिणाम यह होता है कि किसान अपनी फसल को दो साल तक मंडियों में नहीं बेच सकते।

अवैध प्लॉटिंग पर यूटीआई ने चलाया बुलडोजर

अलवर,05 नवंबर (एजेंसियां)। दीपावली के बाद एग्रीकल्चर प्लॉटिंग पर एक बार फिर अलवर णखढ का बुलडोजर चला है। मंगलवार को भूगोर में श्मशान के पास और मंगलम रेजिडेंसी के पीछे करीब 10 से 15 बीघा जमीन पर अवैध प्लॉटिंग के लिए बनाई गई मिट्टी की रोड को यूटीआई ने ध्वस्त कर दिया और रोड को हटा दिया।

यूटीआई के तहसीलदार अनिल शर्मा ने बताया कि अवैध प्लॉटिंग पर यूआईटी की बराबर कार्रवाई होती रहती है। उसी के अनुसार जेईएन की रिपोर्ट के आधार पर भूगोर में श्मशान घाट से लगती करीब 8 से 10 बीघा जमीन पर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। इसके पास ही मंगलम रेजिडेंसी के पीछे भी अवैध प्लॉटिंग पर एक्शन हुआ है, जिसे लेकर पहले खातेदार को नोटिस दिया गया और नोटिस का जवाब नहीं आने के बाद नियम के अनुसार अवैध प्लॉटिंग के लिए डाली जा रही कच्ची रोड को जेसीबी से हटाया गया है। इसके साथ ही खातेदार को भी पाबंद किया गया है ताकि आगे अवैध प्लॉटिंग नहीं हो। लगातार हो रही अवैध प्लॉटिंग को लेकर यूआईटी प्रशासन पर सवाल उठ रहे हैं कि एक बार अवैध प्लॉटिंग रोकने के कुछ महीनों के बाद उसी जगह पर कॉलोनी बस जाती है।

कैथल में महापर्व छठ की तैयारियां पूरी

नहाय–खाय से हुई शुरूआत, शीतलपुरी डेरे के सरोवर में करवाई गई है सफाई

कैथल,05 नवंबर (एजेंसियां)। कैथल के बाबा शीतलपुरी घाट पर मनाए जाने वाले चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरूआत आज नहाय खाय से हो गई है। इस महापर्व के तहत सात नवंबर को डूबते और आठ नवंबर की सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के साथ महिलाएं व्रत का समापन करेंगी। पर्व पूर्वांचल समाज की महिलाओं में काफी उत्साह है।

नगर परिषद ने बाबा शीतलपुरी घाट की सफाई करा दी गई है। यहां पर पानी भरकर लाइटों की व्यवस्था की जा रही है, जिससे महिलाओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। पर्व के तहत पूर्वांचल जनविकास सेवा समिति के सदस्यों ने तैयारियों पर जानकारी ली। सब्जी मंडी स्थित दुकानदार नवीन व रघुबीर ने बताया कि चार दिवसीय छठ महापर्व को लेकर सामान की ब्रिकी शुरू हो चुकी है। अब लगातार तीन दिन तक पूर्वांचल समाज के लोग व्रत से संबंधित पूजन सामग्री सहित अन्य सामान खरीदने के लिए आ रहे हैं। इसमें करीब 50 प्रकार की पूजन सामग्री शामिल है।

पंडित मुकेश पांडे ने बताया कि छठ महापर्व में व्रत, पूजा और अर्घ्य की प्रक्रिया में पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाता है। घर में एक माह पहले से ही लहसुन प्याज का परित्याग कर दिया जाता है। जूता व चप्पल भी त्याग दिए जाते हैं। बताया कि छठ महापर्व मंगलवार को नहाय–खाय के साथ ही शुरू होगा। इस दिन व्रती महिलाएं पास की नदी या तालाब में स्नान करने के बाद घर पर कद्दू और चावल का 'कद्दू भात'' बनाएंगी। व्रत रखने वाली महिलाएं रात में जमीन पर सोती हैं और शाम को एक समय कुछ प्रसाद ग्रहण करेंगी। खरना छह नवंबर को मनाया जाएगा। सात नवंबर को निर्जला उपवास का दिन है। इस दिन व्रती महिलाएं डूबते सूर्य को शाम पांच बजकर 27 मिनट पर अर्घ्य देंगी। अर्घ्य देने के बाद प्रसाद सामग्री को घर लाया जाता है और रात में जागरण कर माता षष्ठी की कहानी सुनी जाती है।

पंडित मुकेश पांडे ने बताया कि इस पर्व के शुरू होने से लेकर समाप्त होने तक उल्लास का माहौल रहता है। सूर्यास्त और सूर्योदय पर अर्घ्य के समय नदी और तालाब के किनारे का दृश्य अद्भुत होता है। घाट किनारे भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए लोग इकट्ठा होते हैं। कई लोग घरों में गड्ढे खोदकर छठ मैया की पूजा करते हैं।

पूर्वांचल जनविकास सेवा समिति के प्रधान जयकिशन राय ने बताया कि इस पर्व के माध्यम से महिलाएं सूर्य देवता और षष्ठी मैया से अपने परिवार की खुशहाली और संतान की लंबी उम्र की कामना करते हैं। छठ पर्व के दौरान प्रकृति के विभिन्न तत्वों जैसे जल, सूर्य, चंद्रमा आदि की पूजा की जाती है। यह प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का एक तरीका है और हमें प्रकृति के संरक्षण का महत्व सिखाता है। छठ का व्रत बहुत कठिन होता है। व्रतधारी 36 घंटे तक निर्जला व्रत करती हैं।

सोनीपत में खाद के लिए मारामारी

घंटों लाइन में लगने के बाद भी नहीं मिल रहा खाद

सोनीपत,05 नवंबर (एजेंसियां)। सरकार का दावा है कि सभी किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करवाया जा रहा है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। सोनीपत के गांव बैंयापुर स्थित पैक्स कार्यालय पर मंगलवार सुबह डीएपी खाद लेने वालों की लंबी लाइन लगी रही। सभी पहले खाद लेने के लिए धक्का–मुक्की कर रहे थे। डीएपी खाद के एक बैग के लिए महिलाओं व बुजुर्गों को भी घंटों लाइन में लगने को मजबूर होना पड़ा। जिस पर किसानों में रोष बना हुआ है।

जिले में धान की कटाई के साथ ही किसानों ने गेहूं की बिजाई भी शुरू कर दी है। गेहूं की बेहतर पैदावार के लिए बिजाई के समय प्रति एकड़ एक बैग डीएपी खाद की जरूरत पड़ती है। जिले में कई स्थानों पर अभी भी डीएपी खाद की किल्लत बनी हुई है। मंगलवार सुबह गांव बैंयापुर स्थित पैक्स पर 200 बैग डीएपी खाद पहुंचने की सूचना मिलते ही गांव से करीब 400 किसान खाद लेने के लिए पहुंच गए। हालांकि उन्हें एक आधार कार्ड पर एक ही बैग खाद दिया गया। इसके लिए भी घंटों लाइन में लगाए रखा। किसानों ने आरोप लगाया कि पैक्स के अधिकारी अपने चहेतों को पहले खाद उपलब्ध करवा रहे हैं, यही कारण है कि घंटों लाइन में लगने के बाद भी खाद मिलने की उम्मीद कम ही नजर आ रही है। यही हालात रहे तो शायद इस बार बिना डीएपी खाद डाले ही बिजाई करनी पड़ेगी।कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जिले में गेहूं बिजाई के सीजन के लिए करीब 14 हजार मीट्रिक टन डीएपी खाद की आवश्यकता है। जिले में अब तक 9400 मीट्रिक टन डीएपी खाद पहुंचा है।

यह खाद भी 34 में से महज 14 पैक्स पर ही पहुंचा है, अन्य को अभी खाद पहुंचने का इंतजार है। अधिकरियों ने सभी पैक्स प्रबंधकों को जरूरत के हिसाब से मांग भेजने के निर्देश दिए हैं, ताकि समय पर खाद पहुंचाई जा सके। कृषि अधिकारी का कहना है कि एक एकड़ भूमि में करीब 45 किलोग्राम डीएपी खाद की आवश्यकता होती है।

रामगढ़ के किले को बचाने के लिए तेजस्वी का रोड शो

नीतीश जी के गाड़ी पुरान हो गइल बा

कैमूर (एजेंसियां)।

बिहार में होने वाले उपचुनाव के लिए राजद ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। रामगढ़ सीट पर अपने उम्मीदवार अजीत कुमार सिंह के समर्थन में राजद नेता तेजस्वी यादव ने रोड शो किया। इस रोड शो में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। रामगढ़ विधानसभा सीट पर होने वाला यह उपचुनाव काफी चर्चित है। राजद ने इस सीट से जगदानंद सिंह के बेटे और बक्सर सांसद सुधाकर सिंह के छोटे भाई अजीत कुमार सिंह को मैदान में उतारा है। तेजस्वी यादव के इस रोड शो में कर्मनाशा, दुर्गावती, देवलिया, रामगढ़, नुआंव और पंजराव जैसे इलाके शामिल थे। लगभग 40 किलोमीटर लंबे इस रोड शो के दौरान तेजस्वी यादव ने रामगढ़ में

एक जनसभा को संबोधित किया। इस सभा में उन्होंने बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार की जनता परिवर्तन चाहती है।

बिहार में होने वाले उपचुनाव के लिए सभी पार्टियों ने अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं और नामांकन भी हो चुके हैं। इस चुनाव में रामगढ़ विधानसभा सीट सबसे चर्चित है। इसी सिलसिले में बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव रामगढ़ में एक रोड शो किए, जिसमें हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

राजद ने रामगढ़ सीट से जगदानंद सिंह के बेटे और बक्सर सांसद सुधाकर सिंह के छोटे भाई अजीत कुमार सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। तेजस्वी यादव के इस रोड शो में कर्मनाशा, दुर्गावती, देवलिया, रामगढ़, नुआंव और पंजराव जैसे इलाके शामिल रहे। लगभग 40 किलोमीटर लंबे इस रोड शो के दौरान तेजस्वी यादव ने रामगढ़ में एक सभा को संबोधित करते हुए बिहार सरकार पर जमकर हमला बोला।

रामगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, 'मैं 17 महीने तक डिप्टी सीएम रहा। मैंने अपने कार्यकाल में बहुत काम किए। लेकिन आज बिहार में दो डिप्टी सीएम हैं और दोनों मिलकर एक भी काम नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें सिर्फ तेजस्वी और लालू जी को गाली देने से फुरसत मिले तो शायद जनता के लिए भी कुछ कर पाएं।'

तेजस्वी ने भोजपुरी में कहा, 'नीतीश जी के गाड़ी पुरान हो गइल बा, अब नया गाड़ी पर बैठे के टाइम आ गइल बा।' तेजस्वी ने जनता से महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर वोट करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'हम आपसे सिर्फ 5 साल मांग रहे हैं। 5 साल में बिहार बदल गया तो ठीक, नहीं तो आप हमें सजा दीजिएगा।'

मुजफ्फरपुर सेंट्रल जेल में भी गूंज रहे छठ गीत

महापर्व में आस्था रखने वालों में मुस्लिम और सिख भी शामिल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार में चार दिवसीय अनुष्ठान का महापर्व छठ की छटा बिखरी हुई है। गांव से लेकर कस्बों, शहरों, गलियों, सड़कों तक में छठ के मधुर गीत गूंज रहे हैं। वहीं, बिहार के जेलों में भी कैदी छठ पर्व में भगवान भास्कर की आराधना में जुटे हैं। मुजफ्फरपुर के शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय जेल में 49 पुरुष और 47 महिलाओं समेत कुल 96 बंदी छठ महापर्व कर रहे हैं। जिसमें सजायाफ्ता 13 महिला, विचाराधीन 33 महिला और एक मुस्लिम महिला के साथ ही 18 सजायाफ्ता, 28 विचाराधीन पुरुष, दो मुस्लिम पुरुष और एक सिख पुरुष बंदी शामिल हैं।

छठ पूजा के लिए सभी व्रतियों को जेल प्रशासन के तरफ से पूजा सामग्री के साथ-साथ पूजा करने के लिए नए-नए कपड़े भी दिए गए हैं। कैदियों के लिए जेल के अंदर ही पूजा करने के लिए

कृत्रिम छठ घाट बनाया गया है, जिस पर तरह-तरह की आकृतियां बनाई गई हैं।

लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर हर साल जेल प्रशासन बंदियों को पूजा पाठ करने की सभी सामग्री उपलब्ध कराती है और पूरे विधि विधान के साथ छठ व्रती बंदी अपना पूजा पाठ करते हैं। मंगलवार को जेल के अंदर नहा खाए के बाद बुधवार को बंदी छठव्रती खरना का प्रसाद ग्रहण कर 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू करेंगे।

सूर्य उपासना के छठ व्रत को लेकर लोगों में जो आस्था है, वह जेल के अंदर भी देखने को मिल रहा है। जेल अधीक्षक बृजेश मेहता ने बताया कि लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर जेल प्रशासन की तरफ से सभी मुकम्मल व्यवस्थाओं के साथ-साथ छठ पूजा कर रहे बंदियों के बीच पूजन सामग्री के साथ-साथ पूजा पाठ करने के लिए कपड़ा भी मुहैया कराया गया है। छठ घाट से लेकर व्रत कर रहे बंदियों के रहने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। छठ कर रहे बंदियों की मदद में अन्य बंदी भी लगे रहते हैं।

पिकअप की टक्कर से छात्रा की मौत, परिवार में मचा कोहराम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर थानाक्षेत्र के कल्याणपुर हरौना गांव में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में 13 वर्षीय छात्रा स्वाति कुमारी की मौत हो गई। घटना सोमवार देर रात की है, जब स्वाति घर का सामान लेकर लौट रही थी। अचानक एक तेज रफ्तार पिकअप ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्वाति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

परिवार के सदस्यों का कहना है कि हादसे के वक्त पिकअप चालक नशे में था, जिसके कारण वह वाहन को नियंत्रित नहीं कर पाया। स्वाति के दादा चिरंजीवी सहनी ने बताया कि उनकी पोती स्वाति घर का कुछ जरूरी सामान

लेकर लौट रही थी और सड़क पार कर रही थी, तभी अचानक तेज रफ्तार पिकअप ने उसे रौंद दिया।

हादसे के बाद ग्रामीणों ने पिकअप को पकड़ लिया और पुलिस को इसकी सूचना दी।

घटना की जानकारी मिलते ही मोतीपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने स्वाति के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। पुलिस ने पिकअप को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच तेजी से की जा रही है और जल्द ही पिकअप चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विश्व प्रसिद्ध सौर तीर्थस्थल देव पहुंचे पावर स्टार पवन सिंह, राजनीति में सफलता का मांगा आर्शीवाद

औरंगाबाद (एजेंसियां)।

औरंगाबाद के विश्व प्रसिद्ध सौर तीर्थ स्थल देव में मंगलवार को नहाय खाय से शुरू होने वाले लोक आस्था के महापर्व चार दिवसीय कार्तिक छठ की पूर्व संध्या पर भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह देव पहुंचे। यहां पहुंचकर पवन सिंह ने त्रेतायुगीन सूर्य मंदिर में भगवान भास्कर को मत्था टेका। इस दौरान सूर्य मंदिर के प्रधान पुजारी राजेश पाठक ने पवन सिंह से सूर्यदेव की वैदिक मंत्रोच्चार से विधिवत पूजा अर्चना कराई। सूर्यदेव के दर्शन-पूजन के दौरान पवन सिंह ने मीडिया से दूरी बनाए रखी। प्रयास के बावजूद उन्होने मीडिया से बात नही की।

पवन सिंह की अचानक से देव की यात्रा को राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि

पवन सिंह 2024 का लोकसभा चुनाव काराकाट संसदीय क्षेत्र से लड़ चुके है। काराकाट संसदीय क्षेत्र में तीन विधानसभा क्षेत्र-गोह, ओबरा व नबीनगर औरंगाबाद जिले में है, जबकि तीन विधानसभा क्षेत्र-डिहरी, नोखा और काराकाट रोहतास जिले में पड़ते है। राजनीतिक हलको में यह भी चर्चा है कि इस बार 2025 के विधानसभा चुनाव में भी पवन सिंह काराकाट लोकसभा क्षेत्र में पड़ने वाले कुछ विधानसभा क्षेत्र से जोर आजमाइश करने वाले है। उनकी नजर काराकाट और नबीनगर की विधानसभा सीट पर है। इन दोनों सीटों पर वह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह चुनाव लड़ने वाली है। पवन सिंह द्वारा इन दोनों सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी भी की जा रही है। चर्चा यह भी है कि पवन सिंह चर्चित रणनीतिकार प्रशांत किशोर के संपर्क में है और विधानसभा चुनाव का समय आने पर वें उनकी पार्टी जन सुराज पार्टी में शामिल होकर बतौर उम्मीदवार चुनाव मैंदान में उतर सकते है।

पवन सिंह के आज शाम अचानक से देव आकर सूर्यदेव की पूजा-अर्चना को उनकी राजनीतिक सक्रियता से ही जोड़ा जा रहा है। इसके पूर्व लोकसभा चुनाव के दौरान भी पवन सिंह सूर्यदेव की पूजा करने देव आए थे। बीच में नबीनगर में चर्चित छात्रा हत्याकांड के बाद भी पवन सिंह परिजनों से मिलकर मातमपुर्सी करने देव आए थे। पवन सिंह के इन दौरो के साफ संकेत है कि वें लोगों को क्षेत्र में अपनी सक्रियता का संकेत दे रहे है। आज के देव दौरे के बारे में यह माना जा रहा है कि पवन सिंह ने देव आकर सूर्यदेव से राजनीति के मैदान में सफलता का आर्शीवाद मांगा है। वैसे भी यह मान्यता आम है कि कार्तिक और चैत माह के छठ पर्व के दौरान देव आकर मन्नत मांगने वाले भक्तों की सूर्यदेव हर मनोकामना को पूरा किया करते है। लोकसभा चुनाव के वक्त जब पवन सिंह देव आए थे तो उस वक्त कार्तिक या चैत का महीना नही था लेकिन इस बार पवन सिंह कार्तिक माह में सूर्यदेव से मन्नत मांगने देव आए है। ऐसे में माना जा रहा है कि सूर्यदेव इस बार पवन सिंह की मनोकामना जरूर पूरी करेंगे।

तेजस्वी क्रिकेट खेलें, जन सुराज 1 साल में उन्हें राजनीति से मुक्त कर देगी: प्रशांत किशोर

गया (एजेंसियां)।

बिहार के गया में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। बेलागंज विधानसभा सीट पर जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार मोहम्मद अमजद को राजद उम्मीदवार विश्वनाथ यादव के साथ देखा गया है। इससे लोगों में कयास लग रहे हैं कि राजद बेलागंज सीट पर क्या कोई 'खेल' कर रही है? इस घटनाक्रम को लेकर जब जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर से बात की गई तो उन्होंने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पीके ने तेजस्वी यादव पर तंज करते हुए कहा कि 'गया में राजद का खेला नहीं चलेगा। राजद का खेल हो गया है, आप हमारे उम्मीदवार की चिंता न करें।'

दरअसल बेलागंज विधानसभा सीट पर जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार मोहम्मद अमजद और राजद उम्मीदवार विश्वनाथ यादव को एक साथ देखे जाने के बाद से ही गया में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। लोगों में यह चर्चा का विषय बन गया है कि क्या राजद इस सीट पर कोई रणनीति बना रही है? मोहम्मद अमजद पहले भी दो बार बेलागंज से चुनाव लड़ चुके हैं और दूसरे नंबर पर रहे हैं। वहीं विश्वनाथ यादव, बेलागंज से कई बार विधायक रहे सुरेंद्र यादव के बेटे हैं। मोहम्मद अमजद अल्पसंख्यक समुदाय के बड़े चेहरे माने जाते हैं और उन्होंने दो बार सुरेंद्र यादव को कड़ी टक्कर दी है। इस बार भी उनका मुकाबला सुरेंद्र यादव के बेटे विश्वनाथ यादव से है।

प्रशांत किशोर ने आगे कहा, 'राजद नेता दावा करते थे कि हम क्रिकेट के खिलाड़ी हैं। क्रिकेट तो वह खेल नहीं सके और न पढ़-लिख सके। जन सुराज 1 साल में तेजस्वी को राजनीति से मुक्त कर देंगे। ताकि वह क्रिकेट पर खेलने के लिए ध्यान दें। हमारे उम्मीदवार की चिंता ना करें।'

वहीं, राजद नेता और विश्वनाथ यादव के पिता सुरेंद्र यादव ने भी इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि 'बेलागंज हमारा घर है और हम अपना घर में कोई भी चोरी या लूटने आएगा, डकैती करने आएगा तो हम उसको अपना घर को कैसे बचाएंगे। आप ही बताइए आपका घर में चोरी या लूटने कोई आएगा तो आप चोर को लूटने देंगे।' हालांकि, सुरेंद्र यादव ने किसी पार्टी या व्यक्ति का नाम नहीं लिया है।

इस घटनाक्रम से यह स्पष्ट है कि बेलागंज विधानसभा सीट पर मुकाबला बेहद दिलचस्प होने वाला है। एक तरफ अनुभवी नेता सुरेंद्र यादव के बेटे विश्वनाथ यादव हैं तो दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय के बड़े चेहरे मोहम्मद अमजद हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार जनता किस पर भरोसा जताती है।

कशिश कपूर ने बिग बॉस में की वाइल्ड कार्ड एंट्री, बिहार का नाम किया रोशन

पूर्णिया (एजेंसियां)।

पूर्णिया की बेटी कशिश कपूर ने लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस में वाइल्ड कार्ड एंट्री पाकर बिहार का नाम रोशन किया है। कशिश, पूर्णिया के न्यू कृष्णापुरी मोहल्ले के निवासी पवन कुमार सिंह और जुली सिंह की बेटी हैं। उनके पिता सरकारी अधिकारी हैं, जबकि मां अधिवक्ता हैं। कशिश की इस उपलब्धि से उनके परिवार के साथ-साथ पूरे पूर्णिया में खुशी का माहौल है।

कशिश ने एमटीवी के रियलिटी शो स्प्लिट्सविला से शोहरत पाई, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया। इस शो को अभिनेत्री सनी लियोनी ने होस्ट किया था। कशिश इस शो में अपनी छवि के कारण सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हो गईं। उनके सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या छह लाख से भी अधिक है। स्प्लिट्सविला के बाद उन्हें कई और टीवी शो और इवेंट्स में हिस्सा लेने का मौका मिला, जिससे उनकी लोकप्रियता में लगातार इजाफा हुआ।

कशिश कपूर की प्रारंभिक शिक्षा ब्राइट कैरियर स्कूल और मिल्लिया कॉन्वेंट स्कूल में हुई। जहां से उन्होंने दसवीं और प्लस टू तक की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली के एमआईटी यूनिवर्सिटी से मास कम्युनिकेशन में स्नातक किया। कशिश ने गुजरात में आयोजित 36वें नेशनल गेम्स में एंकरिंग भी की है, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ।

कशिश के पिता पवन सिंह ने बताया कि उनकी बेटी का रुझान बचपन से ही मीडिया और एंटरटेनमेंट की ओर था। वह प्लस टू के बाद एक तकनीकी संस्थान में एडमिशन लेने के लिए गईं, लेकिन उनकी दिलचस्पी फिल्मी और मीडिया की दुनिया में थी। इस वजह से उन्होंने मुंबई का रुख किया और कई बड़े रियलिटी शोज में अपनी जगह बनाई।

बिग बॉस में उनकी वाइल्ड कार्ड एंट्री ने पूर्णिया और बिहार के लोगों में गर्व का एहसास भर दिया है। कशिश की इस उपलब्धि पर उनके परिवार और परिचितों ने उन्हें खूब बधाइयां दीं। समाजसेवी दीपक कुमार झा, जो कशिश के परिवार के करीबी हैं, ने कहा कि कशिश की मेहनत और लगन ने उन्हें यहां तक पहुंचाया है। उन्होंने पूर्णिया और बिहारवासियों से अपील की है कि कशिश को वोट देकर उनका सपोर्ट करें ताकि वह बिग बॉस के मंच पर सफलता का परचम लहराकर बिहार का मान और बढ़ा सकें।

किऊल नदी के घाट पर पहली बार बनारस के पंडितों ने की गंगा आरती

जमुई (एजेंसियां)।

जमुई जिले की किऊल नदी के त्रिपुरारी घाट पर सोमवार को नगर विकास एवं आवास विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में गंगा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अनोखे आयोजन में पहली बार किऊल नदी के तट पर बनारस से आए विद्वान पंडितों ने विधिवत गंगा आरती की। इस ऐतिहासिक अवसर पर सैकड़ों महिलाओं, पुरुषों और श्रद्धालुओं ने घाट पर एकत्रित होकर इस विशेष आरती का आनंद लिया।

जानकारी के मुताबिक, कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर सदर विधायक श्रेयसी सिंह द्वारा किया गया। इसके बाद घाट पर एक हजार से अधिक दीपों से भगवान श्रीराम और हनुमान की आकृतियां बनाई गईं, जिसने घाट की भव्यता को और बढ़ा दिया। महिलाओं ने दीपोत्सव का आयोजन किया, जिससे घाट का पूरा वातावरण आध्यात्मिकता से सराबोर हो गया। बनारस से आए आठ पंडितों ने भव्य गंगा आरती कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। साथ ही स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने समां बांध दिया। नगर परिषद की ईओ प्रियंका गुप्ता ने कार्यक्रम का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि नमामि गंगे अभियान के अंतर्गत गंगा नदी के संरक्षण और स्वच्छता के प्रति समाज को जागरूक करने का उद्देश्य इस आयोजन का मुख्य केंद्र था। उन्होंने बताया कि गंगा नदी के उत्थान और इसके स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु इस उत्सव का आयोजन किया गया, जो समाज को न केवल नदी के प्रति संवेदनशील बनाएगा बल्कि जीविकोपार्जन में बढ़ोतरी के लिए भी एक अहम पहल है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com